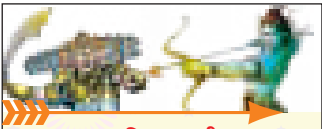


# दैनिक जागरण



## शुभ विजयादशमी

बुराई पर अच्छाई की जीत का यह पर्व हम सबको सामाजिक बुराइयों को खत्म कर सर्वत्र सद्भाव को बल देने के लिए प्रेरित-संकल्पित करने के साथ हमारी आंतरिक चेतना को प्रकाशित करे, इस कामना के साथ सभी को विजयादशमी की हार्दिक बधाई।

प्रधान संपादक

## जागरण विशेष

### जम्मू कश्मीर में विजयादशमी पर दिखेगा 'अभूतपूर्व' जोश

जम्मू : अनुच्छेद 370 से मुक्ति मिलने के बाद जम्मू कश्मीर में पहले शारदीय नवरात्र

और मंगलवार को विजयादशमी पर्व को लेकर लोगों में खासा जोश है। सीमा पार से हालात बिगाड़ने की तमाम कोशिशों और साजिशों को टेंना दिखा रहा है यह उत्साह। (पेज-11)

## न्यूज गैलरी

### राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

#### मोदी और चिनफिंग की वार्ता पर चुप्पी, तैयारियां पूरी

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच अमले शुक्रवार से रविवार तक आयोजित दूसरी अनौपचारिक वार्ता को लेकर अभी तक दोनों देशों के विदेश मंत्रालयों ने चुप्पी साध रखी है। यह अपने आप में बहुत ही दुर्लभ है जब दो देशों के शीर्ष नेताओं के बीच अंदर ही अंदर मुलाकात की तैयारी चल रही हो, लेकिन इसके बारे में आधिकारिक बयान देने से बचा गया हो।

### महासमर ▶ पृष्ठ 4

#### राज बब्बर की जगह अजय कुमार उत्तर प्रदेश कांग्रेस के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली : उत्तर प्रदेश में फिर से खड़ा होने की कोशिश कर रही कांग्रेस ने सोमवार रात प्रदेश अध्यक्ष को बदलकर इसकी शुरुआत कर दी। पार्टी ने राजबब्बर की जगह प्रदेश की कमान अजय कुमार लल्लू को सौंप दी है। वहीं आराधना मिश्रा को अजय कुमार की जगह विधायक दल का नेता बनाया गया है। पार्टी ने प्रवेश इकाई में पांच उपध्यक्ष, 12 महासचिव और 24 सचिवों को शामिल किया है।

### नेशनल न्यूज ▶ पृष्ठ 7

#### आदर्श क्रेडिट कोआपरेटिव की 1500 करोड़ की संपति जव्त

नई दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आदर्श क्रेडिट कोआपरेटिव सोसायटी लि. की करीब 1500 करोड़ रुपये की संपति सोमवार को जब्त कर ली। इसमें 1464.76 करोड़ की अचल संपतियां व बैंक में जमा 24.44 करोड़ रुपये शामिल हैं। जनता के जमा धन के गबन के आरोप में ईडी ने यह कदम उठाया है।

### बिजनेस ▶ पृष्ठ 12

#### जनवरी से वीपीसीएल की विनिवेश प्रक्रिया संभव

नई दिल्ली : रणनीतिक विनिवेश के जरिये भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को वैश्विक कंपनी में तब्दील करने की मंशा के तहत सरकार जनवरी में दुनिया भर की कंपनियों से निविदाएं मंगा सकती है। इसके लिए कई देशों में रोड शो भी किए जाएंगे।

## एसपीजी के बिना विदेश नहीं जा सकेंगे गांधी परिवार के सदस्य

नई दिल्ली, आइएनएस : स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) ने अपने नियमों को लेकर सख्ती बरती है। अब एसपीजी सुरक्षा प्राप्त वीवीआइपी बिना सुरक्षाकर्मियों को साथ लिए विदेश नहीं जा सकेंगे। गांधी परिवार द्वारा अपने अधिकतर विदेश दौरों के दौरान एसपीजी सुरक्षाकर्मियों को इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे (आइजीआई) से वापस छोटा दिए जाने के बाद नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। एए नियमों में विदेश दौरे के दौरान भी एसपीजी सुरक्षाकर्मियों को साथ ले जाना अनिवार्य बना दिया गया है।

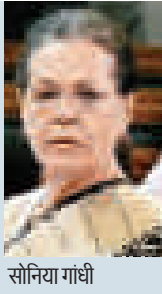
मौजूदा समय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अतिरिक्त कांग्रेस की अंतर्निम अध्यक्ष सोनिया गांधी के साथ ही उनके पुत्र राहुल गांधी और पुत्री प्रियंका गांधी को ही एसपीजी सुरक्षा मिली हुई है। अभी हाल तक पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को भी एसपीजी सुरक्षा मिली थी, लेकिन

खतरे की समीक्षा के बाद उनसे एसपीजी सुरक्षा वापस ले ली गई थी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि नए दिशा-निर्देश जारी करने का फैसला एसपीजी की शिकायत के बाद किया गया, जिसमें कहा गया था कि राहुल गांधी अपने निजी विदेश दौरों के दौरान एसपीजी सुरक्षाकर्मियों को आइजीआई के बाद साथ नहीं ले जाते हैं।

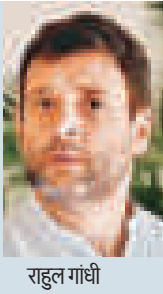
सूत्रों ने बताया कि राहुल जब अधिकारिक दौरे पर विदेश जाते हैं तभी उनके साथ एसपीजी सुरक्षाकर्मों होते हैं और उस यात्रा के बारे में लोकसभा स्पीकर और संसदीय कार्य मंत्रालय को भी जानकारी दी जाती है। एक शीर्ष आइपीएस अधिकारी ने बताया कि राहुल अपने निजी विदेश दौरे के दौरान कभी भी सुरक्षाकर्मियों को साथ नहीं ले जाते। इसके चलते विदेश में एसपीजी को भी राहुल के ठिकानों के बारे में कोई जानकारी नहीं होती।

► नियम किए गए सख्त, अब हर समय साथ रहेंगे कमांडो

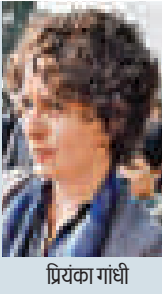
► प्रधानमंत्री के अलावा सिर्फ गांधी परिवार को ही मिली है एसपीजी सुरक्षा



सोनिया गांधी



राहुल गांधी



प्रियंका गांधी

एक सूत्र ने बताया कि सोनिया गांधी जब इलाज के लिए अमेरिका गई थीं तब सिर्फ दूतावास को उनकी यात्रा की सूचना भर दी गई थी। उनके साथ भी एसपीजी सुरक्षा नहीं थी। गांधी परिवार के सदस्य जब विदेश दौरे पर होते हैं तो इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर वापस लौटने से 20-25 मिनट पहले एसपीजी को

उन्के आने की जानकारी दी जाती है, ताकि हवाईअड्डे से सुरक्षा उनके साथ हो सके। एसपीजी ने यह पुष्टा 2017 में गृह मंत्रालय के सामने उठाया था। 2018 में एक बार फिर यह मसला उठाकर नियमों में बदलाव करने का अनुरोध किया गया था, क्योंकि एसपीजी सुरक्षा प्राप्त लोगों को हर समय खतरा बना रहता है।

### गांधी परिवार को बदलाव की जानकारी दी गई

आइपीएस अधिकारी ने बताया कि नए बदलाव के बारे में गांधी परिवार को जानकारी दे दी गई है। यह बदलाव ऐसे समय में किया गया है जब राहुल गांधी महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा के अहम चुनाव के समय विदेश दौरे पर गए हैं।

### पीएम, पूर्व पीएम व उनके परिवार को मिलती है एसपीजी सुरक्षा

प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को एसपीजी की सुरक्षा मिलती है। 1985 में गठन के बाद से ही एसपीजी प्रधानमंत्री, पूर्व प्रधानमंत्री और उनके परिवार के सदस्यों को दफ्तर और घर दोनों ही जगह सुरक्षा प्रदान करती रही है।

## आज भारत को मिलेगा पहला राफेल

नई दिल्ली : दशहरे के दिन भारत को फ्रांस से पहला राफेल लड़ाकू विमान मिल जाएगा। इसे लेने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह फ्रांस पहुंच गए हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ वायुक्षेत्र में भारत के दबदबे का दौर शुरू होगा।

अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर फ्रांस खाना होने से पहले सोमवार को राजनाथ ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच संबंध और गहरे होने को लेकर आशांचित हैं। वह पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों से मुलाकात करेंगे और फिर बोरडेक्स शहर के लिए खाना होंगे। जहां वह बोरडेक्स के पास स्थित मेरीनेक एयरबेस पर आधिकारिक रूप से पहला राफेल विमान हासिल करेंगे। वायुसेना की ओर से नवनिघुक्त उप वायुसेना प्रमुख एचएस अरोड़ा उनके साथ होंगे। वायुसेना निवस और दशहरे के कारण यह मौका और भी खास हो जाएगा। (पेज-3)

## स्विट्जरलैंड ने भारत को दी खातों की जानकारी

## आरे कॉलोनी में पेड़ों की कटाई पर सुप्रीम कोर्ट ने लगाई रोक

### कामयाबी ▶ पहली बार सूची सौंपी, सितंबर 2020 में मिलेगी दूसरी लिस्ट

#### बैंक खातों के बारे में सूचनाओं का लेन-देन गोपनीयता की शर्त पर किया

नई दिल्ली, प्रे्ट : काले धन के खिलाफ लड़ाई में सरकार को बड़ी सफलता मिली है। भारत को अपने नागरिकों के स्विस बैंक खातों की पहली सूची स्विट्जरलैंड सरकार से हासिल हो गई है। इससे केंद्र सरकार के लिए विदेश में फंसा काला धन भारत वापस लाने और इसके अपराधियों की धरपकड़ का रास्ता आसान हो जाएगा। हालांकि सूचनाओं का लेन-देन गोपनीयता की शर्त के साथ किया गया है। लिहाजा, उन भारतीयों के नाम और अन्य ब्योरे सार्वजनिक नहीं किए गए हैं।

भारत उन 75 देशों में शामिल है, जिनके साथ स्विट्जरलैंड ने ऑटोमैटिक एक्सचेंज ऑफ इन्फॉर्मेशन (ईईओआई) पर तब वैश्विक मानकों के तहत वित्तीय खातों की जानकारी साझा करने का करार किया है। इस फ्रेमवर्क के तहत भारत को पहली बार स्विट्जरलैंड से जानकारी मिली है। स्विट्जरलैंड के कर विभाग के अधिकारियों ने बताया कि सूचना के स्वतः आदान-प्रदान की इस व्यवस्था के तहत सितंबर, 2020 में भारत के साथ फिर वित्तीय खातों की सूचनाओं का आदान-प्रदान



प्रतीकचित्र

किया जाएगा। दोनों देशों के बीच सूचनाओं के स्वतः आदान-प्रदान की इस व्यवस्था से भारत को विदेश में अपने नागरिकों के जमा कराए गए कालेधन के खिलाफ लड़ाई में काफी मदद मिलेगी। इन जानकारियों में बैंक खाते में जमा राशि से लेकर धनराशि ट्रांसफर करने के ब्योरे के साथ ही आग का भी पुष्टा विवरण मिला है। इसमें सिव्युरिटीज और अन्य संपत्तियों में निवेश आदि शामिल हैं। इसमें खाताधारक की पहचान, नाम पता, टैक्स आइडेंटिफिकेशन नंबर भी शामिल है।

इस सबके बीच यह भी ध्यान देने की जरूरत है कि स्विट्जरलैंड से जिन खातों का विवरण मिला है, उन सभी का कालाधन से संबंध होना जरूरी नहीं है। इनमें ऐसे खाते भी शामिल हैं, जो सामान्य कारोबारी प्रक्रियाओं व सही उद्देश्य से नियमों का पालन करते हुए खोले गए हैं।

प्रवासी भारतीयों व कारोबारियों के ब्योरे : अधिकारियों ने बताया कि ज्यादातर ब्योरे प्रवासी भारतीयों समेत देश के कारोबारियों के हैं। इनमें अधिकांश वे भारतीय हैं जो कुछ दक्षिण पूर्वी एशियाई देशों में जाकर बस गए हैं। कुछ भारतीय ऐसे भी हैं जो अफ्रीकी और दक्षिण अमेरिकी देशों में जा बसे हैं। इसके अलावा, कम से कम 100 ऐसे मामले उन भारतीयों के हैं जिनके खाते बहुत पुराने हैं, लेकिन इन लोगों ने किसी कार्रवाई से बचने के लिए 2018 से पहले ही इन खातों को बंद कर दिया।

7500 वित्तीय संस्थान पंजीकृत : स्विट्जरलैंड के संघीय कर प्रशासन द्वारा जारी सूची में कुल 31 लाख वित्तीय खातों को साझा किया है और अपने साझीदार देशों से कुल 24 लाख खातों की जानकारी पाई है। करीब 7500 वित्तीय संस्थान (बैंक, ट्रस्ट और बीमा कंपनियों) मौजूदा समय में एफटीपी में पंजीकृत हैं। स्विट्जरलैंड सरकार ने एईओई के तहत समझौते वाले 75 देशों में से 63 देशों को ही जानकारी दी है। बाकी 12 देशों से स्विट्जरलैंड ने जानकारी ली तो है, पर दी नहीं। इनमें से कुछ ने गोपनीयता की शर्त पूरी नहीं की है और कुछ ने जानकारी साझा करने से इंकार किया है।

मनी लॉन्ड्रिंग पर अंकुश लगाने के लिए उच्च स्तरीय समिति गठित

पेज>>3

## चिकित्सा क्षेत्र में नोबेल के लिए चुने गए तीन वैज्ञानिक

स्टॉकहोम, एपी : इस साल चिकित्सा के क्षेत्र में नोबेल (नोबेल मेडिसिन) के लिए तीन वैज्ञानिकों के नाम पर घुहर लगी है। इन वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि शरीर की कोशिकाएं ऑक्सीजन के स्तर को कैसे महसूस करती हैं और उस पर प्रतिक्रिया कैसे देती हैं। इस खोज से कैंसर, एनीमिया और कोशिकाओं से जुड़ी कई अन्य बीमारियों के इलाज का नया रास्ता खुला है।

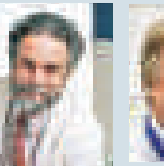
पुरस्कार के लिए चुने गए वैज्ञानिकों में अमेरिका के विलियम जी. कैलिन जूनियर व ग्रेग एल. सेमेंजा और ब्रिटेन के पीटर जे. रैटक्लिफ शामिल हैं। विलियम कैलिन हार्वर्ड यूनिवर्सिटी से, ग्रेग सेमेंजा जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी से और पीटर रैटक्लिफ ब्रिटेन के फ्रांसिस क्रिक इंस्टीट्यूट व ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से जुड़े हैं। नोबेल पुरस्कार देने वाली संस्था ने बताया कि पुरस्कार के तौर पर मिलने वाली 90 लाख स्वीडिश क्रोना (करीब 6.4 करोड़ रुपये) की

► दो अमेरिकी और एक ब्रिटिश वैज्ञानिकों की खोज को मिला सम्मान

► खोज से बदल जाएगा कैंसर व एनीमिया जैसी बीमारियों के इलाज का तरीका



विलियम जी. कैलिन



ग्रेग एल. सेमेंजा



पी. जे. रैटक्लिफ

राशि तीनों वैज्ञानिकों में बराबर बांटी जाएगी। 1901 से शुरू हुए नोबेल पुरस्कारों में चिकित्सा के क्षेत्र में यह 110वां पुरस्कार है।

क्या है खोज? : तीनों वैज्ञानिकों ने मानव कोशिकाओं की कार्यप्रणाली को समझने की दिशा में क्रांतिकारी खोज की है। इन्होंने पता लगाया है कि शरीर की कोशिकाएं ऑक्सीजन के स्तर को कैसे महसूस करती हैं और उस पर कैसे प्रतिक्रिया देती हैं। उन्होंने उस बायोलॉजिकल मशीनरी को पहचाना है जो ऑक्सीजन का स्तर बदलने पर जिन की

प्रतिक्रिया को नियंत्रित करती है। व्यक्ति के स्वस्थ और जीवित रहने में यह प्रक्रिया अहम के क्षेत्र में यह 110वां पुरस्कार है।

चिकित्सा के क्षेत्र में आएगी क्रांति : ज्युरी का कहना है कि इनकी खोज ने इस बात को लेकर हमारी समझ को नया आयाम दिया है कि शरीर में होने वाली किन प्रक्रियाओं के जरिये जीवन चलता है। इसकी मदद से नई लाल रक्त कोशिकाएं बनाने, नई रक्त नलिकाओं के निर्माण और इन्सूलिन सिस्टम (प्रतिरक्षा प्रणाली) को दुरुस्त करने का रास्ता खुल सकता है। कई

## अफगानिस्तान में तालिबान ने 11 आतंकियों के बदले रिहा किए तीन भारतीय इंजीनियर

इस्लामाबाद, प्रे्ट : अफगान तालिबान ने करीब डेढ़ साल बाद तीन भारतीय इंजीनियरों को रिहा कर दिया है। बदले में इस आतंकी संगठन के 11 शीर्ष दहशतवादी को अफगानिस्तान की जेल से छोड़ा गया है। इन भारतीय इंजीनियरों को पिछले साल मई में अफगानिस्तान के बघलान प्रांत से अगवा कर लिया गया था।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने तालिबान के दो सदस्यों के हवाले से सोमवार को अपनी खबर में बताया कि बंदियों की अदला-बदली परिवार को हुई। उन्होंने यह जानकारी देने से इंकार कर दिया कि किसके साथ अदला-बदली की गई और इसे कहा अंजाम दिया गया। यह भी नहीं बताया कि छोड़े गए तालिबान आतंकी अमेरिकी बलों या अफगान सेना की कैद में थे। रिहा भारतीय इंजीनियरों की पहचान भी जाहिर नहीं की गई है। इस पर अभी तक अफगानिस्तान या भारत सरकार की ओर से कोई बयान नहीं आया है।

दो शीर्ष आतंकी भी छोड़े गए : तालिबान के जिन 11 आतंकियों को छोड़ा गया है, उनमें से शेख अब्दुर रहमान और मावलाबी अब्दुर रशीद संगठन के शीर्ष सदस्य बताए जाते हैं वे दोनों अफगानिस्तान में तालिबान के शासन के दौरान कुनार और निम्नोत्र प्रांत के गवर्नर थे। बीबीसी परतों सर्विस ने खबर दी है कि हककानी परिवार का एक सदस्य भी रिहा किए गए आतंकियों में शामिल है। वर्ष 2001 में अमेरिका के नेतृत्व में गठबंधन सेना ने तालिबान को सत्ता से बेदखल किया था। तालिबान ने रिहा किए गए अपने सदस्यों के स्वागत की तस्वीर भी जारी की है।

इस मुलाकात के बाद हुई रिहाई : पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में इस सप्ताहांत अमेरिका के विशेष दूत जालमे को खलीलजाद और मुल्ला अब्दुल गनी बगदर के नेतृत्व में तालिबान के प्रतिनिधियों

► पिछले साल मई में अगवा किए गए थे भारतीय इंजीनियर



तालिबान आतंकियों को फाइल फोटो।

### मई 2018 में सात भारतीय इंजीनियर हुए थे अगवा

मई 2018 में अफगानिस्तान के बघलान प्रांत में सात भारतीय इंजीनियरों और उनके एक अफगान ड्राइवर को अगवा कर लिया गया था। वे भारतीय कंपनी केईसी के लिए काम कर रहे थे। उनका प्रांत के बाग-ए-शमल इलाके में उस समय अपहरण किया गया था, जब वे मिनी बस से बिजली स्टेशन जा रहे थे। इन इंजीनियरों में से एक को इस साल मार्च में रिहा कर दिया गया था, लेकिन बाकी के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही थी। उस समय किसी आतंकी संगठन ने इनके अपहरण की जिम्मेदारी नहीं ली थी।

बीच इस्लामाबाद में भेंट हुई थी। इसके बाद भारतीय इंजीनियरों की रिहाई की खबर आई। पाक सरकार के न्योते पर बगदर की अगुआई में 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल बुधवार को पाक पहुंचा था। प्रतिनिधिमंडल विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी से भी मिला था।

### साहसिक कदम

#### मुस्लिम समाज में बदलाव लाने के मकसद से 70 पीड़िताओं ने उठाया साहसिक कदम, महिलाओं के शोषण के खिलाफ समाज से सामने आने का किया आग्रह

#### जागरण संवाददाता, बरेली

भगवान राम ने जिस तरह रावण का संहार और मां दुर्गा ने राक्षस महिषासुर का वध करके बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश दिया था, उसी तरह इस विजयादशमी पर मुस्लिम महिलाएं सामाजिक बुराइयों का खाला करने का संदेश देने घरों से निकलेंगी। वह तत्काल तीन तलाक समेत दस प्रमुख बुराइयों का मंगलवार को पुतला दहन करेंगी। आयोजन मुस्लिम महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ने वाली मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी की अगुवाई में होगा।

नकवी कहती हैं कि इस आयोजन का मकसद समाज में बदलाव लाना है। मुस्लिम समाज में कई बुराइयों और कुरीतियों हैं, जिनके खिलाफ आज तक कोई आवाज नहीं उठाता था। अब वह समय आ गया है जब महिलाएं खुद आगे आ रही हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को करीब 70 पीड़ित महिलाएं तत्काल तीन तलाक समेत दस बुराइयों का दहन करेंगी।

नियम-कानून बन गए, मगर समाज उन्हें माने तो : फरहत कहती हैं कि तत्काल तीन तलाक, दहेज उत्पीड़न और महिला हिंसा आदि के लिए कानून बन गए हैं। कार्रवाई भी हो रही है, मगर घटनाएं फिर



मुस्लिम महिलाओं के हक की लड़ाई लड़ने वाली मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी। फाइल फोटो

भी सामने आ रही हैं। ऐसे में समाज की भी जिम्मेदारी बनती है कि वह महिलाओं के शोषण के खिलाफ सामने आए। विजयादशमी के दिन महिलाओं के अधिकारों की विजय हो, इससे बेहतर और क्या हो सकता है। बुराई पर अच्छाई की जीत के चलते ही बुराइयों के दहन के लिए विजयादशमी का दिन चुना है।

### इन बुराइयों का किया जाएगा दहन

तत्काल तीन तलाक: कानून बनने के बावजूद लोग तीन तलाक दे रहे हैं।

वेवजह पाबंदियां: मुस्लिम महिलाओं पर वेवजह पाबंदियां लगाई जाती हैं। स्वतंत्रता नहीं मिलती।

पहली बीबी की राजमंदी के बगैर दूसरी शादी: मुस्लिम समाज में चार शरियातों के नाम पर महिलाओं का उत्पीड़न होता है। पहली पत्नी की राजमंदी के बगैर लोग दूसरी शादी कर रहे हैं।

हलाला प्रथा: कुरान की गलत व्याख्या कर महिलाओं को हलाला जैसी प्रथा का शिकार बनाया जा रहा।

वैदी पैदा होने पर जुलूम: मुस्लिम महिलाओं को वैदी पैदा करने के लिए दवाव बनाया जाता है। वैदी होने पर जुलूम किया जाता है।

ओलाद न होने पर प्रताड़ना: बच्चा पैदा न होने पर महिलाओं को दोष दिया जाता। इस बात को लेकर उनको प्रताड़ित किया जाता है।

नौकरी, व्यवसाय में उपेक्षा: मुस्लिम महिलाओं को नौकरी, व्यवसाय के क्षेत्र में उपेक्षित किया जाता है।

शिक्षा से वंचित करना: मुस्लिम बेटियों को शिक्षा से वंचित किया जाता है। इससे उनको भरपूर मौके नहीं मिलते।

वेवजह फतवे जारी करना: खुद के लिए आवाज उठाने वाली मुस्लिम महिलाओं पर वेवजह फतवे जारी कर दिया जाता है।

मानसिक, शारीरिक उत्पीड़न करना: किसी भी कारण के लिए महिलाओं का मानसिक, शारीरिक उत्पीड़न किया जाता है।



## बदली हवा की दिशा धुंध ने दी दस्तक

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली** : बदले-बदले से मौसम के बीच दिल्ली में धुंध ने भी दस्तक दे दी है। मानसून की बारिश लगभग बंद हो गई है और अगले दो से तीन दिन में इसकी औपचारिक विदाई हो जाएगी। ऐसे में आसमान साफ रहने से तापमान में गिरावट आएगी। दिल्ली का न्यूनतम तापमान इसी सप्ताह 20 डिग्री पहुंच जाएगा। हालांकि हवा की दिशा बदलने और हवा में नमी की मात्रा बढ़ने से अब प्रदूषण में भी इजाफा होगा।

सोमवार की सुबह धूप खिल गई थी, लेकिन बीच बीच में बादल छाए रहने से धूप में चुभन महसूस नहीं हो रही थी। दूसरी तरफ सुबह-शाम तो मौसम में हल्की सी ठंडक महसूस होने ही लगी है, दिन में भी अब एसी-कूलर बदोशत नहीं हो रहा। मौसम में आ रहे बदलाव का असर तापमान पर भी साफ दिखाई देने लगा है। सोमवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से दो डिग्री कम है। न्यूनतम तापमान 22.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से एक डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 45 से 91 फीसद दर्ज किया गया।

# डीजल जनरेटर पर 15 से प्रतिबंध

## प्रदूषण से जंग ▶ पहली बार दिल्ली के साथ–साथ एनसीआर के शहरी क्षेत्रों में भी रोक

## 15 मार्च तक लागू रहेगा ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

प्रदूषण से जंग के मद्देनजर 15 अक्टूबर से दिल्ली-एनसीआर में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (ग्रेड) लागू किया जाएगा, जो 15 मार्च तक लागू रहेगा। इस प्लान में चार अलग-अलग चरणों में वायु प्रदूषण से निपटने के प्रावधान हैं। इसके साथ ही दिल्ली-एनसीआर में जहां डीजल जनरेटर के इस्तेमाल पर रोक लग जाएगी, वहीं होटल, रेस्तरां एवं ढाबों में कोयला व लकड़ी नहीं जलाई जा सकेगी। यह निर्णय सोमवार को पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण (ईपीसीए) की बैठक में लिया गया। ग्रेप के क्रियान्वयन की तैयारी को लेकर रखी गई सं बैठक में दिल्ली के साथ ही हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के अधिकारी भी मौजूद रहे।

राजधानी में प्रदूषण का स्तर कुछ दिनों में सामान्य श्रेणी से खराब और बहुत खराब श्रेणी पहुंच सकता है। सफर इंडिया और मौसम विभाग ने इस तरह का पूर्वानुमान जारी किया है। इसे देखते हुए ईपीसीए ने यह बैठक बुलाई थी। इसमें सभी अधिकारियों को साफ कर दिया गया है कि इस बार ग्रेप के क्रियान्वयन में कोई ढिलाई

## शकुलपुर में सिपाही पर शराब माफिया का हमला

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली** : दिल्ली में शराब माफिया के हौसले बुलंद हैं। शकुलपुर में घड़ल्ले से अवैध शराब व ड्रग्स बेचे जाने की सूचना पर शनिवार को आबकारी विभाग का सिपाही मुखबिर के साथ जांच करने पहुंचा तो शराब माफिया के साथ स्थानीय लोगों ने उन पर हमला बोल दिया। पुलिसकर्मी व मुखबिर दोनों को करीब एक घंटे तक बंधक बनाकर रखा गया। इस दौरान माफिया के साथ स्थानीय लोगों ने भी पुलिसकर्मी व मुखबिर को अपशब्द कहे और दोबारा आने पर जान से मार डालने की धमकी दी रहे थे। शकुलपुर मेट्रो स्टेशन की तरफ से आइ ब्लॉक के सामने पहुंचने पर एक युवक ने उनकी कार रुकवा ली। उसने शराब माफिया समेत अन्य स्थानीय लोगों को बुला लिया। प्रदीप ने अपना परिचय भी दिया, लेकिन दोनों को कॉन्टर पकड़कर बाहर निकालकर लोगों ने पिटाई की। मौके से छूटने के बाद प्रदीप ने पहले अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। फिर सुभाष प्लेस थाने पहुंच कर अमित कुमार की तरफ से अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया।

पुलिस अधिकारी का कहना है कि पांच अक्टूबर की शाम आबकारी विभाग में तैनात सिपाही प्रदीप मुखबिर के साथ कार से जांच करने जा रहे थे। शकुलपुर मेट्रो स्टेशन की तरफ से आइ ब्लॉक के सामने पहुंचने पर एक युवक ने उनकी कार रुकवा ली। उसने शराब माफिया समेत अन्य स्थानीय लोगों को बुला लिया। प्रदीप ने अपना परिचय भी दिया, लेकिन दोनों को कॉन्टर पकड़कर बाहर निकालकर लोगों ने पिटाई की। मौके से छूटने के बाद प्रदीप ने पहले अधिकारियों को घटना से अवगत कराया। फिर सुभाष प्लेस थाने पहुंच कर अमित कुमार की तरफ से अज्ञात के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया।

### योजना

## भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण मुख्य मार्गों के साथ ही मकबरे तक जाने वाली गलियों पर लगाएगा दिशा–सूचक बोर्ड

# टूटते भरोसे के लिए भ्रष्टाचार जिम्मेदार : कोर्ट

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

‘भ्रष्टाचार और ताकत के दुरुपयोग’ के कारण ही लोग पुलिस से दूर रहना चाहते हैं। यह कहना है राजउ एवेन्यू की विशेष अदालत का। झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर एक परिवार से रिश्वत लेने के लिए राजउ एवेन्यू की विशेष अदालत ने दोषी पुलिसकर्मी को तीन साल की जेल और एक लाख 20 हजार रुपये जुर्माना अदा करने की सजा दी है।

विशेष न्यायाधीश किरण बंसल ने एएसआइ सुबे सिंह को सजा देते वक्त कहा कि यह उपयुक्त सजा है और दोषी को किसी भी प्रकार की छूट नहीं दी जा सकती। न्यायाधीश ने आदेश में कहा है कि आम धारणा है कि पुलिस शिकायतकर्ता, गवाह और अपराध के शिकार लोगों के साथ उचित व्यवहार नहीं करती है। आम नागरिकों के लिए अक्सर पुलिस कर्मियों को रिश्वत दिए बिना या उन पर कुछ प्रभाव लाए बगैर केस



दर्ज कराना कठिन होता है। पुलिस की ऐसी विरासत और छवि है कि एक आम आदमी पुलिस थाने के पास जाने या पुलिस से मदद मांगने से बचता है। अदालत ने कहा कि यह मामला एक और उदाहरण है, जहां 100 नंबर मिलाकर पंडित परिवार ने मदद की बजाय मुसीबत को आमंत्रित किया।

**यह था मामला :** शिकायत के मुताबिक

**राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने ती तलख टिप्पणी**

**दोषी पुलिसकर्मी को तीन साल की जेल की सजा**

**झूठे मामले में फंसाने की धमकी देकर एक परिवार से ली थी रिश्वत**

30 मई 2013 को विशाल और उनकी पत्नी में कुछ विवाद हुआ था। इसके बाद महिला ने आत्महत्या करने की धमकी दी। विशाल ने इस बात की सूचना पुलिस को दी थी। एएसआइ सुबे सिंह मौके पर आए और पूरे परिवार को थाने ले गए। परिवार के बीच मामला खुलझ गया था, लेकिन एएसआइ सुबे सिंह ने विशाल और उसके पिता से 50 हजार

रुपये की मांग की अन्यथा उन्हें आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित ने मजबूरन 31 मई 2013 को दोषी एएसआइ सुबे सिंह को 20 हजार रुपये का भुगतान करना पड़ा। इस प्रकरण की विशाल के एक दोस्त ने वीडियो क्लिप बना ली थी। इसके बाद सुबे सिंह पर केस दर्ज हुआ था।

**अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है भ्रष्टाचार :** अपने आदेश में अदालत ने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी देश की अर्थव्यवस्था को कमजोर करता है। भ्रष्टाचार राष्ट्र का दुश्मन है। भ्रष्ट लोक सेवक को दंड देना जरूरी है। अफसरों को कई तरह की शक्तियां प्राप्त होती हैं। इनका उपयोग सावधानी व जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। शक्तियों का उपयोग सार्वजनिक हित के खिलाफ किया जाता है, तो लोगों का परिवार को थाने ले गए। परिवार के बीच मामला खुलझ गया था, लेकिन एएसआइ सुबे सिंह ने विशाल और उसके पिता से 50 हजार

# मोहरों को बचाने के लिए बिसात बिछाने लगी आम आदमी पार्टी

**वीके शुक्ला, नई दिल्ली**

आम आदमी पार्टी उन पांच सीटों पर अपने मोहरों को बचाने के लिए खास तरह की बिसात बिछा रही है, जिन पर पिछले चुनाव में पार्टी के प्रत्याशी चुने गए थे, लेकिन बाद में उनकी सदस्यता को पार्टी ने समाप्त कराकर पार्टी से निष्कासित कर दिया था। इन सभी सीटों पर कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी दी जा रही है। हालांकि अभी किसी भी सीट पर किसी के नाम पर आधिकारिक तौर पर मुहर नहीं लगी है, मगर अनौपचारिक तौर पर दावेदारों को तैयारी के संकेत दे दिए गए हैं।

चांदनी चौक, करावल नगर, बिजवासन, सुल्तानपुर माजरा और गांधी ागर पांच ऐसी सीटें हैं। यहां आप ने पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते अपने विधायकों की सदस्यता निरस्त करा दी है। साथ ही इन नेताओं को पार्टी से बाहर भी कर दिया गया है। इन सीटों में करावल नगर सीट ऐसी है, जहां पर पार्टी के नेता दुर्गेश पाठक

# पुरी बोले, विकास परियोजनाओं में आड़े नहीं आएगी फंड की कमी

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

राजधानी के चहुंमुखी विकास के लिए केंद्र सरकार संकल्पबद्ध है। इसमें किसी तरह की रुकावट नहीं आने दी जाएगी। द्वारा की नहीं, राजधानी में जहां भी केंद्र सरकार की योजनाएं चल रही हैं, उनमें धन की कमी आड़े नहीं आएगी। परियोजनाओं को समय से पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए हैं। यह बात केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने उपनगरी द्वारा में कही। वह यहां 300 करोड़ रुपये की परियोजनाओं का शिलान्यास करने पहुंचे थे।

हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को द्वारा के विभिन्न क्षेत्रों में नौ परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इनमें एक गोलफ कोर्स, दो स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, चार फुटओवर ब्रिज, एक उत्सव पंडाल और एक साइकिल ट्रैक शामिल है। इस मौके पर गोलफ कोर्स सेक्टर-24 में आयोजित समारोह के दौरान हरदीप पुरी ने कहा कि जिस भी परियोजना की आधारशिला रखी गई है, उसका समय रहते टेंडर भी होगा और काम भी। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर उन्होंने कहा कि निगम को ड्रेन साफ करने के लिए मशीन और स्प्रींकल्स के लिए फंड शहरी विकास मंत्रालय पास कर चुका है। निगम को



द्वारका में फुटओवर ब्रिज का शिलान्यास करते केंद्रीय शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी। साथ में उप राज्यपाल अनिल बैजल।

नालियों की साफ-सफाई को लेकर मशीनों को खरीदने के लिए भी फंड दिया जाएगा। उन्होंने द्वारावासियों को आश्वासन भी किया कि वे कम्युनिटी सेंटर और साइकिल ट्रैक जैसी अन्य परियोजनाएं अपने जनप्रतिनिधियों के माध्यम से लेकर आएंगे, इसके लिए फंड की कमी नहीं आएगी।

उन्होंने कहा कि जब केंद्रीय मंत्रिमंडल में हूं, उसमें कहा कि निगम को ड्रेन साफ करने के लिए मशीन और स्प्रींकल्स के लिए फंड शहरी विकास मंत्रालय पास कर चुका है। निगम को

की दिशा में भी काम किया। दिल्ली सरकार का कहना है कि ग्राउंड मैपिंग नहीं हुई है। यह 2021 तक संभव होगा। इसलिए दिल्ली सरकार का सहयोग करते हुए ग्राउंड मैपिंग का कार्य शुरू करा दिया है। लैंडपुलिंग आठ वर्मा से अटकी पड़ी थी। यह काम भी दिल्ली विकास प्राधिकरण की मदद से करवा रहे हैं। इसके पहले दिल्ली के उपगन्पाल अनिल बैजल, पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से सांसद प्रवेश वर्मा और दक्षिणी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र से सांसद रमेश बिधूड़ी ने भी सभा को संबोधित किया।

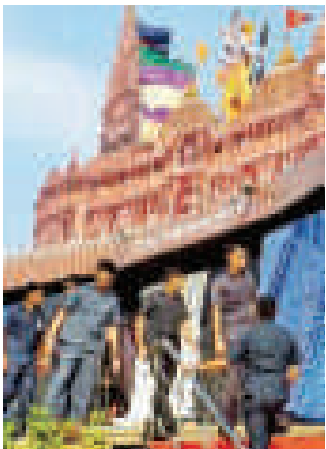
# पीएम मोदी इस बार द्वारका में करेंगे रावण दहन

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

द्वारका सेक्टर-दस की रामलीला इस बार विशेष होने जा रही है। विजयादशमी के दिन अन्याय के प्रतीक रावण का पुतला दहन करने प्रधामंत्री नरेंद्र मोदी यहां आ रहे हैं। उनके आगमन को देखते हुए समिति की ओर विशेष तैयारी की गई है। द्वाराका श्री रामलीला सोसायटी की ओर से सोमवार को तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया। सुरक्षा के मद्देनजर पूरा इलाका छावनी में तब्दील हो चुका है। पश्चिमी दिल्ली के सांसद प्रवेश वर्मा व द्वाराका श्री रामलीला सोसायटी के संरक्षक राजेश गहलोत दिनभर सुरक्षा इंतजामों का जायजा लेते रहे।

द्वारका सेक्टर-दस की रामलीला में विजयादशमी के दिन वैसे भी करीब 70 हजार की भीड़ जुटती है। इस बार प्रधानमंत्री के आगमन को देखते हुए समिति को उम्मीद है कि करीब एक लाख की भीड़ जुटेगी। वैसे यहां द्वाराका के अलावा आसपास के इलाके से भी लोग जुटते हैं, लेकिन इस बार हरियाणा के लोगों के भी आने की उम्मीद है। समिति का कहना है कि ढाई से तीन हजार लोगों के बैठने का प्रबंध किया गया है। भीड़ को देखते हुए आयोजन स्थल के आसपास बड़ी-बड़ी स्क्रीन भी प्रबंध किया गया है ताकि लोग लीला का मंचन व पुतला दहन देख सकें।

प्रधानमंत्री मोदी की ओर से सिंगल यूज प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने की अपील को देखते हुए यहां अतिथियों को गाय का दूध



रामलीला मंच पर सोमवार को सुरक्षा जांच करती एसपीजी की टीम।

कुल्हड़ में दिया जाएगा। पानी के लिए तांबे की बनी बोतल व गिलास का इस्तेमाल किया जाएगा। खानपान परसेन के लिए पर्यावरण के अनुकूल बर्तनों का उपयोग होगा।

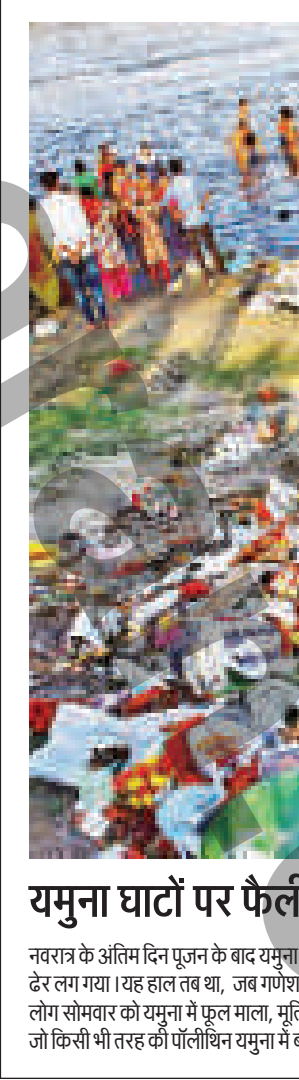
जिस रास्ते प्रधानमंत्री मंच पर पहुंचेंगे, उस रास्ते में हाउडी मोदी कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व अमेरिकी राष्ट्रपति का डोनाल्ड ट्रंप की विशाल तस्वीरें लगाई गई हैं। इसके अलावा अनुच्छेद 370 को लेकर आए फैसले, सिंगल यूज प्लास्टिक को लेकर प्रधानमंत्री की अपील के संदेश आधारित बड़ी-बड़ी तस्वीरें ध्यान खींच रही हैं।

## दिल्ली विवि में हिंदी के विभागाध्यक्ष की नियुक्ति को निकाला न्याय मार्च

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली** : दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष की नियुक्ति को लेकर शिक्षकों व छात्रों ने न्याय मार्च निकाला।

विश्वविद्यालय में हिंदी विभागाध्यक्ष का कार्यकाल 12 सितंबर को खत्म हो गया था, तब से विभागाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं हुई है। डीयू के शिक्षकों का कहना है कि प्रो. श्योराज सिंह बेचैन विभाग के सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर हैं। उन्हें ही विभागाध्यक्ष नियुक्त किया जाना चाहिए। लेकिन 13 सितंबर के दिन ही किसी अन्य प्रोफेसर ने डीयू प्रशासन के पास अपने वरिष्ठ होने का दावा करते हुए खुद को हिंदी विभाग के अध्यक्ष के पद पर नियुक्त करने के लिए पत्र लिख दिया था। इस वजह से विभागाध्यक्ष पर नियुक्ति को लेकर असमंजस बना हुआ है।

इस मामले में डीयू के श्री अरविंदो कॉलेज के हिंदी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर और फोरम ऑफ एकेडमिक्स फॉर सोशल जस्टिस के अध्यक्ष डॉ. हंसराज सुमन ने दावा करते हुए कहा कि प्रो. श्योराज सिंह बेचैन का नाम वरिष्ठता की सूची में सबसे ऊपर है। ऐसे में उन्हें हिंदी विभाग का अध्यक्ष नियुक्त किया जाना चाहिए। इस मामले में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की भी पत्र लिखा गया है। डॉ. हंसराज ने दावा किया कि 13 सितंबर को जिन प्रोफेसर ने अपने वरिष्ठ होने का दावा किया था, उनके दावे को डीयू के लीगल सेल ने खारिज कर दिया है। ऐसे में विभागाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होने की वजह से एफफिल एवं पीएचडी के छात्रों को काफी दिक्कतें हो रही हैं।



## यमुना घाटों पर फैली गंदगी...

नवरात्र के अंतिम दिन पूजन के बाद यमुना में लोग पूजा सामग्री प्रवाहित करते हुए नजर आए। इससे यमुना के घाटों पर पूजा सामग्री और पॉलीथिन का ढेर लग गया। यह हाल तब था, जब गणेश वतुर्ही से ही किसी भी तरह की पूजा सामग्री या मूर्ति के यमुना में विसर्जन पर रोक लगी हुई है। इसके बाद भी लोग सोमवार को यमुना में फूल माला, मूर्ति और पूजा की अन्य सामग्री को प्रवाहित करते रहे। हालांकि प्रशासन द्वारा एक नाव में टीम तैनात की गई थी, जो किसी भी तरह की पॉलीथिन यमुना में बहते हुए देख उसे निकाल रही थी।

# केजरीवाल को विदेश दौरे की केंद्र ने अभी भी नहीं दी अनुमति

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की विदेश यात्रा पर मंगलवार दोपहर दो बजे दिल्ली से रवाना होना है। मगर केंद्र सरकार ने अभी तक मंजूरी नहीं दी है। मंजूरी की उम्मीद में दिल्ली सरकार के अधिकारी सोमवार शाम तक इंतजार करते रहे। मगर केंद्र सरकार की ओर से इसे लेकर कोई संदेश नहीं आया।

मुख्यमंत्री केजरीवाल को नौ से 12 अक्टूबर के बीच डेनमार्क के कोपेनहेगन में आयोजित हो रहे सी-40 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए मंगलवार को दिल्ली से रवाना होगा था। मगर अभी तक विदेश मंत्रालय की स्वीकृति नहीं मिली है। माना जा रहा है कि अब अनुमति मिलने की संभावना नहीं दिख रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार को इस बारे में करीब डेढ़ माह पहले अवगत करा दिया था। अभी तक उधर से कोई सूचना नहीं आई है। उन्होंने कहा कि प्रदूषण

मुख्यमंत्री को शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आज दो बजे होना है रवाना

जैसे गंभीर मुद्दे पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री को विदेश जाना था। इसके लिए सभी बैठकें तय हो चुकी थीं। मगर मुख्यमंत्री को जाने से रोका जा रहा है। सीएम को कोपनहेगन में सी-40 सम्मेलन में न्यूयार्क, बर्लिन, पेरिस जैसे शहरों के प्रमुख नेताओं के साथ मंच साझा करना है। वहां जलवायु परिवर्तन पर प्रमुख नेता अपनी-अपनी बात रखेंगे। इसी मंच पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भी दिल्ली में प्रदूषण के लिए मंगलवार को दिल्ली से रवाना होना था। अधिकारी के बताया कि मुख्यमंत्री को विदेश जाने की अनुमति न देने की कोशिश विदेश मंत्रालय की तरफ से पहली बार नहीं की जा रही है। इससे पहले उममुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की विदेश यात्रा पर भी अड़चन डाली जा चुकी है।



# एनआइए ने बुलाई राज्यों के एटीएस प्रमुखों की बैठक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कश्मीर मुद्दे को लेकर पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की भारत के खिलाफ जेहाद की खुली अपील और आतंकी हमले के खतरे से निपटने के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियां मुस्लेद हो गई हैं। इस सिलसिले में केंद्रीय और राज्यों की एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल के लिए राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) ने सभी राज्यों के आतंकरोधी दस्ते (एटीएस) के प्रमुखों की बैठक बुलाई है। बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और एनएएफ अजीत डोभाल भी हिस्सा लेंगे।

एनआइए के उच्च पदस्थ सूत्रों के अनुसार, आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में एटीएस की अहम भूमिका रही है। लेकिन कई बार राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच तालमेल की कमी या अनबन भी देखने को मिली है। जाहिर है इसका फायदा आतंकियों को मिलता रह्य है। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री इमरान खान की ओर से सीधे जेहाद की धमकी और हमले की आतंकी तैयारियों की खुफिया रिपोर्टों को देखते हुए सभी आतंकरोधी एजेंसियों की एकजुटता जरूरी है। एक अधिकारी ने कहा कि इस समय किसी गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियों और राज्यों के एटीएस के बीच बेहतर तालमेल के लिए अगले सोमवार और मंगलवार को दो

गृह मंत्री शाह और एनएएस अजीत डोभाल भी होंगे बैठक में मौजूद

राज्य और केंद्रीय एजेंसियों के बेहतर तालमेल का वनेगा खाका

दिन की बैठक बुलाई गई है। इसमें एटीएस और केंद्रीय एजेंसियों के बीच सूचनाओं का सहज आदान-प्रदान सुनिश्चित करने पर जोर दिया जाएगा। साथ ही केंद्रीय एजेंसियों की सूचना पर एटीएस की ओर से त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने की जरूरत बताई जाएगी। एटीएस की ओर से भी कामकाज में आ रही दिक्कतों की ओर ध्यान आकर्षित करने की कोशिश होगी।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अभी तक मिल रही खुफिया जानकारी के मुताबिक पाकिस्तान की ओर से भारत में बड़े पैमाने पर आतंकियों की घुसपैठ की कोशिश हो रही है। कई आतंकी घुसपैठ में सफल भी रहे हैं। यहां तक तक दिल्ली में भी आधा दर्जन आतंकियों के घुसने की सूचना है और इसके लिए अलर्ट भी जारी किया गया है। लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की कार्रवाई से बचने के लिए आतंकियों के नेजी से अपना ठिकाना बदलने की बात सामने आई है। ऐसे में राज्यों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल और त्वरित कार्रवाई के बल पर आतंकियों के मंसूबे को ध्वस्त किया जा सकता है।

## हमेशा केंद्र शासित नहीं रहेगा जम्मू-कश्मीर

नई दिल्ली, एएनआइ : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया कि जम्मू और कश्मीर हमेशा के लिए केंद्र शासित प्रदेश नहीं रहेगा। जब वहां हालात बेहतर होंगे तो उसे फिर से राज्य का दर्जा दे दिया जाएगा।

गृह मंत्रालय ने सोमवार को बयान जारी कर अमित शाह के हवाले से बताया कि हालात सामान्य होने के बाद जम्मू और कश्मीर को फिर से राज्य का दर्जा मिल जाएगा। उसका केंद्र शासित होना स्थायी नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अनुच्छेद 370 से कश्मीरी संस्कृति और पहचान सुरक्षित थी, सरसर गलत है। भारतीय संविधान के तहत सभी क्षेत्रों को अपनी पहचान बचाए रखने के लिए अनुच्छेद 370 के अंतर्गत बचाए रखने के दुरुपयोग से सीमा पार आतंकवाद को बढ़ावा मिल रहा था।

शाह ने यह वक्तव्य भारतीय पुलिस सेवा (आइपीएस) के 2018 बैच के अफसरों के एक कार्यक्रम में दिया। इस दौरान उन्होंने अनुच्छेद 370 से लेकर एनआरसी जैसे मुद्दों पर भी बातचीत की। उन्होंने राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एनआरसी को राजनीतिक



नई दिल्ली में सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारतीय पुलिस सेवा के 2018 बैच के प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित किया।

कवायद के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। यह व्यवस्था सभी नागरिकों को विकास का लाभ देने के लिए सुनिश्चित की जा रही है। शाह ने कहा कि पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए कानून और व्यवस्था का पालन करना होगा।

आइपीसी और सीआरपीसी में बदलाव जरूरी : उन्होंने आइपीएस अफसरों से कहा कि पुलिस का मोटो बल का न्यूनतम प्रयोग और अधिकतम प्रभाव

### महिलाओं के कम प्रतिनिधित्व का इलाज आरक्षण नहीं

अमित शाह ने लिंग आधारित आरक्षण पर अपना विरोध दर्ज करते हुए कहा कि पुलिस में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व का उपाय आरक्षण नहीं है। उन्होंने कहा कि महिला आइएएस अफसर महिलाओं को पुलिस में भरती होने के लिए प्रेरित कर सकती है। इस मामले में सामाजिक सोच को बदलने की जरूरत है।

होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत के दर्शन में पुलिस को जनता का विश्वास जीतने के लिए संवेदनशीलता और ह्यूमन टच की जरूरत है।

उन्होंने यह भी कहा कि आइपीसी और सीआरपीसी की अवधारणा में बदलाव की जरूरत है। इन दोनों पीनल कोड को ब्रिटिश शासन से संरक्षण के बजाय देश की जनता के कल्याण के कल्याण के लिए होना चाहिए।

# आज भारत को मिलेगा पहला राफेल

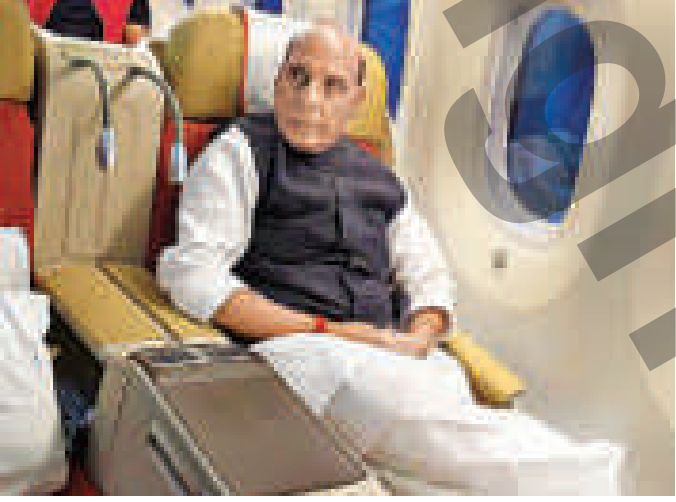
**सुअवसर** ▶ बोरडेक्स में राजनाथ आधिकारिक रूप से हासिल करेंगे युद्धक विमान

### शस्त्रपूजन के बाद विमान में कुछ मिनटों की उड़ान भी भरेंगे रक्षामंत्री

नई दिल्ली, एएनआइ : दशहरे के दिन भारत को फ्रांस से पहला राफेल लड़ाकु विमान मिल जाएगा। इसे लेने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह फ्रांस पहुंच गए हैं। इसके साथ ही पाकिस्तान के खिलाफ वायुक्षेत्र में भारत के दबदबे का दौर शुरू होगा।

अपनी तीन दिवसीय यात्रा पर फ्रांस रवाना होने से पहले सोमवार को राजनाथ ने कहा कि वह दोनों देशों के बीच संबंध और गहरे होने को लेकर आशान्वित हैं। वह पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों से मुलाकात करेंगे और फिर बोर्डेक्स शहर के लिए रवाना होंगे। जहां वह बोर्डेक्स के पास स्थित मेरीनैक एयरबेस पर आधिकारिक रूप से पहला राफेल विमान हासिल करेंगे। वायुसेना की ओर से नवनिर्भुक्त उड़ वायुसेना प्रमुख एचएस अरोड़ा उनके साथ होंगे। वायुसेना दिवस और दशहरे के कारण यह मौका और भी खास हो जाएगा।

टेल पर वायुसेना प्रमुख का नाम : रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने बताया कि रक्षा



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को फ्रांस दौरे पर पहुंचे।

एएनआइ

मंत्री पहले विमान को स्वीकार करने से पहले भारतीय परंपराओं के अनुरूप विजयादशमी पर शस्त्र पूजन भी करेंगे। इस अवसर पर भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ पहले राफेल की पहली उड़ान का हिस्सा बनेंगे। उनका राफेल विमान योजना के अनुसार एक फ्रेंच पायलट ही उड़ाएगा। भारत

के लिए खासतौर पर बनाए गए इस विमान की टेल पर आरबी-01 लिखा हुआ है। यह टेल-नंबर भारतीय वायुसेना के नवनिर्भुत प्रमुख राफेल मंत्री राजनाथ पहले राफेल की पहली उड़ान का हिस्सा बनेंगे। उनका राफेल विमान योजना के अनुसार एक फ्रेंच पायलट ही उड़ाएगा। भारत

# भारत करेगा जलवायु परिवर्तन विरोधी अभियान की अगुआई

नई दिल्ली, एएनआइ : विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत जलवायु परिवर्तन के खिलाफ कदमों की अगुआई करने को तैयार है। भारत कोशिशों को केवल अपनी धरती तक सीमित नहीं रखेगा। इंडियन टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (आईटीईसी) प्रोग्राम के 55 साल पूरा होने के मौके पर विदेश मंत्री ने यह बात कही। इस दौरान उन्होंने जोर देकर कहा कि सहयोगी देशों के साथ भारत के संबंध शर्तों या प्रतिस्पर्धा पर नहीं बल्कि सम्मान, संप्रभुता एवं निजी चयन पर केंद्रित हैं।

जयशंकर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन की दिशा में भारत का कदम इस बात का संकेत है कि हम अपने बच्चों को स्वच्छ एवं बेहतर भविष्य देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत सौर ऊर्जा के क्षेत्र में सबसे तेजी से विकास कर रहा है। सौर गठबंधन पहल के तहत भारत ने 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा का लक्ष्य तय किया है और इसे हासिल करने की ओर बढ़ रहा है।

विदेश मंत्री ने अन्य देशों के साथ भारत के संबंधों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि विकास शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। वहीं ई-आरोग्य भारती के लिए गठजोड़ (डेवलपमेंट कोऑपरेशन) भारत की विदेश नीति में अहम भूमिका निभाता

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा, सहयोगी देशों के साथ भारत के संबंध शर्तों पर नहीं सम्मान पर केंद्रित



एस. जयशंकर

फाइन फोटो

है। सहयोगी देशों के साथ भारत के संबंध समानता और एक-दूसरे की संप्रभुता के सम्मान पर केंद्रित होते हैं।

ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती लांच : जयशंकर ने अफ्रीका के लिए ई-विद्या भारती और ई-आरोग्य भारती के नाम से टेली-एजुकेशन व टेली-मैडिसिन प्रोजेक्ट लांच किए हैं। ई-विद्या भारती की मदद से अफ्रीका के छात्र घर बैठे भारत के बड़े शिक्षण संस्थानों में शिक्षा ग्रहण कर सकेंगे। वहीं ई-आरोग्य भारती की मदद से अफ्रीका के डॉक्टर व मरीज भारत के विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा ले सकेंगे।

अहमदाबाद, प्रेट्ट : गुजरात की एक अदालत ने सोमवार को राज्य के पूर्व विधायक भवसिंह रठौड़ के पुत्र समेत छह लोगों को 10 साल कैद की सजा सुनाई है। 2016 में अहमदाबाद के बाहरी इलाके में स्थित एक फैक्टरी से 1364 किलो इफेड्राइन पकड़ने के मामले में अदालत ने सभी को दोषी पाया है।

अतिरिक्त जिला जज आरपीएस राघव ने पाटन जिले से पूर्व विधायक रहे भवसिंह रठौड़ के पुत्र किशोरसिंह रठौड़, नरेंद्र कच्छा, मनोज जैन, पुनीत सिंघी, जय मुखी और भरतसिंह काठिया को एनडीएएस अधिनियम के तहत 10 साल जेल की सजा सुनाई। कोर्ट ने प्रत्येक पर दो-दो लाख का जुर्माना भी लगाया है। दरअसल, गुजरात के आतंकवाद निरोधक दस्ते और अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने अप्रैल 2016 में इफेड्राइन की खेप के साथ कच्छा को गिरफ्तार किया था। अभियोजन के मुताबिक किशोर ने कच्छा को पाटी ड्रस (मैथामैफेटामाइन) बनाने के लिए राटी था। किशोर ड्रस रैकेट चलता था। सिंघी, जैन व मुखी को महाराष्ट्र पुलिस ने सोलापुर में गिरफ्तार किया था। किशोर महानों पुलिस से भागता रहा। एटीएस ने उसे जनवरी 2017 में राजस्थान और मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित चंबल क्षेत्र से पकड़ा था।

# मनी लांड्रिंग पर अंकुश को उच्च स्तरीय समिति गठित

नई दिल्ली, प्रेट्ट : मनी लांड्रिंग की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए सरकार ने सोमवार को राजस्व सचिव की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय अंतर-मंत्रालयी समिति गठित कर दी। यह समिति विभिन्न विभागों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच मनी लांड्रिंग रोकने के लिए बेहतर समन्वय करेगा।

अधिसूचना के मुताबिक, 19 सदस्यीय अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति (आइएमसीसी) में पांच सचिवों की शामिल किया गया है। इसमें वित्त मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के सचिवों के अलावा विभिन्न विभागों और एजेंसियों के प्रमुख भी शामिल हैं। समिति का काम सरकार और कानून अनुपालन एजेंसियों के बीच सिर्फ समन्वय बनाना ही नहीं होगा, बल्कि यह मनी लांड्रिंग रोकथाम और आतंकवाद की आर्थिक मदद रोकने से जुड़ी नीतियों के विकास और उसे लागू करने का भी काम करेगी।

राजस्व सचिव की अगुआई वाली समिति में वित्तीय सेवा, आर्थिक मामले,

# पहले से साफ हुई हवा, पर पराली का जलना अभी भी समस्या

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

दिल्ली की बिगड़ी आबोहवा के बीच केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने सोमवार को दावा किया कि राष्ट्रीय राजधानी में हवा पहले के मुकाबले स्वच्छ हुई है। हालांकि उन्होंने अभी भी पराली जलाने को समस्या बताया है। साथ ही पराली के मसले पर दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश के पर्यावरण मंत्रियों की अगले हफ्ते तक बैठक बुलाने की बात कही है।

जावडेकर ने पत्रकारों के साथ चर्चा में कहा कि दिल्ली में प्रदूषण के बढने का यह सिलसिला 2006 से शुरू हुआ था लेकिन 2014 तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। 2014 में हमने इस दिशा में काम शुरू किया। जिसका परिणाम है, कि हवा की गुणवत्ता में सुधार दिखने लगा है, कि 2016 में वायु की गुणवत्ता के लिहाज से जहाँ 108 अच्छे दिन थे और 2018 में 159 दिन वहीं 2019 में अब तक 165 दिन अच्छे रहे हैं। वहीं पराली जलाने की घटनाओं के सवाल पर उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में इसमें कमी आई है। इस बार फिर और कमी दिखेगी। इस दिशा में पंजाब और हरियाणा में बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है। किसानों को इसके लिए मशीनें उपलब्ध कराई गई हैं। बता दें कि 2017



नई दिल्ली में सोमवार को वन एवं पर्यावरण मंत्री प्रकाश जावडेकर ने प्रेसवार्ता में पराली जलाने के मामलों में कमी का दावा किया।

प्रेट्ट

के मुकाबले 2018 में पंजाब में पराली जलाने की घटनाओं में 11 फीसद और हरियाणा में करीब 30 फीसद की कमी दर्ज हुई थी। केंद्रीय मंत्री ने इस दौरान अप्रैल 2020 से बीएस-6 पराली के संचालन का दावा भी किया है।

केजरीवाल पर कसा तंज, कहा-काम करे कोई टोपी पहने कोई : जावडेकर ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के वायु की गुणवत्ता में सुधार के दावों पर तंज कसा और कहा, 'मैंने फैक्ट्र रखे हैं, किसने क्या किया इससे साफ है, फिर भी कुछ लोगों की फितरत होती है। मैं तू तू-मैं नहीं करता। यह तो ठीक वैसे ही है, जैसे काम करे कोई, टोपी पहने कोई।' हालांकि उन्होंने यह भी कहा, 'हम इसमें नहीं पड़ता चाहते हैं, हम प्रदूषण से लड़ रहे हैं, किसी व्यक्ति से नहीं। हम सभी से मिलकर प्रदूषण से लड़ने की बात करते हैं।'

# मोदी और चिनफिंग की बातचीत पर आधिकारिक चुप्पी, पर तैयारियां पूरी

चीन के राष्ट्रपति के शुक्रवार को चेन्नई पहुंचने की उम्मीद

तमिलनाडु के ऐतिहासिक मामल्लापु्रम शहर में होगी भेंट



पीएम नरेंद्र मोदी व शी चिनफिंग। फाइन फोटो

बैठक के कवरेज के लिए मीडिया पंजीयन की शुरुआत भी कर दी। जबकि नई दिल्ली में चीन के राजदूत स्तु नु वींगों ने सोमवार को एक बहुत ही गहरे मायने वाला ट्वीट किया। उन्होंने लिखा है, 'हमारे नेताओं के रणनीतिक दिशानिर्देश के मुताबिक हाल के दिनों में भारत व चीन के रिश्तों में काफी तेजी से सुधार हुआ है। हमें भविष्य में भी वुहान अनीपचारिक (एनआरसी) का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तो फिर गैर नागरिक करार दिए गए 19 लाख लोगों का वह क्या करेगी।

चिदंबरम ने जानना चाह है कि एनआरसी से बाहर रह गए लोगों को कब तक अनिश्चितता, चिंता के साथ ही नागरिक व मानवाधिकारों से वंचित रहना पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा है कि देश आज महात्मा गांधी के मानवातावाद का जश्न मना रहा है, ऐसे में इन सवालों का जवाब मिलना जरूरी है।

चिदंबरम अपने परिवार के सदस्यों से कराए टवीट में कहा है, 'अगर एनआरसी कानूनी प्रक्रिया है, तो गैर-नागरिक करार दिए गए 19 लोगों के साथ कानून किस तरह निपटेगा।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर बांग्लादेश को यह भरोसा दिलाया है कि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तो फिर गैर नागरिक करार दिए गए 19 लाख लोगों का वह क्या करेगी।

चिदंबरम ने जानना चाह है कि एनआरसी से बाहर रह गए लोगों को कब तक अनिश्चितता, चिंता के साथ ही नागरिक व मानवाधिकारों से वंचित रहना पड़ेगा। कांग्रेस नेता ने कहा है कि देश आज महात्मा गांधी के मानवातावाद का जश्न मना रहा है, ऐसे में इन सवालों का जवाब मिलना जरूरी है।

चिदंबरम अपने परिवार के सदस्यों से कराए टवीट में कहा है, 'अगर एनआरसी कानूनी प्रक्रिया है, तो गैर-नागरिक करार दिए गए 19 लोगों के साथ कानून किस तरह निपटेगा।' उन्होंने आगे कहा, 'अगर बांग्लादेश को यह भरोसा दिलाया गया है कि एनआरसी का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा, तब भारत 19 लोगों के साथ कैसे निपटेगा।' बता दें कि चिदंबरम आइएनएक्स मीडिया मामले में पांच सितंबर से ही तिहाड़ जेल में बंद हैं।

## स्वच्छता सर्वेक्षण-2020

शहरी निकायों के साथ औद्योगिक क्षेत्र व बंदरगाह एरिया भी शामिल किए गए हैं। नगर निगम व नगर पालिकाओं की राष्ट्रीय कार्यशाला अगले सप्ताह

देश को खुले में शौचमुक्त (ओडीएफ) करने के बाद पूर्ण स्वच्छता की दिशा में कारगर पहल की गई है। इसके तहत चालू स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 में शहरी क्षेत्र के दायरे को और विस्तार दिया गया है। इसमें शहरी निकायों के साथ विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों और बंदरगाह एरिया को भी शामिल कर लिया गया है। स्वच्छता स्तर को निरंतर बनाए रखने के लिए अगले सप्ताह एक राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि देश के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों और बंदरगाहों के पास बसे कस्बों को शहरी निकायों का हिस्सा मानकर इसमें रखा जाएगा। ताकि इन शहरी क्षेत्रों को भी स्वच्छ किया जा सके। इसी के तहत स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 में इस बार इंडस्ट्रियल एस्टेट टाऊनशिप नोएडा, ग्रेटर नोएडा, जयपुरोदपुर या बोकरो स्टील लिटी जैसे शहरी क्षेत्रों को भी शामिल किया गया है। इसी तरह देश के समूद्र तटीय क्षेत्रों में स्थित पोर्ट एरिया डवलपमेंट अथारिटी भी इसका हिस्सा होंगे।

मंत्रालय ने तय किया है कि केंद्र व राज्यों की

2016 में 73 शहरों में कराया गया था स्वच्छता सर्वेक्षण 2019 में 4240 शहरी क्षेत्रों व कस्बों में किया गया सर्वे 4378 शहरी निकायों में से 4284 खुद को ओडीएफ घोषित कर चुके हैं

ओर से अधिसूचित शहरी क्षेत्रों, स्पेशल एरिया डवलपमेंट अथारिटी व अर्बन अथारिटी को स्वच्छता सर्वेक्षण-2020 के अभियान का हिस्सा बनाया जाएगा। शहरी निकायों के वर्ग में न आने वाले नगरीय क्षेत्रों में भी स्वच्छता को प्रोत्साहित किया जाएगा। सभी तरह के कैटेगमेंट बोर्ड को लिया जाएगा।

सभी तरह के शहरी क्षेत्र के प्राधिकरणों और निकायों के साथ अन्य जोड़े गए शहरी क्षेत्रों के प्रतिनिधियों को अगले सप्ताह राजधानी दिल्ली में होने वाली कार्यशाला में आमंत्रित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि स्वच्छता करना ही इसका एक मात्र उद्देश्य है। शहरी क्षेत्रों में स्वच्छता को सतत बनाए रखने के लिए लगातार हर साल स्वच्छता सर्वेक्षण करया जा रहा है। वर्ष 2016 में जहां केवल 73 शहरों का



स्वच्छता सर्वेक्षण करया गया था, वहीं बाद के वर्षों में सर्वेक्षण में सभी शहरी निकायों व कस्बों शामिल कर लिया गया। वर्ष 2019 में कुल 4240 शहरी क्षेत्रों व कस्बों में स्वच्छता सर्वेक्षण किया गया था। शहरी विकास मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश के 4378 शहरी निकायों में से अब तक 4284 निकायों ने खुद को खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) घोषित कर दिया है। जिन निकायों ने इस दिशा में कारगर पहल नहीं की है, उन्हें इसमें शामिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि 2014 के आम चुनाव में जीत के बाद केंद्र की सत्ता पर काबिज होने वाली मोदी सरकार ने स्वच्छता को एक अभियान के रूप में शुरू किया। इसका नतीजा अपने आसपास खुद महसूस किया जा सकता है।

### फायर व इमरजेंसी सेवाओं को बेहतर बनाने पर सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, आइएनएएस : सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को देश भर में अग्निकांड और आपात जैसे हालात से निपटने वाली सेवाओं को बेहतर बनाने की मांग वाली याचिका को सुनवाई के लिए स्वीकार कर लिया। संजय गार्ग नामक व्यक्ति की तरफ से दायर याचिका पर जस्टिस अरुण मिश्र और जस्टिस रविंद्र भट की पीठ ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है।

याचिकाकर्ता ने कहा है कि फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों को बेहतर ट्रेनिंग और उपकरण मुहैया कराए जाने की जरूरत है। साथ ही जब तक फायर और इमरजेंसी सेवाओं को बेहतर बनाने को लेकर एक वृहद कानून नहीं बनता, सरकार एक आदर्श विधेयक को अपनाए। याचिका में कहा गया है कि अक्षम और अकुशल अग्निशमन विभाग देश के लिए खतरनाक है। गर्ग ने कहा है कि दुनिया भर में फायर ब्रिगेड के जवानों को छोरे के रूप में देखा और सम्मान दिया जाता है। भारत में न उन्हें बेहतर उपकरण मुहैया करए जाते हैं और नहीं अच्छा वेतन ही दिया जाता है। याचिका में फायर स्टेशन की कमी को भी अदालत के संज्ञाम में लाया गया है।

### कह के रहेंगे माधव जोशी









## कंक्र्रीट के जंगल में तब्दील होते भारतीय शहर

**मुंबई मेट्रो प्रोजेक्ट के लिए आरे जंगल में पेड़ों की कटाई को लेकर उठे विवाद ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि अनियोजित विकास की दौड़ में हरियाली की बलि दी जा रही है। देश के कई शहर कंक्र्रीट के जंगल में तब्दील होते जा रहे हैं। इंडियन साइंस इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं के मुताबिक, पिछले 20 सालों में कई बड़े शहरों में पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हुई है। इसकी वजह से इन शहरों में हरियाली नाममात्र ही रह गई है। इस अध्ययन में चार भारतीय शहरों में शहरीकरण की दर देखने के लिए उपग्रह जनित सेंसर का इस्तेमाल किया गया है।**

# मुंबई मेट्रो ने कहा, सुप्रीम कोर्ट के फैसले का पालन करेंगे

**बड़ा मामला** ▶ जल्द ही कारशेड–3 का निर्माण कार्य शुरू करने की कही बात

शीर्ष अदालत के फैसले से

पहले ही काटे जा चुके थे

2,141 पेड़

राज्य ब्यूरो, मुंबई

सुप्रीम कोर्ट न्यायालय के स्थगन से पहले ही मुंबई की आरे कॉलोनी में 2,141 पेड़ काटे जा चुके थे। मुंबई मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (एमएमआरसीएल) का कहना है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा और अब पेड़ नहीं काटे जाएंगे। मुंबई मेट्रो का कहना है कि कारशेड-3 का काम समय पर पूरा कर लिया जाएगा।

मेट्रो प्रशासन का कहना है कि कानूनी अड़चनों के कारण कारशेड निर्माण का काम शुरू होने में पहले ही छह माह की देरी हो चुकी है, लेकिन कोशिश की जाएगी कि यह काम समय पर पूरा कर लिया जाए। एमएमआरसीएल का यह भी कहना है कि वह सर्वोच्च न्यायालय के आदेश का पूरा पालन करेगी, और अब कोई पेड़ नहीं काटा जाएगा। सिर्फ कटे हुए पेड़ों की सफाई कर जल्दी ही वहां कारशेड निर्माण का काम शुरू कर दिया जाएगा। एमएमआरसीएल की तरफ से यह भी कहा गया है कि इन पेड़ों को काटने से पहले 23,846 पेड़ लगाए जा चुके हैं, और 25 हजार पौधे वृक्षारोपण के लिए बांटे जा चुके हैं।

पेड़ों की कटाई का विरोध करने के आरोप में गिरफ्तार सभी लोगों को सोमवार को सुप्रीम कोर्ट का आदेश आने के बाद रिहा कर दिया गया। रविवार को ही अवकाशकालीन अदालत ने इन्हें 7000 रुपए के निजी मुचलके पर जमानत दे दी थी। इनमें 24 पुरुष आंदोलनकारियों को छापे सेंट्रल जेल में रखा गया था, जबकि पांच महिलाओं को भायखला स्थित महिला जेल में।

# खनन घोटाले में उप्र के दो और आइएएस पर कसेगा शिकंजा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जल्द सहारनपुर खनन घोटाले के मामले में आइएएस अधिकारी अजय कुमार सिंह व पवन कुमार पर शिकंजा कसेगा। सूत्रों का कहना है कि ईडी सहारनपुर खनन घोटाले में दर्ज की गई सीबीआइ की एफआइआर का परीक्षण कर रहा है।

साा शासनकाल में हुए करोड़ों के खनन घोटाले के मामले में काली कमाई से जुटाई गई संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। कई आइएएस अधिकारियों समेत अन्य अहत्वपूर्ण पदों पर बैठे कर्मचारियों की भूमिका जांच के दायरे में है। उनकी बेनामी संपत्तियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि सीबीआइ के मुकदमों को आधार बनाकर ईडी हमीरपुर, कोशाम्बी, फतेहपुर व देवरिया समेत पांच जिलों में हुए खनन घोटाले में अलग-अलग केस दर्ज कर मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत जांच कर रही है।

ईडी अब तक छह आइएएस अधिकारी बी.चंद्रकला, अभय सिंह, विवेक, संतोष कुमार राय, जीवेश नंदन व देवी शरण उपाध्याय के खिलाफ केस दर्ज कर

कोलकाता

बंगाल की राजधानी कोलकाता की जनसंख्या 1.40 करोड़ है। यह भारत का तीसरा सबसे बड़ा शहर है। 20 वर्षों में कोलकाता का पेड़ों से ढका रकबा 23.4 फीसद से गिरकर 7.3 फीसद हो गया। शहरी निर्मित क्षेत्र में 1990 और 2010 के बीच 190 फीसद की वृद्धि हुई। वहीं भूमि का निर्माण 1990 में 2.2 फीसद; 2010 में 8.6 फीसद किया गया, जो 2030 तक बढ़कर 51.27 फीसद होने का अनुमान है। वर्ष 2030 तक कोलकाता क्षेत्र का पेड़ों से ढका रकबा 3.37 फीसद हो जाएगा।

17.5%

इजरायल के टेल अवीव शहर का हरियाली क्षेत्र।

19.4%

अमेरिका के मियामी शहर का हरियाली क्षेत्र।

हैदराबाद

20 वर्षों में हैदराबाद का पेड़ों से ढका रकबा 2.71 फीसद से गिरकर 1.66 फीसद हो गया। शहरी निर्मित क्षेत्र में 1999 और 2009 के बीच 400 फीसद की वृद्धि हुई। वहीं भूमि का निर्माण 1999 में 2.55 फीसद; 2009 में 13.55 फीसद किया गया, जो 2030 तक बढ़कर 51.27 फीसद होने का अनुमान है। वर्ष 2024 तक हैदराबाद क्षेत्र का पेड़ों से ढका रकबा 1.84 फीसद हो जाएगा।

19.5%

कनाडा के टोरंटो शहर का हरियाली क्षेत्र।

20.6%

नीदरलैंड्स के एम्स्टर्डम शहर का हरियाली क्षेत्र।

21.4%

रिक्टर्जलैंड के जेनेवा शहर का हरियाली क्षेत्र

21.5%

जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर का हरियाली क्षेत्र।

23.7%

दक्षिण अफ्रीका के डर्वन शहर का हरियाली क्षेत्र।

23.6%

द.अफ्रीका के जोहानिसबर्ग का हरियाली क्षेत्र।

25.9%

ऑस्ट्रेलिया के सिडनी शहर का हरियाली क्षेत्र।

29.3%

सिंगापुर का हरियाली क्षेत्र।

## अब बहुविवाह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएंगी फरहत

जासं, बरेली

तत्काल तीन तलाक पर कानून बनने के बाद अब मुस्लिम महिलाओं ने अब चार शादियों (बहुविवाह) के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। मेरा हक फाउंडेशन से जुड़ी महिलाएं दशहग के बाद बहुविवाह के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करेंगी।

मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष फरहत नकवी ने बताया कि तत्काल तीन तलाक कानून लागू होने के बाद बहुविवाह का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। मुस्लिम पुरुष पहली पत्नी से अनबन होने पर उसे तलाक देने के बजाय दूसरी शादी कर रहे हैं। ऐसी पीड़ित महिलाओं

### उत्तराखंड के पूर्व सीएम हरीश रावत की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती

**जागरण संवाददाता, देहरादून :** पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की तबीयत रविवार रात अचानक बिगड़ गई। उन्हें करीब ढाई बजे मेक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया। बताया जा रहा है कि उन्हें छाती में भारीपन की शिकायत के बाद चक्कर आया था। अस्पताल में उनकी ईसोजी, इंको, अल्ट्रासाउंड, एमआरआइ और बीपी आदि की जांच की गई। डॉक्टर के अनुसार उनकी सभी जांच सामान्य हैं। उन्हें 24 घंटे के लिए सामान्य वार्ड में शिफ्ट कर दिया जाएगा है। डॉक्टर ने कहा कि उन्हें वर्टिगो की दिक्कत है। इसमें गर्दन हिलाने पर चक्कर आते हैं। दो चार दिन आराम के बाद यह समस्या ठीक हो जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री की तबीयत बिगड़ने की सूचना पर तमाम लोग अस्पताल पहुंचे और उनकी कुशलक्षेम जानी।

मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत भी अस्पताल पहुंचे और उनका हाल जाना। हरीश रावत ने अपने फेसबुक और ट्विटर अकाउंट पर अपने स्वास्थ्य की जानकारी दी है। उन्होंने कहा है कि वह ठीक हैं और डॉक्टरों ने बीमारी का पता लगा लिया है। वह एक-दो दिन में फिर जनता की सेवा में हाजिर होंगे। उन्होंने लोगों को चिंता न करने व अस्पताल आकर परेशान न होने की अपील की।

#### मेरा हक फाउंडेशन की अध्यक्ष से 50 से अधिक पीड़ित महिलाओं ने साधा संपर्क

की शिकायत पर पुलिस भी हाथ खड़े कर देती है। सुप्रीम कोर्ट ही ऐसी कुरीतियों को रोककर मुस्लिम महिलाओं के अधिकारों को संरक्षण दे सकती है। फरहत बताती हैं कि देशभर से ऐसी 50 से अधिक पीड़ित महिलाओं ने उनसे संपर्क किया है। सभी के मामलों के लिए कागजात तैयार कराए जा रहे हैं। दस्तावेज तैयार होते ही याचिका दायर कर दी जाएगी।

**सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को लिखेंगी पत्र :** फरहत ने बताया कि मुस्लिम महिलाओं के साथ हो रहे उत्पीड़न को रोकने के लिए

वह सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को पत्र भी लिखेंगी। इसमें वह ऐसी तमाम कुप्रथाओं को समाप्त करने के लिए मांग करेंगी।

**केंद्र सरकार से मांगेंगी मदद :** उन्होंने कहा कि तत्काल तीन तलाक पर केंद्र सरकार ने मुस्लिम महिलाओं का साथ देकर काफी अच्छा काम किया है, लेकिन इस कुप्रथा पर पूरी तरह से तभी लगाम लगेगी जब मुस्लिम समाज में बहुविवाह को अपवाद घोषित कर दिया जाए। केंद्र सरकार लोकसभा और राज्यसभा में ऐसा बिल लाकर करोड़ों मुस्लिम महिलाओं की जिंदगी बचा सकती है। वह केंद्र सरकार से इस मामले में मदद की मांग करेंगी।

# उन्नाव में कन्याभोज के दौरान लगी आग, मासूम जिंदा जली

जागरण संवाददाता, उन्नाव

नवरात्र की नवमी पर किराना दुकान में कन्याभोज के दौरान हवन की चिंगारी से वहां रखे पेट्रोल भरे केन में आग लग गई। आनर्वा-फानन कन्याओं को दुकान से बाहर निकाला गया पर एक बच्ची दुकान के अंदर ही रह गई। आग लगने का शोर होने पर बच्चियों के परिरज दुकान पर पहुंचे तो पता चला कि एक बच्ची लापता है। लोगों ने आग बुझाकर सामान को हटाय़ा तो सात साल की मासूम का शव मिला। तीन अन्य बच्चियां भी झुलस गई हैं, जिनका उपचार हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा घटना का संज्ञान लिए जाने पर डीएम और एसपी भी गांव पहुंचे। पुलिस अगरबत्ती से कैलेंडर में आग लगने के बाद उसके विकराल होने की बात कह रही है, जबकि लोगों के मुताबिक दुकान में चोरी-छिपे पेट्रोल की बिक्री की जाती थी। पेट्रोल एक केन में रखा गया था। उसी में आग लगने से हदसा हुआ।

माखी थाना क्षेत्र के गांव पूरा निस्फर्णसारी निवासी लाला की सात वर्षीय बेटी पूजा को सोमवार सुबह गांव के सुनील कुशवाहा ने अपनी किराने की दुकान में आयोजित कन्या



मासूम पूजा।

फाइल

भोज में शामिल होने को बुलाया था। कन्या भोज की तैयारी चल रही थी और हवन-पूजन किया जा रहा था। इसी बीच दुकान में केन में रखे पेट्रोल ने हवन से उठी चिंगारी से आग पकड़ ली। देखते ही देखते आग भयावह हो गई और दुकान का सामान भी जलने लगा। लोगों ने आनन-फानन कन्याओं को बाहर निकाला, लेकिन अफरातफरी में पूजा नहीं निकल पाई की जाती थी। पेट्रोल एक केन में रखा गया था। उसी में आग लगने से हदसा हुआ।

माखी थाना क्षेत्र के गांव पूरा निस्फर्णसारी निवासी लाला की सात वर्षीय बेटी पूजा को सोमवार सुबह गांव के सुनील कुशवाहा ने अपनी किराने की दुकान में आयोजित कन्या

# पादरी ने लगाए गंभीर आरोप पीड़िता की मां ने नकारे

जागरण संवाददाता, चंडीगढ़

आठ साल की बच्ची से पादरी द्वारा दुष्कर्म के आरोपों पर सोमवार को दोनों पक्षों ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एक-दूसरे पर आरोप लगाए। आरोपित बजिंदर सिंह की तरफ से चर्च कमेटी के सदस्य, उनके भाई पंकज और पत्नी भी मौजूद हुए। खुद नहीं आए। ऑल इंडिया क्रिश्चियन समाज मोर्चा के चेयरमैन जसपाल मसीह ने कहा कि बजिंदर पर लगाए गए आरोप सच हैं। पीड़िता की मां यूके में पीआर चाहती थी और पास्टर बनकर पीआर जल्दी मिल जाती है। वह यूके में पेपर देकर आई से मना कर दिया तो उसने झूठे आरोप लगा दिए। वहीं, पीड़िता की मां ने भी प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि वह एक अच्छे परिवार से है और खुद भी पीआर ले सकती हैं। बजिंदर की तरफ से गलत आरोप लगाए जा रहे हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोपित बजिंदर के भाई पंकज ने बताया कि पेपर में फेल होने के बाद महिला ने वहां चर्च की सेक्रेटरी से झगड़ा भी किया। इसके बाद फोन कर बोला कि पास्टर दोबारा प्रयोग में लाने के लिए परिष्कृत किया जाना चाहिए।

# जयपुर जा रहा प्याज लदा ट्रक लापता, मेरठ में दबिश

जासं, मेरठ

दिल्ली से जयपुर जा रहा प्याज लदा ट्रक तीन दिन पहले रस्ते से लापता हो गया। आदूती ने ट्रक चालक के खिलाफ अमानत में खयानत का केस दर्ज करवाया है। पुलिस ने सोमवार को आदूती संग चालक के मेरठ स्थित घर पर दबिश दी लेकिन, वह हाथ नहीं लगा। चालक फिरोज उर्फ पप्पू तीन दिन पहले ट्रक में दिल्ली की गाजीपुर मंडी के आदूती का प्याज लादकर जयपुर के लिए रवाना हुआ था। ट्रक जयपुर नहीं पहुंचा तो व्यापारी ने आदूती से फोन पर बात की। आदूती ने संबंधित थाने में चालक के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। सोमवार को व्यापारी व आदूती मेरठ में लिसाडी गेट थाना पुलिस के साथ ट्रक चालक के मजीदगार स्थित आवास पर पहुंचे लेकिन, वह नहीं मिला। इंस्पेक्टर का कहना है कि झड़वर की तलाश कर दिल्ली पुलिस को सौंपा जाएगा।

झड़वर के घर पहुंची टीम, दिल्ली पुलिस संग व्यापारी व आदूती भी आए

**अमरोहा में प्याज खरीदने को लेकर दो पक्षों में मारपीट :** अमरोहा के कालाखंडा गांव में ठेले वाले से प्याज खरीदने के दौरान कीमत को लेकर दो पक्ष भिड़ गए। मारपीट में युवती घायल हो गई। बताया जाता है कि गांव के धर्मेश कुमार ठेले वाले से प्याज खरीद रहे थे। भाव को लेकर उनकी सब्जी विक्रेता से कहासुनी होने लगी।

इसी बीच पड़ोसी सुरेंद्र ने ठेले वाले को फटकारते हुए धकेल दिया। वह आगे भी बढ़ गया। इस पर धर्मेश की सुरेंद्र से बहस हो गई। दोनों के परिजन भी आ गए और उनमें मारपीट होने लगी। इसमें सुरेंद्र की चचेरी बहन खन्मही हो गई। धर्मेश की बेटी को भी चोट आई। पुलिस ने दोनों पक्षों को हिरासत में ले लिया है। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ तहरीर दी है।

### एक माह तक चलने वाला गंगा आमंत्रण अभियान लांच

देवप्रयाग से गंगा सागर तक 2500 किमी की दूरी तय करेंगे नौका सवार

नई दिल्ली, प्रे्र : जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने सोमवार को एक माह तक चलने वाला ‘गंगा आमंत्रण अभियान’ लांच किया। यह अभियान ओपन-वाटर राफ्टिंग एवं नौका यात्रा है। इस यात्रा के दौरान नौका सवार उत्तराखंड में देवप्रयाग से बंगाल में गंगा सागर तक करीब 2500 किलोमीटर दूरी तय करेंगे। शेखावत ने कहा कि क्लोन गंगा के लिए राष्ट्रीय मिशन द्वारा यह अभी तक का सबसे पहला प्रयास है। पूरे विस्तार को पर करने वाले इस साहसिक स्पोर्टिंग के माध्यम से नदी पुनरुद्धार और जल संरक्षण का संदेश बड़े पैमाने पर प्रसारित करने के लिए यह अभी तक का सबसे लंबा सोशल कैंपेन शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह खोजी अभियान गंगा को पेश आ रही पर्यावरणीय चुनौतियों की तरफ ध्यान आकर्षित करेगा। यह अभियान गंगा बेसिन के पांच राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल को कवर करेगा। इन राज्यों में ऋषिकेश, हरिद्वार, काभपुर, इलाहाबाद, वाराणसी, पटना, सोनपुर और कोलकाता आदि से होकर यह यात्रा गुजरेंगी। भारतीय सशस्त्र सेना के तीनों अंगों के तैराकों और राफ्टरों के नौ सदस्यीय दल का नेतृत्व अंतर्राष्ट्रीय ओपन-वाटर तैराक विंग कमांडर परमवीर सिंह करेंगे। इस दल में जलदूत विमान के पायलट और प्रमाणित स्कूबा गोताखोर स्वबाइन लीटर दीपति बी कोठरी, सार्जेंट जानी विज, सार्जेंट श्रीहरि सारिपिल्ली भी शामिल होंगे। इस दल में जलदूत वी दल में एनडीआरएफ के तीन सदस्य, भारतीय वन्यजीव संस्थान और सीएसआरआर के इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी के दो भी सदस्य होंगे।

अमित दीक्षित, आगरा

**इनकी भी वढ़ेंगी मुश्किलें** सहारनपुर के पूर्व एम्पलसी हाजी मु. इकबाल के बेटे मु. बाजिद की मुश्किलें भी और बढ़ेंगी। सूत्रों का कहना है कि ईडी सहारनपुर खनन घोटाले में दर्ज की गई सीबीआइ की एफआइआर का परीक्षण कर रहा है।

साा शासनकाल में हुए करोड़ों के खनन घोटाले के मामले में काली कमाई से जुटाई गई संपत्तियों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। कई आइएएस अधिकारियों समेत अन्य अहत्वपूर्ण पदों पर बैठे कर्मचारियों की भूमिका जांच के दायरे में है। उनकी बेनामी संपत्तियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। उल्लेखनीय है कि सीबीआइ के मुकदमों को आधार बनाकर ईडी हमीरपुर, कोशाम्बी, फतेहपुर व देवरिया समेत पांच जिलों में हुए खनन घोटाले में अलग-अलग केस दर्ज कर मनी लॉड्रिंग एक्ट के तहत जांच कर रही है।

ईडी अब तक छह आइएएस अधिकारी बी.चंद्रकला, अभय सिंह, विवेक, संतोष कुमार राय, जीवेश नंदन व देवी शरण उपाध्याय के खिलाफ केस दर्ज कर

कमल जोशी, चंडीगढ़

स्वच्छ पर्यावरण को हर नागरिक का मूलभूत अधिकार बताते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने कहा कि कोई भी नागरिक साफ पर्यावरण न मिलने पर संबंधित स्थानीय निकाय के प्रतिनिधियों या अधिकारियों से जवाबदेही के सिद्धांत के तहत मुआवजे की मांग कर सकता है। हाई कोर्ट ने पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में ठोस कचरे के निस्तारण के लिए सभी स्थानीय निकायों में छह महीने के अंदर सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग यूनिट्स उपलब्ध करवाने के आदेश दिए।

कार्यवाहक चीफ जस्टिस राजीव शर्मा व जस्टिस हरिंदर सिंह सिद्धू की खंडपीठ ने कहा है कि अगर अधिकारी व चुने हुए जन-प्रतिनिधि लोगों को साफ वातावरण उपलब्ध करवाने के अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वाह न कर पाएं अक्टूबर को दोनों आइएएस अधिकारियों के घरों समेत कुल 11 स्थानों पर छापेमारी की थी। सीबीआइ छापे के दौरान आइएएस अधिकारी अजय कुमार सिंह के घर से 15 लाख रुपये बरामद किए थे।

# भारत के पास होगा अमेरिका, रूस जैसा पैराशूट



प्रतीकात्मक

पैराशूट लंबी दूरी तक चला जाए। यही नहीं, उसका वजन भी कम हो और सालों साल तक चले। दस हजार फीट से लगा सकते हैं छलांग : रैम एयर मार्क-टू पैराशूट यू ही खास नहीं है। इस पैराशूट से दस हजार फीट की ऊंचाई से छलांग लगा सकते हैं। इसे कमांड करना आसान है। यहां तक ऐसे पैराशूट से हरक्युलिस 130 जे, एएन-32, आइएल-76 सहित अन्य विमानों से छलांग लगाई जा सकेगी।

**यह है पैराशूट का इतिहास** पहली जनरेशन : सबसे पहले पैराटुपर पैराशूट (पीटीआर)-मेन (एम) पैराशूट विकसित किया था। इस पैराशूट का सेना व एयरफोर्स ने 25 साल तक इस्तेमाल किया। अब पीटीआर-एम का कम इस्तेमाल हो रहा है। दूसरी जनरेशन : पीटीआर-एम के बाद पीटीए-एम को सेना ने अपनाया, वर्तमान में पीटीए-एम का इस्तेमाल किया जा रहा है। फिर पीटीए-आर का प्रयोग किया गया। एडीआरडीई ने पीटीए-जी व पीटीए-जी टू विकसित किया है।

**रफ्तार नहीं बनेगी बाधा** : रैम एयर मार्क-टू पैराशूट की मदद से 260 किमी की रफ्तार से उड़ने वाले विमान से भी छलांग लगाई जा सकेगी।

**कम होगा वजन** : सामान्य पैराशूट का वजन 16 किग्रा होता है। पीटीए-जी 2 का वजन 14 किग्रा है, जबकि रैम एयर मार्क-टू पैराशूट का वजन इससे कम होगा। 1250 फीट की ऊंचाई से कूदने पर यह एक मिन्ट में नीचे आ जाएगा।



## न्यूज गेलरी

### सांबा में तीन पुराने मोटार निष्क्रिय किए गए

सांबा : जम्मू के घगवाल पुलिस थाना अंतर्गत संगवाली मोड़ में सोमवार की सुबह तीन पुराने मोटार मिलने से सनसनी फैल गई। दोपहर बाद पुलिस के बम निरोधक दस्ते ने क्षेत्र की घेराबंदी कर इन मोटार को निष्क्रिय कर दिया। संगवाली मोड़ में सुबह एक व्यक्ति ने नाले के पास तीन मोटार को देख तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस के जवानों ने मोटार को कब्जे में लेकर आसपास रेत से भर बैग लगा दिए। दोपहर बाद पुलिस के बम निरोधक दस्ते ने मोटार को निष्क्रिय कर दिए। अब पता लगाया जा रहा है कि यह मोटार कहाँ से आए। कयास लगाए जा रहे हैं कि शायद यह मोटार जिंदा रह जाते। विदित रहे कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पर तनाव की स्थिति में पाकिस्तानी रेंजर्स मोटार दमगते रहते हैं। कई बार यह मोटार जिंदा रह जाते हैं, लेकिन जिस जगह मोटार मिले हैं वह पाकिस्तान रेंजर्स में नहीं आता है। (जासं)

### वारूदी सुरंग विस्फोट में जवान घायल

राजौरी : जम्मू के केरी सेक्टर में सीमा पर हुए बारूदी सुरंग विस्फोट में सेना का जवान घायल हो गया। घायल जवान को सैन्य अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। जानकारी के अनुसार केरी सेक्टर में सेना के जवान गश्त कर रहे थे। इसी दौरान एक जवान का पांव बारूदी सुरंग पर पड़ गया, जिससे हुए जोरदार धमाके में जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। उसी समय अन्य जवानों ने उसे सैन्य अस्पताल में भर्ती करवाया। (जासं)

### बदायूं में अराजक तत्वों ने तोड़ी भगवान की मूर्तियां, तनाव बढ़ा

बदायूं : नवरात्र के आखिरी दिन अराजक तत्वों ने माहौल खराब करने की कोशिश की। रविवार आधी रात के बाद शिवालय में घुसकर मूर्तियां क्षतिग्रस्त कर दीं। सुबह माहौल तनावपूर्ण हो गया और भीड़ ने हंगामा किया। सीओ बिल्सी ने कार्रवाई का आश्वासन देकर लोगों को शांत किया। उधेती के ग्रामीणों ने बताया कि नवरात्र में शिवालय में विशेष पूजा के बाद रात में ग्रामीण घर चले गए। सोमवार तड़के पूजा करने पहुंचे तो देखा कि शिवालय में माता पार्वती व नंदी महाराज की मूर्ति क्षतिग्रस्त पड़ी थी। इससे गुस्सेए ग्रामीण हंगामा करने लगे। पुलिस ने गांव के कुछ सदस्यों को चिढ़ित किया है। (जासं)

### पीडीपी जल्द लेगी महबूबा से मिलने का फैसला

जम्मू : पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) जल्द ही श्रीनगर में नजरबंद पार्टी प्रधान महबूबा मुन्नी से भेंट करने के संबंध में फैसला करेगी। पीडीपी की जम्मू प्रांत की इकाई में राज्य प्रशासन से अनुमति मिलने के बाद सोमवार को महबूबा से भेंट करने की तैयारी की थी, लेकिन रविवार रात पार्टी नेताओं की आपात बैठक के बाद श्रीनगर रवाना होने के कार्यक्रम को कुछ दिनों के लिए टाल दिया। पीडीपी ने भी बीडीसी चुनाव में हिस्सा न लेने का संकेत दे दिया है। (राब्यू)

# ‘ राम मंदिर पर सभी को मानना चाहिए कोर्ट का फैसला ’

जागरण संवाददाता, गोरखपुर

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि रामजन्मभूमि पर राम मंदिर निर्माण को लेकर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सभी को मानना चाहिए। सभी को न्यायालय के न्याय पर विश्वास है। सैकड़ों साल से चल रहे इस विवाद का सामाजिक सौहार्द और विकास के लिए पटाक्षेप जरूरी है। सुप्रीम कोर्ट ने जल्दी-जल्दी सुनवाई के माध्यम से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है। ऐसे में हर नागरिक के मन में उसे लेकर विश्वास बढ़ा है।

मुख्यमंत्री सोमवार को गोरखनाथ मंदिर में कन्या पूजन के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने दो दिन पहले मोगरी बापू की रामकथा के शुभारंभ अवसर पर दिए गए उस बयान को साफ किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि राम मंदिर को लेकर जल्द एक बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। उन्होंने कहा कि उनका बयान संबंध में 26 अक्टूबर को होने वाले दीपोत्सव के अवधि में या पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में अयोध्या में परंपराओं को खत्म कर दिया गया, जबकि अब वहां विदेश की रामलीला टीम में चमक कर रही है। इस बार 26 अक्टूबर को अयोध्या में सरयू तट पर साढ़े पांच लाख दीये जलाकर भगवान राम के अयोध्या

# सिंधु घाटी के रास्ते घुसपैट की कोशिश

## पर्दाफाश ▶ गांदरबल में मारे गए दो आतंकियों से मिले दस्तावेजों से चला पता, एजेंसियां सतर्क

सर्दी शुरू होने से पहले

आतंकियों को भारत में

घुसाना चाहता है पाक

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

कश्मीर में खून-खराबे की तमाम साजिशें नाकाम होने से हताश पाकिस्तानी सेना और आइएसआइ बड़े पैमाने पर आतंकियों की घुसपैठ की साजिश रच रहे हैं। ऐसे में वह भारत की जवाबों की निगाह से बचने के लिए उन रास्तों को आजमा रहे हैं, जिनका प्रयोग कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के चलते वर्षों पहले बंद हो चुका है। पाकिस्तान की इस साजिश का पर्दाफाश गांदरबल में गत सप्ताह मुठभेड़ में मारे गए दो आतंकियों के पास मिले दस्तावेजों से हुआ है। यह आतंकी कथित तौर पर त्रास सेक्टर में सिंधु घाटी के रास्ते घुसपैट में कामयाब हुए थे। हालांकि सेना को इसकी खबर मिल गई और उन्होंने आतंकियों को मार गिराया था। बता दें कि इस क्षेत्र में छह साल बाद कोई घुसपैठ हुई है। वहीं, रक्षा मंत्रालय ने गुरेज या त्रास सेक्टर में घुसपैठ की पुष्टि नहीं की है।

गांदरबल में मारे गए थे दो घुसपैठिय : गांदरबल में करीब 10 दिन पहले सुरक्षाबलों ने घुसपैठियों के एक दल को घेरा था। इस दल में शामिल दो आतंकी मारे गए हैं जबकि अन्य को मार गिराने के लिए अभियान चल रहा है। इस अभियान में सेना के पैरा कमांडो भी हिस्सा ले

## देगवार सेक्टर में पाक ने की गोलाबारी

जागरण न्यूज नेटवर्क, पुंछ/हीरानगर : पाकिस्तानी सेना ने सोमवार को पुंछ जिले के देगवार सेक्टर में गोलाबारी कर दी। पाक सेना इस गोलाबारी की आड़ में आतंकियों को घुसपैठ करवाने का प्रयास कर रही थी, लेकिन सीमा पर तैनात भारतीय जवानों ने उसे विफल कर दिया।

जानकारी के अनुसार सोमवार शाम साढ़े चार बजे के करीब पाकिस्तानी सेना ने एकाएक गोलाबारी शुरू कर दी। पाक सेना ने सैन्य चौकियों के अलावा रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाकर गोले दागने शुरू कर दिए। इसी दौरान आतंकियों के एक दल को सीमा के करीब घुसपैठ के लिए भेज दिया, लेकिन भारतीय सेना की गई जवाबी कार्रवाई में आतंकियों को जान बचाकर भागना पड़ा। सूत्रों के अनुसार भारत की जवाबी कार्रवाई में सीमा पार पाक सेना का भारी नुकसान हुआ है।

उधर, रविवार देर रात को भी पाकिस्तानी सेना ने जम्मू संभाग के कठुआ जिला में

रहे है। यह क्षेत्र करगिल से सटा है। मारे गए दोनों आतंकी आरपीजी (रॉकेट लांचर) से लैस थे। छह साल बाद क्षेत्र में मुठभेड़ : एस्पएसपी गांदरबल खलील पोखवाल ने कहा कि खोड़मथर इलाके में करीब छह साल बाद मुठभेड़ हुई है।

## हीरानगर सेक्टर में रिहायशी क्षेत्रों को निशाना बनाकर गोलाबारी की। इस दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा दागे गए कई मोटार

हीरानगर के मन्थारी गांव में लोगों के घरों में आकर गिरे। मन्थारी के बलवंत राज, काली दास और रमेश चंद्र ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने रविवार रात दस बजे के करीब रिहायशी क्षेत्र को निशाना बनाते हुए गोलाबारी की।

इस गोलाबारी के कारण कई गोले उसके घरों व पड़ोसियों के घरों में आकर गिरे। गनीमत रही कि लोग गोलीबारी की आशंका से पहले ही घरों में दुबके थे और मवेशियों को सुप्रतिष्ठ स्थानों पर रखा था, नहीं तो ज्यादा नुकसान हो सकता था। ग्रामीणों ने बताया कि पाकिस्तान लगातार एक सप्ताह से गोलीबारी कर रहा है। जिस कारण लोगों को ज़िंदगी बचाने की चिंता सता रही है। उन्होंने कहा कि अगर इसी तरह रोज होती रही तो लोगों के लिए गांव में रहना मुश्किल हो जाएगा।

हम पता लगा रहे हैं कि आतंकी किस रास्ते से घुसपैठ कर आए हैं। अभी तक की जानकारी के मुताबिक यह गुरेज और त्रास सेक्टर के बीच कहीं से दाखिल हुए हो सकते हैं। सुरक्षाबलों के साथ इनकी मुठभेड़ 27 सितंबर को आरंभ

## बंगाल में दुर्गा अष्टमी पर हिंदू परिवार ने की मुस्लिम बच्ची की पूजा

जागरण संवाददाता, कोलकाता : बंगाल में दुर्गा अष्टमी के मौके पर कुंवारी पूजन के दौरान हिंदू परिवार ने चार साल की मुस्लिम बच्ची की पूजा कर सांप्रदायिक सौहार्द को एक अद्भुत मिसाल कायम की है। यह पुनीत कार्य कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना जिले में अर्जुनपुर के रहने वाले दत्त परिवार ने किया है। गौरतलब है कि स्वामी विवेकानंद ने 121 साल पहले कश्मीर पर एक मुस्लिम की बेटी की मां दुर्गा के रूप में पूजा की थी।

चार साल की फातिमा के पिता मोहम्मद ताहिर् उत्तर प्रदेश के अगरा के रहने वाले हैं। वह तमल दत्त के बुलावे पर कोलकाता में दुर्गापूजा के दौरान घूमने आए हैं। दुर्गा अष्टमी के दिन कुंवारी कन्याओं को देवी दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी पूजा की जाती है। स्थानीय निकाय में इंजीनियर तमल दत्त ने बताया कि जातिगत और धार्मिक बाध्यताओं के कारण पहले हम सिर्फ ब्राह्मण कन्याओं का पूजन करते थे। इस साल उन्होंने पुरानों परंपराओं से हटकर सांप्रदायिक सौहार्द के लिए कुछ अलग करने का विचार किया। उन्होंने कहा कि हम सभी जानते हैं कि मां दुर्गा इस धरती पर सभी की मां हैं।



मानावाला में बन्ने वाले आइआइएम अमृतसर के स्थायी परिसर का भूमि पूजन समारोह के दौरान केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल जो परिसर के मॉडल की जानकारी देते संस्थान के चेयरमैन और दैनिक जागरण के प्रधान संपादक व सीईओ संजय गुप्त। राघव शिकापुरिया

# 550वें प्रकाश पर्व पर अमृतसर में बनेगा सर्वधर्म अध्ययन केंद्र : पोखरियाल

जागरण संवाददाता, अमृतसर

केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री रमेश पोखरियाल ने कहा कि श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाश पर्व पर केंद्र सरकार द्वारा गुरु नानक देव विश्वविद्यालय में 482 करोड़ से सर्वधर्म अध्ययन केंद्र की स्थापना की जाएगी। गुरु नानक देव जी की बाणी का विभिन्न देशों की भाषाओं में अनुवाद कराया जाएगा। उन्होंने इंग्लैंड की बर्मिंघम यूनिवर्सिटी और मोनट्रिट (कनाडा) स्थित कोनकोर्डिया यूनिवर्सिटी में श्री गुरु नानक देव जी के नाम की चेयर स्थापित करने की घोषणा की। वह यहां मानावाला में आइआइएम अमृतसर के स्थायी परिसर के निर्माण के भूमि पूजन के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। मानव संसाधन मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के तहत बंटिडा में 920 करोड़ की लागत से एम्स का निर्माण हो रहा है। स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत अमृतसर में 1000 करोड़ और सुल्तानपुर लोधी में 27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इस प्रकरण पर अब और अधिक राजनीति नहीं होनी चाहिए।

### केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री ने आइआइएम के स्थायी परिसर का किया भूमि-पूजन

कहा, बर्मिंघम और कोनकोर्डिया यूनिवर्सिटी में श्री गुरु नानक देव जी के नाम से पीठ स्थापित होगी

हैं, जिनमें 12 के लिए जगह की तलाश जारी है। आइआइएम के स्थायी परिसर की चर्चा करते हुए पोखरियाल ने कहा कि इसके पहले चरण के निर्माण के लिए 350 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं और दूसरे चरण के लिए 250 करोड़ रुपये जल्द जारी होंगे।

21वीं सदी में भारत को विश्व की महाशक्ति बनाने के लिए मजबूत अर्थव्यवस्था और श्रेष्ठतम प्रबंधन की आवश्यकता है। उच्च गुणवत्ता का प्रबंधन करना ही इस संस्थान का मुख्य उद्देश्य है। 2015 में पूर्व केंद्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने इसका शिलान्यास किया था। लोधी में 27 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। पंजाब के लिए 50 केंद्रीय संस्थान प्रस्तावित

## जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी समेत चार पर मुकदमा

जागरण संवाददाता, रामपुर

समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद आजम खां के करीबी व जौहर विश्वविद्यालय के मुख्य सुरक्षा अधिकारी आले हसन खां और लेखपाल आनंदवीर समेत चार के खिलाफ जमीन कब्जा कराने का एक और मुकदमा दर्ज किया गया है। यह मामला चार साल पुराना है, लेकिन रिपोर्ट अब दर्ज कराई गई है।

आगापुर के मुन्ने की तहरीर पर सिविल लाइन थाने में यह मुकदमा दर्ज किया गया है। इसमें कहा है कि 2015 में उनकी जमीन पर दोनों ने मिलकर जमील अहमद और जरीफ को कब्जा कर दिया। जमीन पर दो दुकानें और मकान बनावा दिया। विरोध करने पर उनके परिवार के छह लोगों को गिरफ्तार भी कर लिया था। प्रभारी निरीक्षक राधेशंकर ने बताया कि मुकदमें में पूर्व सीओ सिटी आले हसन, लेखपाल आनंदवीर, जमील अहमद व जरीफ को नामजद किया गया है। विवेचना की जा रही है।

10 अक्टूबर को वापस ली जाएगी पर्यटकों के लिए जारी एडवाइजरी

जम्मू-कश्मीर के राज्यपाल ने सुधरते हालात को देख लिया निर्णय

राज्यपाल की समीक्षा बैठक में गृह विभाग ने भी हामी भर दी है

### दो अगस्त को जारी हुई थी घाटी छोड़ने की एडवाइजरी

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने दो अगस्त को वादी में किसी भी अग्रिय घटना से बचने के लिए देशी- विदेशी पर्यटकों और अमरनाथ यात्रा पर आए श्रद्धालुओं को जन्द घाटी छोड़कर घर लौटने के लिए कहा था। एडवाइजरी को जारी करने के साथ ही पुलिस ने श्रीनगर के हॉटलों और हाउसबोटों में ठहरे पर्यटकों को रातों रात कश्मीर से बाहर भेजने की व्यवस्था की थी। गुलमर्ग से रातोरात पर्यटकों को श्रीनगर लाया गया। कई पर्यटकों को अगली सुबह हवाई जहाज के जरिए कश्मीर से बाहर भेजा। अमरनाथ यात्रा को बीच में रोक दिया गया था। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से मंहाल काफी तनावपूर्ण हो गया था। हालात सुधरते देख अब 10 अक्टूबर को अधिकारिक तौर पर पर्यटकों को लेकर जारी की गई एडवाइजरी वापस ले ली जाएगी।

स्थिति पहले से कहीं ज्यादा बेहतर है। इसलिए इस एडवाइजरी को वापस लिया जाए। बैठक में मौजूद गृह विभाग ने इस पर हामी भर दी है। 10 अक्टूबर को औपचारिक रूप से यह एडवाइजरी हट जाएगी।

राज्यपाल रोज लेते हैं बैठक : पांच अगस्त को अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से ही राज्यपाल रोजाना शाम को छह से आठ बजे तक संबंधित अधिकारियों के साथ नियमित तौर पर करीब दो घंटे की बैठक में राज्य के समग्र हालात और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा कर रहे हैं।

## नजरबारी से मिलेगा स्वयं नष्ट होने वाली बोटलों में पानी

जागरण संवाददाता, हापुड़

रेलगाड़ियों में केटरिंग सुविधा प्रदान कराने वाली कंपनी आइआरसीटीसी एक बार इस्तेमाल होने वाले प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगने के बाद बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग में पानी बेचेगी। ये बोटलें निर्धारित समय में स्वयमेव नष्ट हो जाएंगी। देश को प्लास्टिक मुक्त करने के संस्कार के अभियान में रेलवे बोर्ड ने यह नया प्रयास किया है। बायोडिग्रेडेबल बोटल बंद पानी रेलवे स्टेशन पर जनवरी से मिलने लगेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेशानुसार पर दो अक्टूबर से एक बार प्रयोग होने वाली प्लास्टिक और 50 माइक्रॉन से कम मोटाई वाली प्लास्टिक का प्रयोग बंद करना का अभियान शुरू किया गया है। इसके अंतर्गत रेलवे यात्रियों को रेलगाड़ियों में और रेलवे स्टेशन पर अब जल्द ही बायोडिग्रेडेबल

स्टेशन पर प्रतिबंधित है एक बार इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक

बैन के बाद रेलवे शुरू करने जा रहा है नई योजना

स्टेशन पर एक बार प्रयोग होने वाली प्लास्टिक पर रोक लगा दी गई है। जनवरी से रेलवे स्टेशन पर भी रेल नीर बायोडिग्रेडेबल बोटल में मिलेगा। इसकी तैयारी की जा रही है।

—अजब सिंह, कार्यवाहक स्टेशन अधीक्षक बोटल में पानी उपलब्ध कराएगा। आइआरसीटीसी ने स्टेशनों पर प्लास्टिक की बोटलों में पानी नहीं बेचने का फैसला किया है। रेलवे ने नई दिल्ली और लखनऊ के बीच चलाई गई देश की पहली कार्बोपेट रेलगाड़ी तेजस एक्सप्रेस में यात्रियों को बायोडिग्रेडेबल बोटल में पानी उपलब्ध कराने की शुरुआत कर दी है।

जागरण संवाददाता, मनाली

रोहतांग दर्रा रविवार रात व सोमवार सुबह हुए हिमपात से बंद हो गया है। सोमवार को दर्रे में आधा फीट हिमपात हुआ। इससे वाहनों की आवाजाही थम गई है। दर्रे में फंसे सेना समेत अन्य करीब 150 वाहनों को प्रशासन ने बीआरओ की मदद से रेस्क्यू कर लिया है।

रोहतांग दर्रे में सेना सहित सैलानियों के फंसे होने की सूचना सुबह 10 बजे मनाली प्रशासन को मिली। इस पर एसडीएम मनाली रमन घरसंगी के नेतृत्व में रेस्क्यू टीम घटनास्थल के लिए रवाना हुई। सवारियों से भरी मनाली से गई धर्मशाला-त्रिलोकीनाथ बस भी दर्रे में फंसी थी, जिसे चालक ने सूझबूझ के साथ वापस मनाली पहुंचाया। केलंग से मनाली आ रही केलंग हरिद्वार, जहालमा रिकॉमिंगओ और उदयपुर को कुल्लू भी दर्रे से वापस केलंग लौट आई। कुल्लू में मंगलवार से शुक्र हो रहे अंतरराष्ट्रीय दशहरा उत्सव के चलते लाहलु से मनाली कुल्लू की ओर आने वाले लोगों की संख्या अधिक है। बीआरओ की मशीनों मौके पर पहुंची और शाम तक सभी वाहनों को दर्रे से बाहर निकाला।

रोहतांग दर्रा रविवार रात व सोमवार सुबह हुए हिमपात से बंद हो गया है। सोमवार को दर्रे में आधा फीट हिमपात हुआ। इससे वाहनों की आवाजाही थम गई है। दर्रे में फंसे सेना समेत अन्य करीब 150 वाहनों को प्रशासन ने बीआरओ की मदद से रेस्क्यू कर लिया है।



हिमाचल प्रदेश के रोहतांग में भारी हिमपात में फंसे सैन्य वाहन को निकालते जवान।

एएनआइ

एसडीएम मनाली रमन घरसंगी ने कहा कि उनके नेतृत्व में रेस्क्यू टीम ने बेहतर तालमेल से काम करते हुए लगभग 150 वाहनों को रेस्क्यू कर दिया है। सेना के वाहनों समेत हिमाचल पश्च परिवहन निगम (एचआरटीसी) की बसें व रोहतांग दर्रे सहित शिंकुला व बारालाचा दर्रा बंद होने से लेह जाने वाले सैलानी व लोग दारचा में फंस गए हैं। बारालाचा दर्रे सहित शिंकुला दर्रे में पौना फीट हिमपात हुआ हो चुका है।

केलंग-मनाली बस सेवा बंद : मनाली-लेह मार्ग सहित मनाली-जॉन्स्कर मार्ग पर भी वाहनों के पहिये जाम हो गए हैं। रोहतांग दर्रे में बर्फबारी होती देख एचआरटीसी ने केलंग-मनाली रूट पर बस सेवा बंद कर दी है। बर्फबारी के कारण पर्यटक वाहन फंसे थे। सभी को बीआरओ की मदद से दर्रे से रेस्क्यू कर लिया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि दर्रे में बर्फ को देखते हुए एक दो दिन दरां आर-पार न करें।



# 14 हजार करोड़ का घोटाला करने वाली सोसायटी की संपति ईडी ने अटैच की

**कार्रवाई** ▶ आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी घोटाला मामले में कसा शिकंजा

राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में संपतियां अटैच

जागरण संवाददाता, जयपुर

करीब 14 हजार करोड़ रुपये के आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी घोटाला मामले में पवर्नन निदेशालय (ईडी) ने छह राश्यों में 1489 करोड़ रुपये की चल और अचल संपति अटैच की है। सोसायटी के संचालक मुकेश मोदी, वीरेंद्र मोदी सहित अन्य के बैंक खातों को भी सीज कर दिया गया है। ईडी ने यह कार्रवाई सोमवार शाम को की।

ईडी ने राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश में संपतियां अटैच की हैं। सोसायटी का मुख्यालय राजस्थान के सिरोही में है। ईडी से मिली जानकारी के अनुसार धन शोधन अधिनियम-2002 के तहत आदर्श क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी को 1489 करोड़ की संपति अटैच की गई है। इनमें 1464.76 करोड़ रुपये मूल्य के भूमि-भवन और 24 करोड़ रुपये के बैंक खाते अटैच किए गए हैं।

### न्यूज गैलरी

**भिखारी के घर से, डेढ़ लाख के सिक्के, 8 लाख की एफडी मिली**  
मुंबई : रेल की पटरी पार करते समय दुर्घटना का शिकार हो गए भिखारी के गोवंदी स्थित घर से पुलिस ने शनिवार को 8.77 लाख की एफडी और 1.5 लाख रुपये के सिक्के मिले। वाशी जीआरपी के वरिष्ठ पुलिस इंस्पेक्टर नंद कुमार सास्ते ने कहा, ‘एक भिखारी बिरजू चंद आजाद की गोवंदी और मानखुर्द स्टेशन के बीच चार अक्टूबर को रेल की पटरियों पार करते समय मौत हो गई।’ जब पुलिस टीम ने भिखारी के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास किया और गोवंदी के रस्म में उसके घर की तलाशी ली तो सभी चकित रह गए। टीम को वहां 8.77 लाख की एफडी और करीब 1.5 लाख रुपये के सिक्के मिले। (एएनआइ)

**तमिलनाडु में सेल्फी लेते बांध में गिरने से चार की मौत**

कृष्णागिरी (तमिलनाडु) : सेल्फी के लिए पोज देते समय नवविवाहिता समेत चार महिलाएं और एक पुरुष बांध में जा गिरे। इनमें से एक महिला तो बच गई, लेकिन चार लोगों की डूबने से मौत हो गई। प्रभु और निवेदिता की हाल में ही शादी हुई थी। शनिवार को नवदंपती अपने रिश्तेदारों कनिता, स्नेहा, उषीणी और संतोष के साथ कृष्णागिरी जिले के मारमपट्टी के पम्बारु बांध घूमने गया था। प्राकृतिक छटा को निहारने के दौरान सेल्फी लेने का दौर शुरू हुआ। जिस समय प्रभु अन्य के साथ सेल्फी ले रहा था उसी समय उसकी पत्नी निवेदिता समेत पांचों लोग बांध में गिर गए। जैसे ही प्रभु को इस बात का पता चला तो वह पानी में कूब और उसने उर्वीणी को बचा लिया। जबकि चार अन्य डूब गए। बाद में रविवार को चार अंच लोगों के शव पानी से निकाले गए। (प्रेट)

**देहरादून में 500 लोगों ने मांगी इच्छामृत्यु**

देहरादून : उत्तराखंड की राजधानी से 30 किलोमीटर दूर विकासनगर कस्बे के शीशमबाड़ा में कूड़ा निस्तारण प्लांट की दुर्घ से परेशान 500 लोगों ने राष्ट्रपति से इच्छामृत्यु मांगी है। इस बीच, तीन लोग प्लांट के समक्ष आमरण अनशन पर बैठ गए। उन्होंने चेतावनी दी है कि समस्या का हल नहीं निकला तो सामूहिक रूप से आत्मदाह कर लेंगे। बता दें कि सेंट्रल होपटाउन क्षेत्र के शीशमबाड़ा में नगर निगम का कूड़ा निस्तारण का प्लांट है। स्थापना के बाद से ही लोग इसका विरोध कर रहे हैं। प्लांट में कूड़ा निस्तारण के समुचित प्रबंधन होने के कारण इलाके में दुर्गंध बढ़ती जा रही है। इससे लोग परेशान हैं। यहां रहने वाले लोग काफी संख्या में सोमवार को प्लांट पहुंचकर अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। (जास)

## मिट्टी नहीं यादें

19 अक्टूबर, 2018 को अमृतसर में जौड़ा फाटक पर रावण दहन के दौरान मौत के मुंह में समाए 59 लोगों के परिजनों को सरकार से मिली रुसवाई, सरकारी घोषणा के बावजूद नहीं मिली नौकरी, भटक रहे पीड़ित

# 106

**पीएमसी बैंक में गुरुद्वारों के 100 करोड़ रुपये फंसे**

राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली : पंजाब एंड महाराष्ट्र कोऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक में दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीपीसी) सहित कई गुरुद्वारों के पैसे भी फंस गए हैं। डीएसजीपीसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआइ) से पीएमसी बैंक को कब्जे में लेकर खाता धारकों को पैसे वापस दिलाने की मांग की है। सोमवार को डीएसजीपीसी कार्यालय में गुरुद्वारों के प्रतिनिधियों के साथ प्रेस वार्ता में सिरसा ने कहा कि बैंक के पास आरबीआइ का लाइसेंस था, जिस वजह से आम जनता और गुरुद्वारा कमेटियों ने उसमें पैसे जमा कराए थे। गुरुद्वारा कमेटियों ने लगभग 100 करोड़ रुपये बैंक की अलग-अलग शाखाओं में जमा कराए थे।

ये बैंक खाते मुकेश मोदी, वीरेंद्र मोदी, कमलेश मोदी और उनके परिजनों के नाम पर हैं। आदर्श को-ऑपरेटिव सोसायटी की सहयोगी कंपनी की कुछ संपति को भी अटैच किया गया है।

उल्लेखनीय है कि मोदी परिवार ने सिरोही

## सीआरपीएफ के जवान ने दी डाकू पान सिंह तोमर बनने की धमकी

**नईदुनिया, सुकमा** : छत्तीसगढ़ के नक्सल मोर्चे पर (सुकमा) तैनात सीआरपीएफ 74वीं बटालियन के जवान प्रमोद कुमार ने उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में अपने रिश्तेदारों (चाचा) पर जमीन हड़पने का आरोप लगाते एक वीडियो बनाया है, जो सोशल मीडिया में लगातार वायरल हो रहा है। प्रमोद ने वीडियो में अपने तीनों चाचा पर दबंगई करने और परिवार के सदस्यों के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। वहीं हाथरस जिले के एसपी और कलेक्टर पर शिकायत करने के बावजूद कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है। जवान ने चेतावनी दी है कि अगर देश की रक्षा के लिए वह अपनी जान दे सकता है, तो तोमर भी बन सकता है। प्रमोद ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री से इस मामले में उचित कार्रवाई करने का आग्रह भी किया है।

**दर्जन हत्या की कांशिण का सुकदमा** : नईदुनिया के सहयोगी प्रकाशन जागरण के अलीगढ़ कार्यालय के अनुसार जमीन विवाद का मामला एसडीएम कोर्ट में चल है। दोनों पक्षों के बीच हाल ही में वफाई झगड़ा भी हुआ था। इसमें जवान के परिवार पर फावर्सिंग करने का आरोप लगा है।

# उत्तराखंड में चार साल के भाई को बचाने गुलदार से भिड़ गई 11 साल की राखी

जागरण संवाददाता, कोटद्वार (पौड़ी गढ़वाल)

चार साल के भाई को बचाई के लिए 11 वर्ष की बालिका गुलदार से भिड़ गई। भाई को सीने से चिपका वह तब तक जूझती रही जब तक उसकी मां वहां नहीं पहुंचीं। मां ने शोर मचाते हुए पत्थर फेंक अपने जिगर के टुकड़ों को मौत के मुंह से खींच लिया। इस दौरान वह गंभीर घायल हो गई। पौड़ी के जिलाधिकारी धीराज गर्ग्याल ने बताया कि बालिका के इस अदम्य साहस के लिए उसका नाम वीरता पुरस्कार के लिए भेजा जाएगा।

घटना पौड़ी जिले के दूरस्थ क्षेत्र बीरोंखाल ब्लॉक के देवकुंडाई गांव की है। इसी गांव के दलबीर सिंह रावत किसान हैं और उनके दो बच्चे हैं। बड़ी बेटी राखी और छोटा बेटा राघव। राखी कक्षा पांच की छात्रा है। शनिवार शाम को राखी अपने छोटे भाई राघव को कंधे पर बिठा खेत से घर लौट रही थीं। रास्ते में घात लगाकर बैठे गुलदार ने राघव पर हमला कर दिया। एकाएक हुए हमले से एक बार तो राखी कुछ समझ नहीं पाई, लेकिन जैसे ही उसे हालात का एहसास हुआ वह बिजली की

की चेतावनी दी है, जहां उनके अपने लाश बने थे। सोमवार को पुलिस ने पीड़ित परिवारों को बुलाकर धरना न लगाने की अपील की, लेकिन परिजनों ने स्पष्ट कहा कि सरकार ने उनकी आवाज नहीं सुनी, इसलिए अब वे विरोध का रास्ता अपना रहे हैं।

**पांच बार भराए फॉर्म, नहीं मिली नौकरी** : पीड़ितों ने कहा कि वे सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाकर थक चुके हैं। इस अवधि में उनसे पांच

## ईडी ने पीएमसी बैंक घोटाला मामले में नए सिर से की छापेमारी

नई दिल्ली, आइएनएस : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कहा कि वह मुंबई में हाउसिंग डेवलपमेंट एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एचडीआइएल) के चेयरमैन राकेश वधावन और उनके बेटे सारंग वधावन के दो ठिकानों पर छापामारी की है। पंजाब एवं महाराष्ट्र कोऑपरेटिव (पीएमसी) बैंक जालसाजी मामले में नई जानकारी सामने आने के बाद केंद्रीय एजेंसी ने यह कदम उठाया है। ईडी ने एक और जेट और याच एचडीआइएल प्रमोटियों के नाम से पंजीकृत पाया है। ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ‘सोमवार को छापे के दौरान हमने अलीबाग में 22 कमरों का एक विशाल बंगला पाया। इसे जल्दी ही जब्त किया जाएगा।’ अधिकारी ने कहा कि एक और

में सोसायटी का कार्यालय स्थापित कर देश के 28 राश्यों और चार केंद्र शासित प्रदेशों में 806 शाखाएं खोली थीं। इनमें से 309 शाखाएं राजस्थान में खोली गईं थीं। सोसायटी के 20 लाख सदस्य बनाए गए। इनमें 10 लाख से अधिक निवेशक शामिल हैं। इन्होंने निवेशकों

# गुजरात में शराब बिकने के गहलोत के बयान पर भाजपा ने कांग्रेस को घेरा

शत्रुज शर्मा, अहमदाबाद

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के गुजरात में शराब बिकने को लेकर दिए गए बयान पर घमासान छिड़ गया है। गुजरात के मुख्यमंत्री विजय रूपानी समेत तमाम भाजपा नेताओं ने उन पर पलटवार किया है। बता दें कि गहलोत ने कहा था कि गुजरात में शराबबंदी के बावजूद सबसे अधिक शराब बिकती है और घर-घर में पी जाती है। विजय रूपानी ने अपनी राजस्थानी समकक्ष के दावे के जवाब में कहा कि इससे यही पता चलता है कि वह गुजरात, इसकी जनता, महात्मा गांधी, सरदार पटेल और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नापसंद करते हैं।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष जीतूभाई वाघाणी व प्रवक्ता भरत पंड्या ने इसे गुजरात, गुजरातियों और महात्मा गांधी का अपमान बताया है। साथ ही सवाल भी किया कि क्या यहां के कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता भी शराबी हैं।

प्रदेश अध्यक्ष वाघाणी ने कहा है कि गहलोत कांग्रेस के राष्ट्रीय पदाधिकारी रह चुके हैं तथा राजस्थान के मुख्यमंत्री हैं। गहलोत का बयान गुजरात प्रदेश, गुजरात की जनता के साथ-साथ

राजस्थान के मुख्यमंत्री के बयान को भाजपा नेताओं ने महात्मा गांधी का अपमान बताया

**रूपानी, वाघानी ने पूछा, क्या कांग्रेसी नेता-कार्यकर्ता भी हैं शराबी**



अशोक गहलोत।

फाइल

सरदार पटेल का भी अपमान है। उन्होंने कहा कि गहलोत ने गुजरात की जनता को शराबी बताकर गुजराती समाज को बदनाम किया है।

वाघाणी ने कहा कि गहलोत को अपने बयान पर सफाई देनी चाहिए। कांग्रेस हमेशा गुजरात व गुजरात के विकास की विरोधी रही है। उन्होंने गहलोत से कहा कि राजस्थान में आप उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट को संभालें

## देश का मुसलमान केंद्र सरकार के साथ : डॉ. इलियासी



डॉ. उमेर अहमद इलियासी।

फाइल

**जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर** : अखिल भारतीय इमाम संगठन के मुख्य इमाम डॉ. उमेर अहमद इलियासी ने कहा कि रा्ट्ट्र धर्म-जाति से ऊपर है। राम जन्मभूमि पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला सबके लिए मान्य होगा। एनआरसी और जनसंख्या नियंत्रण कानून को लेकर देश का मुसलमान केंद्र सरकार के साथ है। एनआरसी को लेकर मुस्लिम कोई खोफ न रखें, क्योंकि सरकार जो करेगी वह सबके भले के लिए होगा। वह सोमवार को संगठन के जिला अध्यक्ष मुफ्ती जुल्फिकार के आवास पर रुके थे। यहां पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि अयोध्या मामले में कोर्ट का फैसला ही सर्वमान्य होगा। यदि यहां मंदिर बनता है तो ऐसा बने जो दुनिया में आपसी एकता-सौहार्द की पहचान हो। इलियासी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत और दारुल उलूम देवबंद के मोहतामिम मौलाना अरशद मदनी की मुलाकात को दोनों वर्गों के लिए बेहतर बताया। कहा कि दारुल उलूम को यह कदम बहुत पहले उठाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि वह जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद-370 व 35-ए हटाने का समर्थन करते हैं।

# वीडियो कांफ्रेंसिंग से हुई छात्रा की कोर्ट में पेशी

**चिन्मयानंद प्रकरण**

जासं, शाहजहांपुर

पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री चिन्मयानंद से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने की आरोपित छात्रा को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की कोर्ट में वीडियो कांफ्रेंसिंग से पेशी हुई। उसकी न्यायिक हिरासत को बरकरार रखते 14 अक्टूबर को फिर से कोर्ट में पेश करने के आदेश दिए गए।

चिन्मयानंद पर छात्रा ने दुष्कर्म व शारीरिक शोषण के आरोप लगाए हैं, जबकि छात्रा, उसके दोस्त संजय, विक्रम व सचिन पर चिन्मयानंद से पांच करोड़ की रंगदारी मांगने का आरोप है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर दोनों मामलों की जांच एसआइटी कर रही है। एसआइटी दोनों मामलों में पांचों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। छात्रा को सोमवार को मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की कोर्ट में पेश किया जाना था, लेकिन सुरक्षा कारणों से जेल प्रशासन ने उसकी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेशी कराई। शाम चार बजे के बाद छात्रा की पेशी हुई, जिसमें मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ओमवीर सिंह ने उसे 14 अक्टूबर को फिर से पेश करने के आदेश दिए। गौरतलब है कि छात्रा को 23 सितंबर की सुबह एसआइटी ने उसके घर से गिरफ्तार किया था। इसके बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया था, जहां

# संत समाज ने लिया यू-टर्न कहा-हम चिन्मयानंद के साथ

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

शाहजहांपुर में छात्रा के यौन शोषण के आरोप में फंसे पूर्व गुहमंत्री स्वामी चिन्मयानंद को संत समाज की ओर से बड़ी राहत मिली है। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद ने अचानक यू-टर्न लेते हुए एलान किया है कि संत समाज स्वामी चिन्मयानंद के साथ है, क्योंकि उन्हें युवती और उसके गिरोह ने एक बड़ी साजिश के तहत फंसाया है। पंचायती महानिर्वाणों ने कहा अखाड़े ने भी अपना रुख बदल दिया है। अखाड़े के महासचिव का कहना है कि स्वामी चिन्मयानंद का निष्कासन ही नहीं किया गया था। उन्हें केवल पंगत से बाहर रखने की बात हुई थी।

स्वामी चिन्मयानंद के मामले में संत समाज के पहले और बाद के रुख में बदलाव दो वीडियो क्लिप को देखने से आया। पहले वायरल हुई वीडियो क्लिप में स्वामी चिन्मयानंद एक युवती से मसाज करते हुए दिखे थे। उनके खिलाफ प्रदेश

पूर्व केंद्रीय मंत्री से रंगदारी मांगने के आरोप में जेल में है बंद

सुरक्षा कारणों को देखते हुए उसे नहीं लाया गया अदालत

**जमानत पर सुनवाई 10 को**

रंगदारी मांगने के आरोपित संजय सिंह, विक्रम सिंह व सचिन सेंगर की जमानत अर्जी पर दस अक्टूबर को सुनवाई होगी। तीनों की जमानत अर्जी जिला जज की कोर्ट में दाखिल की गई है। तीनों आरोपितों को 20 सितंबर को एसआइटी ने गिरफ्तार किया था। इस मामले में चौथी आरोपित छात्रा की जमानत अर्जी पहले ही खारिज हो चुकी है। चिन्मयानंद की जमानत अर्जी को भी कोर्ट ने नामंजूर कर दिया था।

से उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया था। छात्रा की जमानत अर्जी जिला जज की अदालत से खारिज हो चुकी है।

छात्रा के साथ रंगदारी मांगने के आरोप में जेल में बंद उसके दोस्त संजय सिंह के अलावा विक्रम सिंह व सचिन सेंगर को भी 14 अक्टूबर को ही कोर्ट में पेश किया जाएगा, जबकि दुष्कर्म के आरोपी का सामना कर रहे चिन्मयानंद को 16 अक्टूबर को सीजेएम कोर्ट में पेश किया जाएगा।



## सामूहिक लोकनृत्य गरवा...

गुजरात के गांधीनगर में नवरात्र महोत्सव पर हजारों की संख्या में लोगों ने लोकनृत्य गरबा किया। यह गीत, नृत्य और नाटक की समृद्ध परंपरा का बेहद लोकप्रिय लोक नृत्य है। अब यह देशभर में नवरात्र महोत्सव को अभिन्न हिस्सा बन गया है।

# मप्र सरकार पर आर्थिक संकट 250 पुल निर्माण पर संशय

नईदुनिया, भोपाल

आर्थिक संकट से जुड़ा रही मध्य प्रदेश सरकार के पास विकास कार्यों के लिए पी पैसा नहीं बचा है। इसका बड़ा असर लोक निर्माण विभाग पड़ना कराए जाने वाले निर्माण कार्यों पर पड़ रहा है। प्रदेश में करीब 250 पुल के निर्माण पर भी संशय बना हुआ है।

पुल निर्माण को लेकर बीते चार माह से भुगतान के लिए ठेकेदार परेशान हो रहे हैं। सूत्रों की मानें तो अब तक प्रोजेक्ट राशि का महज 30 प्रतिशत ही भुगतान निर्माण कंपनियों व ठेकेदारों को हुआ है। इससे निर्माण कार्यों पर असर पड़ना शुरू हो गया है। प्रदेश सरकार ने जून माह में 5,540 करोड़ के पुल निर्माण को स्वीकृति दी थी। प्रदेश के बड़े शहरों में शामिल भोपाल में 5, इंदौर में 6 और जलालपुर व छिंदवाड़ा में दो-दो फ्लाईओवर का निर्माण प्रस्तावित है। इसके अलावा सरकार ने आगामी पांच वर्षों में प्रदेश में 400 वृद्ध व मध्यम पुल (2 हजार करोड़),

बीते चार माह से ठेकेदारों को नहीं हो रहा भुगतान

निर्माण कार्यों के लिए पैसे की कमी नहीं आने देगे। जल्द ही हल निकाला जाएगा।

– सज्जन सिंह वर्मा, मंत्री, पीडब्ल्यूडी

55 रेलवे ओवरब्रिज (1600 करोड़) और 17 फ्लाईओवर (1940 करोड़) के निर्माण की भी घोषणा की थी। **सड़क सुधार के लिए भी केंद्र से मांगी मदद** : प्रदेश में इस बार तेज बारिश में सड़कों को भारी नुकसान हुआ है। प्रदेश सरकार के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग ने सड़कों का सर्वे कर खाका तैयार किया है। उधर, सड़क सुधार के लिए ही प्रदेश सरकार ने केंद्र से 1,188 करोड़ रुपए की मांग की है। सर्वे में प्रदेश की पीडब्ल्यूडी की अधिपत्य की सड़कों में 18427.89 किमी लंबी को साधारण मरम्मत और 4094.50 किमी लंबी सड़कों में पेचवर्क की आवश्यकता जताई थी।





दैनिक जागरण

बुराई को अच्छाई के समक्ष परास्त होना ही पड़ता है

# विकास और पर्यावरण

मुंबई में मेट्रो के कांशेड निर्माण के लिए पेड़ों को काटने का विरोध आखिरकार सुप्रीम कोर्ट भी पहुंचा। उसने मुंबई की ओरे कॉलोनी में पेड़ काटने पर रोक लगाने का आदेश देने के साथ ही मामले को पर्यावरण पीठ के समक्ष भेज दिया। इस पीठ का फैसला जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जितने पेड़े काटने जरूरी थे उतने काटे जा चुके हैं। बंबई हाईकोर्ट के फैसले के बाद यह काम आनन-फानन शायद इसीलिए हुआ, क्योंकि मुंबई मेट्रो कॉरपोरेशन यह जान रहा था कि हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी जाएगी। जो भी हो, यह पहली बार नहीं जब पर्यावरण प्रेमियों एवं सामाजिक संगठनों ने पेड़ों को काटने का विरोध किया हो और अपनी लड़ाई अदालत तक ले गए हों। कई बार तो सड़क या फिर रेल मार्ग के निर्माण के लिए पांच-दस वृक्षों को भी काटने का विरोध किया गया है। इस विरोध के चलते विकास योजनाओं का काम रुका भी है।

आज जब जलवायु परिवर्तन का खतरा बढ़ता जा रहा है और जल-जंगल-जमीन को संरक्षित करने की जरूरत कहीं अधिक बढ़ गई है तब यह सुनिश्चित किया ही जाना चाहिए कि शहरी इलाकों में वृक्षों को काटने की नौबत न आए, लेकिन इसी के साथ यह भी ध्यान रखना चाहिए कि विकास जमीन पर ही होगा और जब ऐसा होगा तो कहीं न कहीं पेड़ काटने ही पड़ेंगे। वास्तव में पर्यावरण और विकास के बीच संतुलन कायम करने की जरूरत है और इस जरूरत की पूर्ति तभी होगी जब बीच का रास्ता तलाशा जाएग। पहले तो यह देखा जाए कि कम से कम पेड़ काटने पड़ें, फिर यह सुनिश्चित किया जाए कि जितने पेड़े काटे जाएं उससे कहीं अधिक न केवल लगाएं जाएं, बल्कि उनकी देखभाल भी की जाए। अगर यह जिद पकड़ी जाएगी कि चार पेड़ भी न कटने पाएं, भले ही विकास के काम न हों तो इससे बात नहीं बनेगी। यह ठीक नहीं कि विकास की कई योजनाएं पर्यावरण संबंधी सवालों से दो-चार होने के कारण अटकी पड़ी हुई हैं। इनमें से कुछ की तो लागत भी बढ़ गई है। यह ठीक नहीं। निश्चित रूप से विकास की चिंता करते समय पर्यावरण की भी चिंता करनी होगी, लेकिन केवल यही नहीं जब किसी योजना-परियोजना की राह में कुछ वृक्ष आ रहे हों। क्या यह अजीब नहीं कि पर्यावरण की तमाम चिंताओं के बीच पंजाब और हरियाणा में पराली एक बार फिर जलाई जा रही है? क्या यह पर्यावरण को जानबूझकर जहरीला बनाने वाला काम नहीं? बेहतर हो कि पर्यावरण के साथ विकास की भी समान चिंता की जाए और जंगल बचाने-बढ़ाने पर कहीं ज्यादा ध्यान दिया जाए।

# किसानों की चिंता

झारखंड के उन किसानों को भी मुख्यमंत्री कृषि आशीर्वाद योजना का लाभ मिलेगा, जो अबतक इससे वंचित थे। इसके दायरे में विशेषकर खूटकट्टी प्रकृति की जमीन के रयत आएंगे, जिनका रिकॉर्ड राज्य के अंचल कार्यालयों में लगभग नहीं है। ऐसे में इन किसानों की पहचान पारंपरिक स्वशासन व्यवस्था के वाहक मानकी-मुंछ, प्रधान आदि के माध्यम से सुनिश्चित होगी। सरकार के इन प्रयासों से जहां राज्य के हजारों किसान अन्य किसानों की ही तरह सूचीबद्ध हो जाएंगे, वहीं उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ भी मिल सकेगा। सरकार के इन प्रयासों की सराहना की जानी चाहिए, क्योंकि खूटकट्टी रयतों की बसावट आज भी सुदूर क्षेत्रों में है। वहां सरकारी सुविधाओं की पहुंच अन्य क्षेत्रों की ओतथा कम है। झारखंड में आदिवासियों के पूर्वजों ने आजीविका के लिए जंगलों के बड़े हिस्से को काटकर उसे खेती के लायक बनाया था। ऐसे में जिसने उसकी जोत-कोड़ की, वही उसका मालिक बन बैठा। ऐसी भूमि के मालिक खूटकट्टीदार कहलाते थे। इसके प्रबंधन से लेकर लगान तक की व्यवस्था गांव के ही प्रधान आदि के हाथों में थी।

और तो और, झारखंड में नागवंशियों के प्रवेश तक यह प्रथा नियमबद्ध हो चुकी थी। बाद में संबंधित भूमि के आसपास गांव बसते चले गए। इस बीच समय के साथ-साथ जमीन से जुड़े कई कानून बने और उनमें संशोधन भी हुआ, परंतु खूटकट्टीदारी व्यवस्था पूर्ववत जारी रही। ऐसी भूमि का कभी सर्वे तक नहीं हुआ। लिहाजा राज्य के नक्शे से इस प्रकृति की भूमि और इसके रयत गायब रहे। बहरहाल सरकार ने उनकी चिंता की है। अब अन्य किसानों की ही तरह पांच एकड़ तक भूमि रखने वाले खूटकट्टीदार रयतों को भी प्रति एकड़ पांच हजार रुपये की दर से राशि मुहैया कराई जाएगी। राज्य में आज भी कृषि बहुत हद तक मौसम के मिजाज पर निर्भर करती है। ऐसी स्थिति में सरकारी सुविधाएं उनके लिए वरदान साबित होंगी। सामान्य परिस्थितियों में भी वे इस राशि का उपयोग उन्नत बीज और खाद की खरीदारी के साथ-साथ कृषि क्षेत्र की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति में कर सकेंगे।

# बाजार की गिरफ्त में त्योहार!

अंशुमाली रस्तोगी

त्योहारों का मौसम चल रहा है। इसमें बाजार भी तैयार है। सेल लगी हुई है। जमकर डिस्काउंट दिया जा रहा है। टीवी और अखबारों में आने वाला हर विज्ञापन कह रहा है कि खरीदो, खरीदो। मौका हाथ से न जाने दो। इस दफ्फा चूके तो आ भर पछताओगे। बाजार चाहता है कि हम त्योहार को छोड़ खरीदारी और सेल के बीच ही उलझे रहें। बाजार और त्योहार को मोबाइल आपस में जोड़े हुए है। टचस्क्रीन पर लगातार दौड़ती अंगुलियां मानो कुछ भी छोड़ना नहीं चाहतीं। मोबाइल पर ही सारी ऑनलाइन खरीदारी हो रही है। इसी पर एक-दूसरे को त्योहार की बधाइयां भी दी जा रही हैं। न कहीं बाहर आना है, न जाना। घर बैठे जो चाहे खरीदो। किसी को भी विश करो।

ऑनलाइन बाजार बहुत कम समय में बहुत तेजी से हमारी जरूरत बन गया है। त्योहार की परिभाषा-भाषा ही बदलकर रख दी है इसने। आजकल के बच्चे त्योहार का मतलब सिर्फ खरीदारी ही समझते हैं। त्योहारों का हमारे जीवन में क्या अर्थ, क्या महत्व है उन्हें नहीं पता। दोष उनका भी कहां है? खुद हमने कहां

बाजार के बढ़ते प्रभाव ने

दशहरा, दीपावली जैसे त्योहारों की प्रासंगिकता को काफी नुकसान पहुंचाया है

उन्हें यह सब बताने का कभी प्रयास किया। जैसे हम दिनभर मोबाइल और ऑनलाइन बाजार में उलझे रहते हैं, बच्चे भी यही सीख रहे हैं। एक समय ऐसा भी था, जब त्योहारों की परंपरा का ध्यान रखा जाता था। उन्हें उत्सव की तरह मनाया जाता था। तब बाजार का भी हम पर ऐसा प्रभाव नहीं था। मां-बाप जो खरीदकर दे देते थे, खुशी-खुशी पहन लेते थे। तब बाजार और कपड़ों से कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण त्योहार हुआ करते थे।

हां, यह सच है कि ऑनलाइन बाजार ने बाजार और खरीदारी को हमारे लिए बेहद आसान कर दिया है। अब कुछ भी खरीदने के लिए सड़कों या दुकानों पर भटकना नहीं पड़ता। एक क्लिक में हर चीज घर बैठे आपके सामने होती है। ऑनलाइन बाजार के बढ़ते प्रभाव ने दशहरा, दीपावली जैसे त्योहारों की प्रासंगिकता

को बहुत हद तक नुकसान पहुंचाया है। अपनों के बीच होकर भी हम उनके बीच नहीं होते। हमने अपना सारा सोशल सर्कल समाज के बीच से हटाकर सोशल मीडिया पर शिफ्ट कर दिया है। सारी सामाजिकताएं वहीं निभाई जा रही हैं। सारे सुख-दुख उसी पर बांटे जा रहे हैं। आलम यह है कि त्योहार आ रहे हैं ऐसा कुछ हमें अहसास ही नहीं होता। हम दूसरों से ही नहीं, खुद अपने आप से कटते जा रहे हैं। इतना सीमित कर लिया है हमने अपनी जिंदगी को कि जहां उत्सव और त्योहार भी अब ज्यादा मायने नहीं रखते। हर त्योहार का मूल स्वभाव आपस में जोड़ना, उमंग-उत्सव बनाए रखना, व्यस्तताओं से निजात-पत्ता होना है, लेकिन हमने तो खुद को बाजार के हवाले कर दिया है। बाजार आकर्षण दे सकता, किंतु सुकून नहीं दे सकता। रिश्तों में गर्माहट, सरलता, अपनापन नहीं डाल सकता। त्योहार का महत्व नहीं बता सकता। दिलों में उमंग का संचार नहीं कर सकता। बावजूद इसके हमारे बीच ऑनलाइन बाजार की चकाचौंध निरंतर बढ़ती ही जा रही है। यह कहां जाकर रुकेगी या कभी रुकेगी भी, कोई नहीं जानता।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)



डॉ. भरत झुनझुनवाला

मूल कंपनी की विश्वसनीयता पर भरोसा करके बैंक उनकी सब्सिडियरियों को कर्ज देते जाते हैं। इसकी परिणति अक्सर फंसे कर्ज के रूप में सामने आती है

पंजाब एंड महाराष्ट्र बैंक यानी पीएमसी बैंक घोटाले में यह सामने आया कि उसने घाटे में चल रही कंपनियों को कर्ज दिए और उन्हें फर्जी नाम से छुपा लिया। इसी तरह महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव बैंक ने घाटे में चल रही सहकारी चीनी मिलों को संदिग्ध कर्ज दिए। इन मिलों से शरद पवार का गहरा जुड़ाव रहा है। बैंक के निदेशक उनके भतीजे अजीत पवार थे। इसीलिए माना जा रहा है कि अजीत के दखल से ही ये कर्ज दिए गए। आखिरकार ये कर्ज खटाई में पड़ गए। ऐसी गड़बड़ियां बैंक अधिकारियों की जानकारी से होती हैं और रिजर्व बैंक चाहे तो उन पर नियंत्रण लगा सकता है। दूसरी गड़बड़ियां वे हैं जो उद्यमियों द्वारा बैंकों को गुमराह कर अंजाम दी जाती हैं। जैसे आइएलएंडएफएस द्वारा देश के तमाम बैंकों को बड़ी चतुराई से पर्दे के पीछे सहायक कंपनियां बनाकर गुमराह किया गया। इन सहायक कंपनियों को सब्सिडियरी कहा जाता है। सब्सिडियरी के शत प्रतिशत शेयर मूल या प्रवर्तक कंपनी के हाथ में होते हैं। इन सहायक कंपनियों की स्थिति किसी व्यक्ति के स्वामित्व वाली फर्म के समान होती है। इन तिकड़ुमी उद्यमियों की मूल कंपनी पाक साफ रहती है। वह बैंकों से कम कर्ज लेती है, लेकिन सहायक कंपनियों द्वारा बैंकों से बड़े पैमाने पर कर्ज लेकर उसकी बंदरबोत की जाती है। सब्सिडियरी को होने वाला घाटा छिपा रहता है। मूल कंपनी लाभ में दिखाई जाती है जबकि

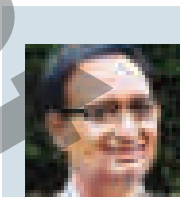
असल में पूरे समूह की तस्वीर बदरंग होती है। यैने आइएलएंडएफएस के समकक्ष एक बड़ी कंपनी का अध्ययन किया। इस कंपनी द्वारा स्वयं बैंकों से बहुत कम कर्ज लिया गया। उसके कर्ज का यह आंकड़ा महज 2,400 करोड़ रुपये है, पर उसकी सब्सिडियरी कंपनियों पर कर्ज का अंबार लगा है। यह बिल्कुल वैसे है जैसे किसी संयुक्त परिवार के मुखिया ने अपने पुत्र के नाम से दुकान बनाई। पिता ने स्वयं बैंक से कर्ज नहीं लिए, लेकिन पुत्र के नाम से भारी कर्ज उठा लिए। इसी प्रकार इस कंपनी के मुखिया ने अपनी मूल कंपनी के लिए तो उतने कर्ज नहीं लिए, लेकिन सब्सिडियरी कंपनियों के नाम पर 71,600 करोड़ रुपये का भारी-भरकम कर्ज ले लिया। बैंकों से ली गई रकम को ये सब्सिडियरी कंपनियां अपनी मूल कंपनी को ठेकों के माध्यम से स्थानांतरित कर देती हैं। जैसे पुत्र ने बैंक से कर्ज लिए और उस रकम को अपने पिता को ठेके के माध्यम से हस्तांतरित कर दिया। कर्ज तो पुत्र के नाम रह गया, जबकि पिता को भारी लाभ हुआ। इसी तर्ज पर इस कंपनी की सब्सिडियरी द्वारा बैंकों से 3,493 करोड़ रुपये का कर्ज लिया गया और इसमें 3,067 करोड़ रुपये अपनी मूल कंपनी को स्थानांतरित कर दिए। सब्सिडियरी को खाली सब्सिडियरी के खाले में रह गया, पर मूल कंपनी की परिसंपत्तियां बढ़ गईं। ऐसी ही एक सब्सिडियरी कंपनी उत्तराखंड में जल विद्युत परियोजना विकसित कर रही है। उसने

# विजयादशमी का विजय-पाठ

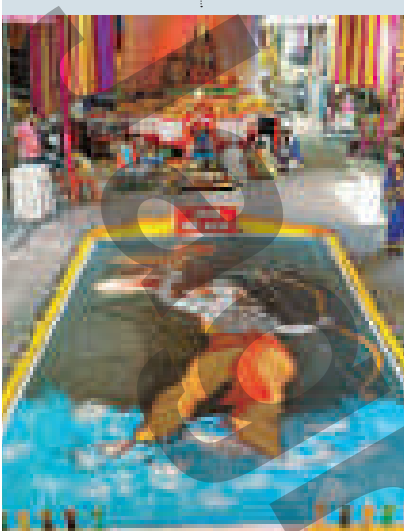
विजयादशमी शक्ति का उत्सव है। मंगल का हेतु है। सवाल किया जा सकता है कि कैसी शक्ति? जवाब यही होगा कि जो अन्याय

का प्रतिरोध करे, जो निर्बल को संबल दे और जो करुणा को समन्वित कर पुरुषार्थ को आधार बनाए, उसकी शक्ति। दरअसल हर किसी के जीवन में एक समय वनावस आता है। उसमें स्वयं को बचाए रखकर जब कोई साहसपूर्वक भूमिका की ओर अग्रसर रहता है वही विजयादशमी है। विजयादशमी से पूर्व नौ दिवसीय उपवास की शक्ति का प्रयोजन होता है। उपवास यानी निकट रहना। यह निकटता वास्तव में अपने से होनी चाहिए। जो अपने से निकट नहीं, वह किसी के निकट नहीं हो सकता। अपने से निकट होकर किसी और के निकट होना श्रेयस्कर है। समकालीन दुनिया में आदमी अपने को खोता जा रहा है। सब कुछ पाने के बावजूद स्वयं को भूलता जा रहा है। यह खुद के प्रति प्रतिकूलता है। पद, प्रतिष्ठा, रतबा, संपर्क आदि तब तक द्वितीयक हैं जब तक स्वयं यानी निजता की आभा न हो। निजता की शक्ति से हीन व्यक्ति शक्तिशाली नहीं हो सकता, विजयादशमी यही इंगित करती है। राम आत्मिक शांति, गंभीरता के चरम क्षणों के किरल संगीत है। सीता और राम सिर्फ हमारी परंपरा की गति नहीं, यति भी हैं, छंद भी हैं जो सदियों से हमारी अभिव्यक्ति बने हुए हैं।

हर किसी में अच्छाई-बुराई होती है। इनका अनुपात अलग-अलग हो सकता है। भारत के सामान्य व्यक्ति की प्रश्नाकुलता के स्वर विजयादशमी में हैं जो हमारी धमनी और शिराओं में वास करते हैं। हमारी संकल्प-भावना के मूर्तिमंत रूप विजयादशमी में हैं। जब अन्याय हो तो उससे संघर्ष करने का भाव विजयादशमी में मिलता है। सामान्य को इकट्ठा करके संघर्ष करने की कला राम के पास है। सत्ता से दूर रहकर भी मैत्री-कला कोई उनसे सीखे। मैत्री का निर्वाह करना भी वह भलीभांति जानते हैं। वह लंका पर राज नहीं करते। विस्तारवादी नीति के नियामक नहीं हैं। उनके विपरीत रावण एक ऐसा प्रतिनायक है, जो विद्वान है और प्रकृति को वश में रखता है। रावण से सीखने के लिए लक्ष्मण रावण की मृत्यु की घड़ी में सादर उसके पास जाते हैं। रावण विराट शक्ति और प्रतिभा का धनी था। उसकी शक्ति और प्रतिभा यदि रज्ज के आकार में न खपती और मन विस्तार लिए होता तो शायद राम-रावण संघर्ष की दिशा कुछ और होती। खैर राम-रावण का एक अपराजेय समर आज भी जारी



परिचय दास



है। हमारे भीतर के प्रकाश और अंधकार का संघर्ष कभी खत्म हो नहीं होता। जैसे अंधकार में भी विशिष्ट क्षमताएं होती हैं वैसे ही रावण में भी बेहतरी कई बार देख सकते हैं। भारतीय मन किसी में केवल नकारात्मकता ही नहीं देखता, वह सकारात्मकता भी खोजता है या कहें कि खोज लेता है। शंबूक और सीता-निष्कासन के प्रसंग को भी लोक-समाज अपने नजरिये से देखता है।

महत्व यदि सत्ता, संपत्ति, कुत्रिम लोकप्रियता, धाक आदि के सहारे प्राप्त हुआ तो उसके कम हो जाने की संभावना अत्यधिक होती है। इसके उलट यदि अच्छाई मूल गुण-संपत्ति से बनी एवं बुनी हुई हो तो उसमें धुंधलापन आने की अधिक आशंका नहीं होती। राम का जो अर्जित गुण है, उसे मौलिक सुजनशीलता कह सकते हैं। आधुनिकतावाद ने औद्योगिक विकास, बुद्धिवाद एवं

विज्ञान के वर्चस्व को प्रगति एवं सभ्यता के साथ जोड़ दिया था, जबकि उत्तर आधुनिकतावाद ने संस्कृति को एक के बजाय अनेक और केंद्रित के बजाय विकेंद्रित करार दिया। अभी देखें तो नए सिरे से अब संस्कृति विमर्श का मुद्दा बन रही है, जिसमें जड़ों की तलाश, अतीत एवं परंपरा के नए अवगाहन महत्वपूर्ण बनने जा रहे हैं। राम को भी नए सिरे से आविष्कृत करने के लिए उनको गहराई से समझना होगा जो 'अन्य' के रूप में रहे हैं और कई बार साहित्य एवं इतिहास से बाहर के माने जाते रहे हैं, जैसे-दस्यु, राक्षस एवं आदिजन। उनके साथ ही सीता, उर्मिला, मांडवी आदि को भी नए सिरे से देखना होगा। इतनी सारी अर्थ छवियों, दृष्टियों की संकुलता एवं बहुवचनात्मकता से सुसज्जित कथा हजारों साल से लोक-व्यवहार, आचार, स्मृति में रंगमयी झिलमिलाहट से भारतीय समाज को रचती रही है। इसके अंदर ऐसी निरंतरता है जो जीवन का उत्सव बन जाए।

भारतीय संस्कृति में हमेशा से एक मध्यम या संतुलित सोच की मान्यता रही है। यहां अतिवाद को स्थान नहीं है। इसीलिए प्रतिपदा से दशमी तक के लिए ऐसी ऋतु चर्यात है, जहां न शीत है न ग्रीष्म। जहां आंतरिक और बाहरी स्वच्छता पर बल है। यह शमकथा एक नहीं, सैकड़ों रूपों में है। रामायण में केवल एक पाठ नहीं, बल्कि सैकड़ों पाठ हैं। एक पाठ राम का तो अन्य पाठ सीता का। एक पाठ लक्ष्मण का तो अन्य पाठ उर्मिला का। राम, लक्ष्मण, भरत के अंतरसंबंध भी एक भिन्न कोटि का पाठ बनाते हैं।

रामायण, रामचरितमानस, अध्यात्म रामायण, साकेत, रामचंद्रिका, आनंद रामायण, बौद्ध रामायण आदि अनेक रामायण हैं। इन सभी में अलग-अलग दृष्टियां हैं। दृष्टियों की बहुलता वाली ऐसी विजयादशमी का विजय-पाठ अंततः यदि सामान्य व्यक्ति की प्रेरक स्मृति की सुगंध से नहीं जुड़ा होता तो वह अर्थमय नहीं होता और हमारे भीतर-बाहर के चौक-चौबारे में मेला न बन जाता। एक ऐसा मेला, जहां हम स्वयं से मिलते हैं और लोक से भी। नाटक से मिलते हैं और प्रतिनायक से भी। समय से मिलते हैं और भविष्य से भी। काव्य से मिलते हैं और महाकाव्य से भी। अंत से मिलते हैं और अर्न्त से भी। भाषा से मिलते हैं और भाषा से परे भी। हद से मिलते हैं और बेहद से भी।

(लेखक साहित्यकार हैं) response@jagran.com



अवधेश राजपूत

परियोजना निर्माण के सभी अनुबंध अपनी मूल में कुल 18 हजार यूनिट बिजली खपत की जा रही है जबकि मूल कंपनी इससे 80 गुना यानी 14 लाख यूनिट बिजली उपभोग कर रही है। स्पष्ट है कि मूल कंपनी ही मुख्य रूप से इस परियोजना को विकसित कर रही है और सब्सिडियरी का है। यह कुछ वैसी बात हुई जैसे पिता ने स्वयं दुकान लगाई, लेकिन कागजों में दुकान बेटे के नाम कर दी। सब्सिडियरी के माध्यम से परियोजना को विकसित करने का उद्देश्य यह है कि उसमें हो रहे घाटे को छुपाया जा सके। जैसे दुकान घाटा उसे नहीं, बल्कि बेटे को हुआ है। इस जल विद्युत परियोजना की वास्तविक लागत 535 करोड़ रुपये है, लेकिन वर्तमान में यह लागत 2,000 करोड़ तक पहुंच गई है। परियोजना घाटे में आ रही है। ऐसा प्रतीत होता है कि कुछ रकम नंबर 2 में निकाल ली गई है, लेकिन इस घाटे को सब्सिडियरी के खाले में छिपा दिया गया। जैसे संयुक्त परिवार द्वारा

के पीछे का यह खेल ज्यादा दिनों तक छिप नहीं पाया। अंततः इन्हीं घाटों के बोझ तले कंपनी डूब गई। आइएलएंडएफएस की तरह ऐसी तमाम मूल कंपनियों का यह खेल समाप्त होगा और उस समय देश के वे तमाम बैंक एक बड़े संकट में आ जाएंगे जिन्होंने सब्सिडियरियों को भारी मात्रा में कर्ज दे रखे हैं। बैंकों की गलती यह होती है कि वे सब्सिडियरियों को कर्ज देते समय उनकी स्वयं की पूंजी का मूल्यांकन नहीं करते। मूल कंपनी को हो रहे आकर्षण लाभ और उसकी पुरानी विश्वसनीयता पर भरोसा करके बैंक सब्सिडियरियों को लगता कर्ज देते जाते हैं। यही प्रक्रिया बैंकों ने आइएलएंडएफएस के साथ अपनाई थी। यदि बेटे की दुकान पर निरंतर कर्ज चढ़ता जाए और बैंक उसके पिता की विश्वसनीयता के आधार पर कर्ज देते जाएं तो कहानी ज्यादा दिन नहीं चल सकती। देश में ऐसी तमाम कंपनियां हैं जिन पर केंद्र सरकार को ध्यान देना चाहिए जिससे आइएलएंडएफएस जैसा संकट दोबारा दस्तक न दे।

सरकार को चाहिए कि उन कंपनियों को चिन्हित करे जो खुद तो मुनाफा कमा रही हैं, लेकिन उनकी सब्सिडियरी भारी घाटे में हैं। ऐसी कंपनियों की तत्काल गहन जांच करनी चाहिए। देश की बैंकिंग व्यवस्था को ऐसी बड़ी कंपनियों के कर्ज दिए जाने पर भी निंत्रण करना होगा, परंतु यह नियंत्रण तुलना में आसान है। अनियमित कर्ज देने की गड़बड़ी दिख जाती है, जबकि सब्सिडियरियों का चक्रव्यूह आसानी से नहीं दिखता। इसे सुलझाना होगा।

(लेखक वरिष्ठ अर्थशास्त्री एवं आइआइएम बेंगलूर के पूर्व प्रोफेसर हैं) response@jagran.com



सभी जीवों में सिर्फ मनुष्य के पास यह विकल्प है कि वह चाहे तो देवता बन जाए या दैत्य। जब कोई सकारात्मक और अच्छे काम करना शुरू कर देता है तो उसे ही लोग देवता स्वरूप मानने लगते हैं, जबकि नकारात्मक तथा बुरे काम करने पर उसकी तुलना राक्षस से होने लगती है। सकारात्मक काम करने पर मनुष्य का आत्मबल बढ़ता है और वह हर वक्त निर्भय रहता है, जबकि बुरे कामों में उसका आत्मबल क्षीण होता है, हर वक्त डरा-डरा सा रहता है तथा आंख मिलकर बात करने की उसकी हिम्मत प्रायः लोगों से नहीं हो पाती है तथा वह अपनी ऊर्जा खो बैठता है।

त्रैतायुग में महावंशपुराणेत्तर श्रीराम का जब जन्म हुआ तो माता कोशल्या ने उनके देवता स्वरूप को पहचान लिया। चतुर्भुजी श्रीराम का दर्शन कर वह प्रसन्न हुई और उनसे मनुष्य बनकर देवता स्वरूप काम करने के लिए कहा। उनकी इच्छाओं को देखकर श्रीराम पुनः बाल स्वरूप में आ गए, ताकि अपनी कुशलता बढ़ाकर देवता बनने की प्रेरणा मिल सके। दूसरी तरफ रावण महाविद्वान तथा भगवान शंकर का आशीर्वाद पाकर भी नकारात्मक काम के चलते राक्षस बन गया तथा आतंकवाद को जन्म देने लगा, जिसके चलते उसकी विद्वता क्षीण होने लगी। जब वह माता सीता का अपहरण करने चला तो डरा हुआ था। उसका आत्मबल लुप्त हो गया था, जबकि वही रावण चलता था तो पृथ्वी कांपने लगती थी। साफ है कि कोई कितना भी ताकतवर हो जब गलत काम करता है तो छुपकर करता है। दूसरी तरफ अपनी विनम्रता, सौम्यता, पीड़ितों की मदद करने वाली भावना, रूपांतर, पौरुषात्मक कहलाए। शक्तिशाली, सर्वसाधन सुलभ एवं भौतिकता से समृद्ध रावण को अशक्त कोल, भील तथा सामान्यजन के बल पर पराजित करने में सफल हुए। इस प्रसंग से स्पष्ट होता है कि मनुष्य के रूप में जन्म लेने के बाद कोई भी चाहे तो वह राम की तरह पूजनीय बने या रावण की तरह दुर्गांत को प्राप्त हो, यह स्वयं उस व्यक्ति के हाथों में होता है।

सलिल पांडेय

पर्यावरण के साथ धोखा

आज जब पूरा विश्व पर्यावरण को बचाने के लिए आगे आ रहा है तो भारत में इसके उलट देखने को मिल रहा है। मुंबई में आरे का जंगल को नष्ट करने का काम तेजी से बकबूबी चल रहा है। विकास की अंधी दौड़ में हम कहीं खो से गए हैं, वहीं पर्यावरण के साथ अंधाधुन रूप से अग्रसर जा रहे हैं। एक तरफ सरकार बोलती है पेड़ लगाओ और दूसरी तरफ खुद पेड़ों को काटने का काम कर रही है। यह कैसा विकास किया जा रहा है? यह तो सरसर पर्यावरण के साथ धोखा है। आश्चर्य, राम लाल अहलवाल, दिल्ली विवि

वृक्षों का काटा जाना अनुचित

इसे दुर्भाग्यपूर्ण संयोग ही कहा जाएगा कि 4 अक्टूबर को कौन बनेगा करोड़पति में राजस्थान के जोधपुर के गांव खेजड़ली में 300 वर्ष पूर्व वृक्षों को काटने से बचाने के लिए अमृता देवी ने अपनी तीन बेटियों के साथ जान तुक दे दी थी, इनके ऊपर राशन पूछा गया था। इसी दिन मुंबई के आरे के जंगलों में रातों-रातों हजारों पेड़ काटा दिया गए। hemahariupadhyay@gmail.com

इस संतंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें : दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण, डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा ई-मेल- mailbox@jagran.com











# ‘ नए ’ जम्मू –कश्मीर में विजयादशमी पर दिखेगा ‘ अभूतपूर्व ’ जोश

**जागरण विशेष** ▶ दशहरे को यादगार बनाने की तैयारी, जगह–जगह हो रहे आयोजन, सीमा पार से हालात बिगाड़ने को जारी तमाम साजिशों को ठेंगा दिखा रहा है लोगों का उत्साह



अश्विनी शर्मा, जम्मू

अनुच्छेद 370 से मुक्ति मिलने के बाद जम्मू-कश्मीर में पहले शारदीय नवरात्र और मंगलवार को विजयादशमी पर्व को लेकर लोगों में खासा जोश है। जगह-जगह पर विजयादशमी को यादगार बनाने की तैयारी है। सीमा पार से हालात बिगाड़ने की तमाम कोशिशों और साजिशों को ठेंगा दिखा रहा है यह उत्साह।

जम्मू-कश्मीर में अब हर त्योहार नए जोश और नए उत्साह की बानगी दे रहा है। पाकिस्तान द्वारा घुसपैठ और माहौल खराब करने-साजिशों की परवाह किए बिना जम्मू संभाग में जगह-जगह नवरात्र उत्सव, रामलीलाओं के मंचन, विश्व प्रसिद्ध तीर्थस्थल माता वैष्णो देवी में लाखों श्रद्धालुओं का दर्शन के लिए पहुंचना इसका प्रमाण है। बीते नौ दिनों में सबसे अधिक धूमधाम आधार शिविर कटड़ा में रही। नवरात्र महोत्सव में देशभर से श्रद्धालु जुटे और सैकड़ों कलाकारों ने धार्मिक-सामाजिक और देशभक्ति से भरी रंगारंग प्रस्तुतियां दीं।

कश्मीर के गांदरबल में माता क्षीर भवानी में नौ दिन तक नवरात्र पर उत्सव चलता रहा। कश्मीरी पंडितों ने मंदिरों में पूजा-अर्चना की। कश्मीर में सैलानियों का पहुंचना जारी है। काफी संख्या में लोगों की भीड़ शंकराचार्य मंदिर में रही। बड़ी संख्या में स्थानीय कश्मीरी पंडित गांदरबल में क्षीर भवानी मंदिर पहुंचे। शहर के नागरिक व पूर्व नौकरशाह देवेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस बार नवरात्र उत्सव पर यहां रामलीला ने देश को कई मशहूर कलाकार दिए हैं। इनमें केएल सहगल, ओम प्रकाश

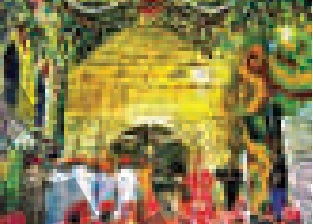


जम्मू के बावे वाली माता के मंदिर में पूजा- अर्चना करते श्रद्धालु।

इसके अलावा, जम्मू शहर में स्थित क्षीर भवानी मंदिर में भी कश्मीरी पंडितों ने विशेष पूजा की। माता राघेन्य से उन्होंने अपनी जल्द कश्मीर वापसी और परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। जम्मू संभाग में कई धार्मिक यात्राएं निकलीं। इनमें जम्मू के ऊधमपुर में रामनगर में पिंगला माता की यात्रा खास रही, जो शहीद जवानों को समर्पित होती है। इसमें तो लोगों का जोश देखते बना।

माता वैष्णो देवी, बावे वाली माता, सुकराला माता, चीची माता, माता राघेन्य आदि कई धार्मिक स्थलों में नौ दिन तक नवरात्र उत्सव पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। माता वैष्णो देवी में इस बार करीब चार लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। बावे वाली माता के मंदिर में दुर्गा अष्टमी पर पहुंचे भक्त राजेश कुमार ने कहा, मैंने मां से जम्मू-कश्मीर में आमन की प्रार्थना की है। अन्य श्रद्धालुओं ने भी उम्मीद जताई कि अब कश्मीर के साथ ही जम्मू में भी विकास की बहार बहेगी।

विभिन्न रामलीलाओं में भी लोगों की भीड़ जुटी रही। जम्मू के अलावा बसोहली, रियासी की रामलीलाएं मशहूर हैं। जम्मू की रामलीला ने देश को कई मशहूर कलाकार दिए हैं। इनमें केएल सहगल, ओम प्रकाश



माता वैष्णो देवी की प्राचीन गुफा के आगे दिखा आरती में तीन श्रद्धालु।

जैसे दिग्गज शामिल हैं। अब विजयादशमी के लिए जम्मू में खासी तैयारियां हैं। जम्मू की परेड में खास आयोजन होगा। यहां मेरठ के कलाकार ही पुतले बनाते हैं। कटड़ा में पर्यटन विभाग के सहयोग से स्थानीय कमेटी ने नवरात्र कार्यक्रमों का आयोजन किया। इसमें भेंट प्रतियोगिता, महदंगल के अलावा रामलीला के अलावा शाम की निकाली जानी वाली झांकियां आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। इस बार सभी कार्यक्रमों में स्थानीय ही नहीं, देशभर के श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी।

जागरण विशेष की अन्य खबरें पढ़ें  
www.jagran.com/topics/jagran-special



वृजेश शुक्ला, जबलपुर

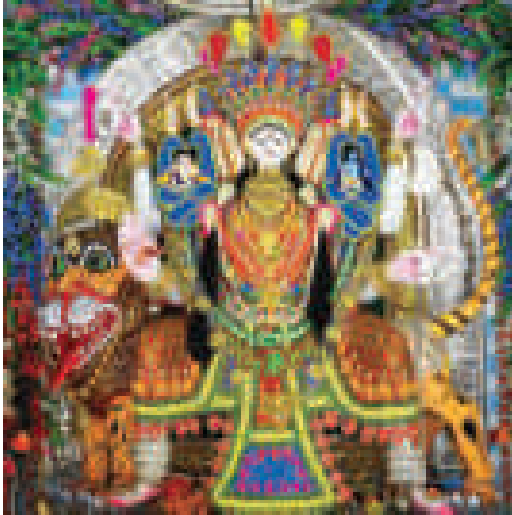
मध्य प्रदेश के जबलपुर का ऐतिहासिक दशहरा देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। दूर-दूर से लोग यहां जुटते हैं। सैकड़ों पंडाल और मंदिरों की आभा देखते बनती है। रोशनी से नहती गलियों और सड़कों पर रातभर दर्शनार्थियों का मेला, चप्पा-चप्पा चमकता है और शहर मानो जीवंत हो उठता है। नवरात्र के आखिरी तीन दिनों, विशेषकर दशहरे के दिन दुर्गोत्सव का उत्साह चरम पर पहुंच जाता है। श्रद्धा, आस्था और उत्सव के चटख रंग अमिर छाप छोड़ते हैं।

जबलपुर की सभ्यता, संस्कृति और विरासत के कारण इसे संस्कारधानी के नाम से भी जाना जाता है। मध्य प्रदेश में नर्मदा के किनारे और संगमरमर के पहाड़ों से घिरे इस शहर में ऐसी कई बातें हैं, जो इसे पहचान देती हैं। उत्सव और त्योहारों को मनाने का इस शहर का तरीका भी इसे खास पहचान देता है। छोट-बड़ा हर त्योहार यहां पूरे उत्साह और अनूठी भव्यता से मनाया जाता है। मानो पूरा शहर साथ धनधान्य से संपन्न, सुखी और समृद्ध थी। गली-मुहल्लों और बाजारों तक, उत्सव का यह उत्साह हर ओर दिखाई देता है। करीब 2000 दुर्गाोत्सव समितियों में एक-दूसरे से आगे निकलने की होड़ भी इस उत्साह को बढ़ाने का काम करती है। हर वर्ष अलग-अलग थीम पर पंडाल सजाए जाते हैं। पंडालों का गढ़ने का काम नवरात्र के आगमन से करीब 20-25 दिन पहले से शुरू हो जाता है। दूर-दूर से कारीगर बुलाए जाते हैं। पंडालों पर लाखों रुपये खर्च होते हैं, लेकिन इनकी चमक-धमक और शोभा श्रद्धालुओं को मोहित कर देती है। इसके अलावा नवरात्र भर मंदिरों, गली-मुहल्लों और

देश-दुनिया में प्रसिद्ध है ‘संस्कारधानी’ जबलपुर का ऐतिहासिक दशहरा, दूर-दूर से जुटते हैं लोग

सैकड़ों मंदिर, 2000 से अधिक पंडाल

रातभर दर्शनार्थियों का मेला, चप्पा-चप्पा चमकता है, जीवंत हो उठता है शहर



मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थापित मां दुर्गा की भव्य प्रतिमा।

नईदुनिया

पंडालों में भंडारों का आयोजन चलता रहता है।

इतिहासकारों के अनुसार, कलचुरी युग (नौवीं सदी) से जबलपुर में दशहरा उत्सव मनाया जा रहा है। गोंडकाल में देवी पूजा की परंपरा और समृद्ध हुई। गोंडवाना साम्राज्ञी वीरंगना रानी दुर्गावती के काल में यहां प्रजा मिलकर उत्सव मना रहा हो। घघों से लेकर देवीभक्त यानी दुर्गावती इसे कुलदेवी माला की कृपा मानती थीं। मालादेवी की वह प्रतिमा आज भी गढ़वा पुरवा स्थित मंदिर में विराजमान है। बाद में बंगाली समुदाय ने शहर में मूर्ति स्थापना की परंपरा शुरू की। पहली मूर्ति की स्थापना 1872 में बृजेश्वर दत्त ने की थी। बाद में बंगाली समुदाय ने बंगाली क्लब में स्थाई पंडाल में मूर्ति को स्थापित करना शुरू कर दिया।

2016 में जबलपुर के नवरात्रोत्सव पर एक सर्वे भी सामने आया, जिसके अनुसार, शहर में अलग-अलग पंडालों में 2000 से अधिक दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। इनमें से बहुत से

पंडालों को किसी न किसी सामाजिक संदेश की थीम पर सजाया जाता है।

दरअसल, यह मंदिरों का शहर है। अनेक प्राचीन मंदिर यहां मौजूद हैं। इनमें देवी मंदिरों की संख्या अधिक है। खेरमाई, बूढ़ी खेरमाई मंदिर, बीजालस माता मंदिर, पांडवकालीन त्रिपुरसुंदरी मंदिर, हरदौल मंदिर, छोटी देवन, बड़ी देवन, बेरला दुर्गा मंदिर...। इसी तरह रामलीलाओं का भी यहां खासा महत्व है। सैकड़ों रामलीला समितियां धूमधाम से मंचन करती हैं। गरबा और डांडिया का आयोजन भी बड़े पैमाने पर होता है।

शहर में सबसे पुरानी समिति सराफा क्षेत्र की मां सुनरहाई और मां नुनहाई है। सुनरहाई समिति 154 वर्षों से बुंदेलखंडी स्वरूप में मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित कर रही है, जो चल समारोह में सबसे आगे रहती है। इसके बाद मां नुनहाई अलग-अलग पंडालों में 2000 से अधिक दुर्गा प्रतिमाएं स्थापित की जाती हैं। इनमें से बहुत से

खास बात यह है दोनों समितियों द्वारा मातारानी का श्रृंगार सोने-चांदी के जेवरों से किया जाता है, जिसकी कीमत लगभग पांच करोड़ रुपये के आसपास है। इसके अलावा शहर में गढ़वाफटक की महाकाली के दर्शन करने के लिए लोग दूर-दूर से पहुंचते हैं।

दशहरे पर शाम से लेकर भोर तक चल समारोह आयोजित होता है। पूरे शहर में भव्य तरीके से ऐसे नौ बड़े चल समारोह निकलते हैं, जिसमें दुर्गा प्रतिमाओं को क्रमवार झांकियों के रूप में रख शोभायात्रा निकाली जाती है। हर झांकी अलग-अलग थीम पर केंद्रित होती है। सुंदर साजसज्जा और बंड की मधुर धुनों के बीच श्रद्धालु गाते-नाचते हुए चलते हैं। दूर-दूर से पहुंचे लोग जुलूस देखने के लिए सड़कों के दोनों किनारों पर एकत्र हो जाते हैं। रातभर यह चहल-पहल रहती है। जगह-जगह चाय-पान और फलाहार के स्टॉल भी लगते हैं। पूरी रात उत्सव चलता है और करीब-करीब भोर होते तक लोग घघों को लौटते हैं। मूर्तियों को विसर्जन के लिए बनाए गए विशेष जलकुंडों तक ले जाना का क्रम दूसरे दिन तक चलता रहता है।

पंजाबी समुदाय द्वारा मनाया जाने वाला पंजाबी दशहरा भी आकर्षक आतिशबाजी के लिए मशहूर है। बीते 68 साल से जबलपुर में पंजाबी दशहरा जोरशोर से मनाया जाता रहा है। इसे एक दिन पहले मनाया जाता है ताकि मुख्य आयोजन की तैयारियां बाधित न हों।

चल समारोह के 155 साल : शहर में दशहरा चल समारोह इस बार 155वां वर्ष है। सबसे पहले श्री गोविंदगंज रामलीला मिलीनौगंज द्वारा सन 1865 में मंचन की शुरुआत की गई थी। तब बिजली नहीं थी और मशाल के उजाले में मंचन किया जाता था। अंग्रेजी हुकूमत की बर्दशों के कारण बीच में चार साल तक मंचन नहीं हो पाया, लेकिन उसके बाद से कभी मंचन रुकना नहीं और जगह में शहरा चल समारोह की परंपरा कायम रही।

## माता हिडिंबा कुल्लू दशहरा उत्सव को रवाना, जगह–जगह हुआ स्वागत

जागरण संवाददाता, मनाली

कुल्लू राज परिवार की दादी एवं घाटी की आराध्यदेवी माता हिडिंबा सोमवार सुबह सैकड़ों कारकुनों व देवलुओं के साथ अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव भाग लेने के लिए रवाना हो गईं। देव समागम एवं अधर्म पर धर्म की विजय का प्रतीक कुल्लू दशहरा माता हिडिंबा के कुल्लू पहुंचने के बाद ही शुरू होगा।

सोमवार सुबह माता का प्रांगण देव वाद्य यंत्रों से गुंज उठा। देव विधि पूरी होने के बाद सुबह आठ बजे माता ने देवलुओं संग प्रस्थान किया। ढुंगरी से पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह के प्रांगण तक माता का जगह-जगह स्वागत किया गया। शाम को माता अपने कारकुनों संग रामशिला स्थित हनुमान मंदिर में रुकीं। रात्रि ठहराव रामशिला के हनुमान मंदिर में करने के बाद सुबह विशेष पूजा होगी। भगवान रघुनाथ

की छड़ी माता हिडिंबा को लेने रामशिला जाएगी। निमंत्रण प्राप्त करने के बाद माता हिडिंबा की पालकी सुल्तानपुर स्थित रूपी पैलेंस में प्रवेश करेगी।

सदियों पुरानी परंपरा निभा रहे राज घराने के लोग : माता हिडिंबा को छोड़कर घाटी के सभी देवी-देवताओं का राज दरबार रूपी पैलेंस में खग्त होता है। घाटी के सैकड़ों देवी-देवताओं में मात्र माता हिडिंबा की पालकी ही राजा के

पैलेंस में प्राचीन स्थान पर विश्राम करती है। माता के रूपी पैलेंस पहुंचते ही राज दरबार के लोग अपने ही घर मे छुप जाते हैं। इस मान्यता पर प्रकाश डालते हुए भगवान रघुनाथ के मुख्य सेवक महेश्वर सिंह ने बताया कि माता हिडिंबा के कारण ही वो यहां हैं। माता के यहां पहुंचते ही वह एक कोने में छुप जाते हैं। माता अपने प्राचीन कमरे में पहुंचकर हथें अंदर बुलाती हैं और पुरानन बचन पर कायम रहने की बात कर

## अब तक का सबसे गर्म सितंबर

जेएनएन, नई दिल्ली

यूरोपियन यूनियन के संगठन कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस ने यह दावा किया है कि इस वर्ष सितंबर माह में जितनी गर्मी पड़ी उतनी गर्मी इस महीने में कभी रिकॉर्ड नहीं की गई। यह संगठन वैश्विक तापमान पर नजर रखता है। रिपोर्ट में बताया गया कि सितंबर से पहले जून, जुलाई भी सबसे ज्यादा गर्म महीने के तौर पर दर्ज हो चुके हैं। हालांकि, अगस्त इस मामले में थोड़ा पीछे है। 2016 के अगस्त माह से इस साल का अगस्त ठंडा रहा है। वर्ष 2016 को अब तक के सबसे ज्यादा गर्म साल के तौर पर दर्ज किया गया है।

हवा, समुद्र और जमीन से जुटाए गए कोपरनिकस के डाटा के आधार पर 2019 का सितंबर औसत तापमान (1981-2010) से 0.57 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहा। साथ ही यह माह 2016 के सितंबर से 0.02 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहा है। 1981-2010 के समय को औसत सामान्य जलवायु तापमान कहा जाता है। यह तीन दशकों के तापमान का औसत होता है। इसका निर्धारण प्रत्येक दस साल में किया जाता है।

एक नजर फिख्ते 12 महीनों पर : कोपरनिकस क्लाइमेट चेंज सर्विस की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक स्तर पर देखें तो अक्टूबर 2018 से लेकर सितंबर 2019 तक के 12 महीने औसत तापमान (1981-2010) से 0.55 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहे हैं। अभी तक अक्टूबर से लेकर सितंबर

### जून, जुलाई और अगस्त की स्थिति

0.54 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहा है इस वर्ष का जून माह औसत तापमान (1981-2010) से। यह अब तक सबसे गर्म जून रहा है। 2016 के जून से यह 0.11 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहा है।

0.56 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहा है 2019 का जुलाई माह औसत तापमान (1981-2010) से। इस माह का पारा 2016 के जुलाई माह से भी 0.04 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रिकॉर्ड किया गया।

0.53 डिग्री सेल्सियस ज्यादा गर्म रहा है इस वर्ष का अगस्त माह औसत जलवायु तापमान (1981-2010) से। हालांकि, यह 2016 का अगस्त माह से 0.04 डिग्री सेल्सियस कम गर्म रहा।

तक का यह समयकाल सबसे ज्यादा गर्म (औसत तापमान से 0.66 डिग्री सेल्सियस ज्यादा) 2016 में रहा था। अब तक के रिकॉर्ड में 2016 सबसे ज्यादा गर्म साल (औसत तापमान से 0.63 डिग्री सेल्सियस ज्यादा) के तौर पर दर्ज किया गया है। इसके बाद 2017 ( औसत तापमान से 0.54 डिग्री सेल्सियस ज्यादा) और 2018 ( औसत तापमान से 0.46 डिग्री सेल्सियस ज्यादा) आते हैं।

# ‘ जुंबा ’ से खुद का वजन कम कर रंजोत बनीं ट्रेनर



रंजोत कौर

जागरण

नितिन शर्मा, यमुनानगर

हरियाणा के यमुनानगर जिले के फर्कपुर की रंजोत कौर को जुंबा तकनीक में महारथ हासिल है। फिटनेस डांस से खुद का वजन 12 किलोग्राम कम किया और फिर अन्य लोगों की भी इसके जरिये मदद की। इनके पास ऐसे कई तरीके हैं, जिनका अभ्यास करने से स्वास्थ्य सही रहता है। रंजोत जिले की पहली युवती हैं, जिनके पास जुंबा का अंतरराष्ट्रीय लाइसेंस है।

रंजोत ने खुद का वजन कम करने के बाद लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का बीड़ा उठाया। इसके लिए उन्होंने एक फिटनेस क्लब खोला, जिसमें रोजाना चार से पांच बैसे में लोग उनके पास आते हैं। इनमें से कई ऐसे भी होते हैं, जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होती, लेकिन वे भी यहां से निराश नहीं लौटते। रंजोत उन्हें बिना किसी शुल्क के सलाह और फिट रहने के लिए मार्गदर्शन देती हैं।

वयसन से थी नुब्स में रुचि : रंजोत कौर बताती हैं कि बचपन से उनकी डांस में रुचि थी। उन्होंने पढ़ाई भी इसको ध्यान में रखकर की। कथक में

हरियाणा के यमुनानगर की पहली महिला जिनके पास है जुंबा का अंतरराष्ट्रीय लाइसेंस, फिटनेस की दे रहीं सीख

#### क्या है जुंबा

जुंबा डांस एरोबिक्स कैटेगरी में आता है। इस डांस को करते वक़्त ख़ुब कूदना होता है, जिससे आपके फ़ैफ़ड़े जोर-जोर चलने लगते हैं। इसे नियमित रूप से करने से हृदय संबंधी बीमारियों के आलावा थायराइड आदि बीमारियों के ख़तरे को भी कम किया जा सकता है।

पीएचडी करना चाहती थीं, लेकिन जब 12वीं कक्षा में थीं तब पिता का देहांत हो गया। इसके बाद डांस छोड़ना पड़ा। एक अलग राह पकड़ते हुए बीएससी आइटी की। तीन साल ऐसे ही गुजर गए। इसके बाद रिरता हो गया। जिस परिवार के साथ नाता जुड़ा, उनकी प्रेरणा से दोबारा डांस शुरू किया। दो माह लगातार अभ्यास किया। दिल में कुछ करने का जन्मा था। समाज में पहचान

बनानी थी। इन दो माह में 12 किलो वजन कम किया। वह कहती हैं, ‘यह इतना आसान नहीं था। इस दौरान स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं ने घेर लिया, लेकिन हिम्मत नहीं हारी। हर समय यही सोच थी कि कुछ अलग करना है। ऐसा जो जिले के लोगों लिए मिशाल बन सके।’

इस तरह मिला लाइसेंस : रंजोत बताती हैं कि इसके बाद उन्होंने खुद का फिटनेस क्लब बनाने की सोची, लेकिन वह ऐसे ही कोई भी क्लब नहीं खोलना चाहती थीं। इसके लिए लाइसेंस लेना चाहती थी। उससे लिए प्रयास किए। बी वन में अलग-अलग फिटनेस डांस फोन को क्लीयर किया। इस तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर का लाइसेंस मिला। रंजोत भविष्य में खुद को जुंबा एजुकेशनल लीड मास्टर के तौर देखना चाहती हैं।

फिटनेस के कई प्रमाण पत्र किए अपने नाम : इस मुकाम तक पहुंचने के लिए रंजोत ने फिटनेस के कई प्रमाण पत्र अपने नाम किए हैं। वह कहती हैं, ‘फिटनेस कोच बनने के लिए के पास प्रमाण पत्र का होना जरूरी है। इसके बिना हम किसी को भी फिटनेस की जानकारी नहीं दे सकते।’

शिवा अवस्थी, चित्रकूट

प्रभु श्रीराम की तपोभूमि में उनसे जुड़े स्थलों तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं व पर्यटकों की राह अब आसान होगी। जिले की चित्रक सोसाइटी से जुड़े युवाओं की (chitrak.net) वेबसाइट पर मिलने वाला मोबाइल एप इसमें मददगार बनेगा। इसको डाउनलोड करने पर चित्रकूट के धार्मिक, ऐतिहासिक, पौराणिक स्थलों, गेस्ट हाउस, होटलों व धर्मशालाओं की जानकारी एक क्लिक में मिल जाएगी। वेबसाइट को समय-समय पर अपडेट करने का खास भी खींचा गया है। यह सुविधा निशुल्क उपलब्ध होगी।

चित्रकूट में प्रतिदिन 20 से 25 हजार श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं। देश-के आस्थावानों को संख्या महीने में पांच से छह लाख का आंकड़ा पार कर चुका है। यह आंकड़ा दीपावली, श्रावणी व भदई अमावस्या पर 15 से 35 लाख तक का

धार्मिक नगरी चित्रकूट के लिए वेबसाइट व एप बनाना सराहनीय काम है। चित्रक सोसाइटी के युवाओं से मुलाकात कर कोई दिक्कत होगी तो दूर कराएंगे। इससे पर्यटकों व श्रद्धालुओं को काफी आसानी होगी।

–शेषमणि पांडेय, जिलाधिकारी

होता है। जिले में अब तक प्रभु राम से जुड़े स्थलों तक पहुंचाने की जानकारी के लिए कोई गाइड नहीं है। चित्रक वेबसाइट पर दिए फोन नंबरों पर संपर्क करने पर गाइड भी उपलब्ध कराएगी। फिलहाल इसका मामूली शुल्क से निर्धारित करने की तैयारी है ताकि खर्च निकाले जा सके।

ऐसे डाउनलोड कर सकते एप : संस्था के संस्थापक सदस्य अमन अग्रवाल व दुनिया से आस्थावानों को संख्या महीने में पांच से छह लाख का आंकड़ा पार कर चुका है। यह आंकड़ा दीपावली, श्रावणी व भदई अमावस्या पर 15 से 35 लाख तक का

पैलेंस में प्राचीन स्थान पर विश्राम करती है। माता के रूपी पैलेंस पहुंचते ही राज दरबार के लोग अपने ही घर मे छुप जाते हैं। इस मान्यता पर प्रकाश डालते हुए भगवान रघुनाथ के मुख्य सेवक महेश्वर सिंह ने बताया कि माता हिडिंबा के कारण ही वो यहां हैं। माता के यहां पहुंचते ही वह एक कोने में छुप जाते हैं। माता अपने प्राचीन कमरे में पहुंचकर हथें अंदर बुलाती हैं और पुरानन बचन पर कायम रहने की बात कर

जितेंद्र उपाध्याय, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के लखनऊ पॉलीटेक्निक में विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त तकनीकी शिक्षा के साथ ही उन्हें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने की भी पहल शुरू हो गई है। यहां विद्यार्थियों को भूमिगत जल बढ़ाने का पाठ पढ़ाया जा रहा है। जल संचयन के साथ ही सोलर पावर का भी उपयोग किया जा रहा है।

भूमर्ग जल विभाग के सहयोग से लगे वॉटर हार्वैस्टिंग सिस्टम को लगाने की पहल यहीं के पूर्व विद्यार्थी रहे सुभाष यादव ने की है। संस्थान में अपनी तरह के इस इकलौते सिस्टम से सामान्य बारिश से 60 मीटर गहराई में तीन से पांच लाख लीटर पानी भूमि में भेजा जाएगा। 110 मिली व्यास के इस सिस्टम से नाली का पानी न जाए, इसका भी पुख्ता इंतजाम है। बारिश में छपर पर गिरने वाले पानी को बचाकर सूखती धरती की कोख को बचा सकते हैं। इस सिस्टम के बारे में विद्यार्थियों में जागरूकता लाने का प्रयास भी किया जा रहा है।



## आइएलएंडएफएस इंजीनियरिंग ने किया भुगतान पर डिफॉल्ट

**मुंबई** : आइएलएंडएफएस इंजीनियरिंग एंड कंस्ट्रक्शन कंपनी ने प्रेफरेंस शेयर के भुगतान पर डिफॉल्ट किया है। ये शेयर विस्ट्रा आइट्रीसीएल ( इंडिया ) लिमिटेड के नाम से जारी किए गए थे और इसके तहत कंपनी को कुल 39.5 करोड़ रुपये का भुगतान करना था। इसकी परिपक्वता अवधि 30 सितंबर को खत्म हुई थी। बीएसई को दी जानकारी में कंपनी ने कहा कि वर्तमान हालात में वह परिपक्वता अवधि पर प्रेफरेंस शेयर्स के भुगतान में अक्षम है।

बैंक नए निवेशक से पूंजी जुटाने के विशिष्ट चरण में है। यह निवेशक कोई रणनीतिक साझेदार या कोई बड़ा धनकुबेर भी हो सकता है।

— रवनीत सिंह गिल  
सीईओ, यस बैंक



## कारपोरेट हलचल

एनएफएल की रिकॉर्ड बिक्री



नेशनल फर्टिलाइजर्स लिमिटेड ( एनएफएल ) ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ते हुए खरीफ 2019 ( अप्रैल -सितंबर ) सीजन में 27 लाख टन उर्वरकों की बिक्री की है। यह पिछले साल के मुकाबले 25 परसेंट अधिक है। इस अवधि में यूरिया की बिक्री 20 परसेंट और डीएपी की बिक्री 80 परसेंट बढ़ी है। इस दौरान कंपनी ने लगभग 5.73 लाख टन डीएपी, एमओपी, एनपीके, एपीएस एवं वाटर सॉल्यूबल फर्टिलाइजर का आयात किया।

## मिश्रा वने ओआइएल के सीएमडी

सुशील चंद्र मिश्रा ने ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआइएल) के चेयरमैन व प्रबंध निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है। इससे पूर्व वह ओआइएल के एक्जीक्यूटिव निदेशक के तौर पर राजस्थान प्रोजेक्ट का कामकाज संभाल रहे थे। अपस्ट्रीम सेक्टर में मिश्रा को 35 वर्ष का वृहत अनुभव है।



## एनएचवी का वर्ल्ड हेवीटैट डे



वर्ल्ड हेवीटैट डे के मौके पर आवास और शहरी विकास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने नेशनल हाइसिड बैंक ( एनएचबी ) की पत्रिका आवास भारती का स्थोशल इश्यू जारी किया। स्थोशल इश्यू वर्ल्ड हेवीटैट डे की थीम ‘ फ्रंटियर टेक्नोलॉजीज एज एन ओबेक्टिव टूल टू ट्रांसफार्म वेस्ट टू वेल्थ ’ के आधार पर निकाला गया है। इस दिवस के मौके पर एनएचबी ने दो स्कूलों में एक पॉटिंग कंपिटिशन का भी आयोजन किया।

## जनवरी से बीपीसीएल की विनिवेश प्रक्रिया संभव

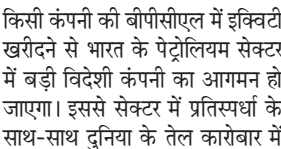
जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली



फाइल फोटो

रणनीतिक विनिवेश के जरिये भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड ( बीपीसीएल ) को वैश्विक कंपनी में तब्दील करने की मंशा के तहत सरकार जनवरी में दुनियाभर की कंपनियों से निविदाएं मंगा सकती है। इस दौरान सरकार कई देशों में गेड शो कर घरेलू पेट्रोलियम सेक्टर में निवेश करने के लिए विदेशी निवेशकों को आकर्षित करने की कोशिश जारी रखेगी। सरकार कंपनी में अपनी समस्त 53.29 इक्विटी हिस्सेदारी बेचना चाहती है।

एक अधिकारी के मुताबिक सरकार मान रही है कि ब्रिटिश पेट्रोलियम, एक्सॉमोबील, शेल जैसी कंपनियां बीपीसीएल में इक्विटी खरीदने में इच्छुक हो सकती हैं। इसे ध्यान में रखते हुए ही सरकार ने दुनिया के उन्हीं हिस्सों में गेड शो करने की योजना बनायी है जिन्हें वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम हब के तौर पर जाना जाता है। वैश्विक स्तर पर निविदाएं जनवरी में मंगाने का निर्णय भी इसी आधार पर हुआ है। सुत्रों के मुताबिक पहले बीपीसीएल की हिस्सेदारी को सक्कारी तेल मार्केटिंग कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ( आईओसी ) को बेचे जाने का प्रस्ताव था। लेकिन बाद में सरकार ने इसमें तब्दीली लाते हुए इसमें अपनी इक्विटी को वैश्विक स्तर की किसी कंपनी को बेचने योजना बनाई है। सरकार मानती है कि वैश्विक स्तर की



फाइल फोटो

किसी कंपनी की बीपीसीएल में इक्विटी खरीदने से भारत के पेट्रोलियम सेक्टर में बड़ी विदेशी कंपनी का आगमन हो जाएगा। इससे सेक्टर में प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ दुनिया के तेल कारोबार में भारतीय कंपनियों की मौजूदगी भी बढ़ेगी।

पेट्रोलियम सेक्टर में दुनियाभर की पेट्रोलियम कंपनियों की खास रुचि देखने को मिली है। सऊदी अरब की अरैमको भारत के पश्चिमी तट पर बनने वाली 44 अरब डॉलर की नई रिफाइनरी लगाने में निवेश कर रही है। साथ ही इसने रिलायंस समूह की जामनागर रिफाइनरी में 20 फीसद हिस्सेदारी 15 अरब डॉलर में खरीदने का एलान किया है।

सरकार की योजना चालू वित्त वर्ष के दौरान ही बीपीसीएल में रणनीतिक विनिवेश की प्रक्रिया पूरी करना चाहती है। यही वजह है कि वह अगले वर्ष जनवरी की शुरुआत में ही वैश्विक निविदाएं मंगाने पर विचार कर रही है। अगर बीपीसीएल के लिए गेड शो में रियॉस बेहतर मिला तो कंपनियों से बोली मंगाना पहले भी मुमकिन हो सकता है।

## वजह ▶ हाइब्रिड-एन्युटी व ईपीसी परियोजनाएं सरकार पर बढ़ा रहीं आर्थिक बोझ

## वापस बीओटी की शरण में एनएचएआइ

950 किलोमीटर सड़कों के ठेके बीओटी आधार पर देने पर विचार कर रही है सरकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सड़क निर्माण में सार्वजनिक-निजी भागीदारी का पुराना बीओटी मॉडल वापस लौट आया है। चार वर्ष तक हाइब्रिड-एन्युटी और ईपीसी मॉडल अपनाने के बाद एनएचएआइ अब फिर बीओटी परियोजनाओं को बढ़ावा देने में जुट गया है। हाल में उसने लगभग 950 किलोमीटर हाईवे परियोजनाओं के ठेके बीओटी आधार पर देने का निर्णय लिया है।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी ( पीपीपी ) वाली परियोजनाओं के लिए बीओटी अर्थात ( बिल्ड, ऑपरेट एंड ट्रांसफर अर्थात सड़क बनाओ, समझौता अवधि तक सड़क के रखरखाव के साथ वाहनों से टोल वसूलो और फिर अंत में सड़क सरकार को वापस सौंप दो ) मॉडल की शुरुआत वाजपेयी सरकार ने स्वीफ़्त चतुर्भुज योजना के दौरान की थी। फिर मनमोहन सरकार ने भी राष्ट्रीय राजमार्ग प्रोग्राम को सड़क परियोजनाओं में इस मॉडल का प्रयोग किया। परंतु मनमोहन सिंह सरकार के दूसरे कार्यकाल में सड़क परियोजनाओं

## जीएसटी चोरी के 44,355 मामले आए सामने

रितेश द्विवेदी, मुरादाबाद : जीएसटी लागू होने के बाद अब तक जीएसटी चोरी के 44,355 मामले विभाग ने दर्ज किए हैं। एक आर्टीआइ के जवाब में वित्त मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। जीएसटी विभाग के जानकारों की माने तो सबसे ज्यादा चोरी नए पंजीयन के व्यापारियों के द्वारा की जा रही है। सरकार ने नए पंजीयन पर तीन माह तक की छूट प्रदान की है। ऐसे में इसी छूट का लाभ उठाकर जीएसटी चोरी को अंजाम दिया जा रहा है।

जीएसटी के ऑनलाइन सिस्टम में भी कई खामियां हैं, जिनका व्यापारी अनुचित लाभ लेने में जुटे रहते हैं। अब नए सॉफ्टवेयर में देशभर के बिल की जानकारी फीड होगी। इससे चोरी की सभी संभावनाएं खत्म हो जाएगी। जीएसटी में मिलने वाली छूट का देशभर में खूब दुरुपयोग हुआ। वित्त वर्ष 2018-2019 में कुल 8,084.32 करोड़ रुपये की टैक्स चोरी में ही धोखाधड़ी के 40,804 मामले दर्ज हुए। इस वर्ष सितंबर तक धोखाधड़ी के 3,551 मामले दर्ज हुए।

ईवे बिल का हो रहा दुरुपयोग : जीएसटी में ईवे बिल का दुरुपयोग करने के मामले भी लगातार पकड़ में आ रहे हैं। इसमें एक बिल का कई बार व्यापारियों के द्वारा उपयोग किया जा रहा है। पकड़े जाने के बाद व्यापारी इसे अपनी भूल बताकर खुद को अनभिज्ञ साबित करने में जुट जाते हैं।



सरकार ने बीओटी अनुबंध की शर्तों में ढील देने की तैयारी की है। फाइल फोटो

की सुस्ती के कारण जब बैंकों ने लोन देने में आनाकानी शुरू कर दी, तो बीओटी मॉडल के विकल्पों पर विचार होने लगा। इसके बाद एन्युटी ( निजी कंपनी पैसा लगाती है, जबकि सरकार हर साल उसे भुगतान करती है ) और ईपीसी ( इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन-इसमें सरकार एडवांस में निजी कंपनी को पैसें का भुगतान करती है ) जैसे नए मॉडल सामने आए। इसके बाद जब मोदी सरकार आई तो लंबित परियोजनाओं को आगे बढ़ाने तथा निजी कंपनियों को प्रोत्साहन देने के लिए बीओटी परियोजनाओं

के बदले हाइब्रिड-एन्युटी तथा ईपीसी मॉडलों को प्राथमिकता देना शुरू कर दिया। इससे सैकड़ों अटकी परियोजनाओं के पूरा होने का रास्ता खुल गया। लेकिन चार वर्ष बाद इन मॉडलों पर काम करना सरकार के लिए आर्थिक रूप से मुश्किल गया है। यही वजह है कि एनएचएआइ को फिर से बीओटी मॉडल अपनाने के लिए कहा गया है। यूं तो सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी इस बात को खारिज करते हैं कि एनएचएआइ के पास पैसों की समस्या है। लेकिन हाल की एक समीक्षा बैठक में उन्होंने सड़क

## एफडी पर बीमा गारंटी, डिपॉजिट कवर बढ़ाने की वकालत

**मुंबई, एंजेसी** : भारतीय स्टेट बैंक के आर्थिक अनुसंधान विभाग ( एसबीआइ रिसर्च ) का कहना है कि बैंकों को एफडी पर बीमा गारंटी और डिपॉजिट कवर की लिमिट बढ़ाने की जरूरत है। पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव ( पीएमसी ) बैंक का वित्तीय संकट सामने आने के बीच एसबीआई रिसर्च की यह रिपोर्ट आई है। यह रिपोर्ट एसबीआई के समूह आर्थिक सलाहकार सौम्यकांत घोष ने तैयार की है। इसके मुताबिक 1993 के बाद से ग्राहकों की प्रोफाइल और बैंकिंग बिजनेस के तौर-तरीकों में काफी बदलाव आया है।

डिपॉजिट इंश्योरेंस का अर्थ है दिवालिया होने की स्थिति में किसी बैंक में ग्राहकों का कितना डिपॉजिट पूरी तरह सुरक्षित है। किसी बैंक में बचत खाता, चालू खाता, फिक्स्ड डिपॉजिट और रेकरिंग डिपॉजिट, सभी डिपॉजिट इंश्योरेंस एंड गारंटी कॉरपोरेशन ( डीआईसीजीसी ) की तरफ से इंश्योर्ड होते हैं। डीआईसीजीसी भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्ण स्वामित्व वाली संबिद्धिगत है।

**अभी कितना इंश्योर्ड है डिपॉजिट** : डीआईसीजीसी के नियमों के मुताबिक किसी भी बैंक में किसी भी जमाकर्ता का सभी डिपॉजिट्स मिलाकर केवल एक लाख रुपये ही इंश्योर्ड

**दो श्रेणी में हो सकती है कवर में बढ़ोतरी**

एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है, ' डीआईसीजीसी कवरेंज को दो श्रेणी में बांटकर लिमिट बढ़ाई जा सकती है

1. सेविंग बैंक डिपॉजिट्स के मामले में कम से कम एक लाख रुपये का कवरेंज
2. टर्म डिपॉजिट के मामले में कम से कम दो लाख रुपये का कवरेंज

है। इसमें प्रिंसिपल अमाउंट और ब्याज, दोनों शामिल हैं। इस लिमिट में एक बैंक की सभी ब्रांच में किए गए सभी डिपॉजिट शामिल हैं। इसका मतलब है कि यदि किसी के एक से ज्यादा बैंकों में डिपॉजिट हैं, वे हर अकाउंट में एक-एक लाख रुपये तक इंश्योर्ड हैं।

डिपॉजिट इंश्योरेंस लिमिट बढ़ाने की मांग इसलिए हुई है, क्योंकि साल दर साल बैंकों में डिपॉजिट अमाउंट कई गुना बढ़ा है। बैंकों में ग्राहकों की पूंजी का एक बड़ा हिस्सा इंश्योरेंस के दायरे से बाहर है, क्योंकि इंश्योरेंस लिमिट केवल



पीएमसी बैंक की दुर्गति के बाद यह विचार फिर जोर पकड़ने लगा है।

प्रतीकात्मक

एक लाख रुपये ही है।

**रिटायर्ड और सीनियर सिटीजन के लिए हो अलग प्रावधान** : रिटायर हो चुके लोगों और सीनियर सिटीजन के लिए बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट हमेशा से एक पॉपुलर चॉइस रहे हैं, ताकि वे अपनी रेगुलर इनकम जरूरतों को पूरा कर सकें। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि सीनियर सिटीजन के लिए भी एक अलग प्रावधान किया जाना चाहिए। सीनियर सिटीजन के लिए डिपॉजिट से हासिल होने वाले ब्याज पर टीडीएस लिमिट बढ़कर होना चाहिए।

चुकी है। इसका मतलब है कि अब 50 हजार रुपये तक के ब्याज से होने वाली इनकम टैक्स के दायरे में नहीं आएगी।

**बैंक बांड खरीदने पर मिले इंसेंटिव** : एसबीआई की रिपोर्ट में एक सुझाव यह भी दिया गया है कि डिपॉजिटर्स को अपने कुल डिपॉजिट का एक हिस्सा बैंक बांड खरीदने के लिए अलग करने पर इंसेंटिव दिया जाना चाहिए। बैंक बांड छमाही आधार पर टैक्सड कूपन रेट्स उपलब्ध कराते हैं और स्टैक प्रो होते हैं। निवेशकों का इसके प्रति उत्साह भी ज्यादा होता है।

## प्रॉफिट बुकिंग के चलते अंत में फिसले शेयर बाजार 58 हजार मामलों के साथ ई-असेसमेंट प्रक्रिया शुरू

**मुंबई, प्रे्ट** : सोमवार को कारोबार के अंतिम सत्र में प्रॉफिट बुकिंग के चलते प्रमुख भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। दिन के कारोबार में बीएसई का 30 शेयर्स वाला सेंसेक्स 141.33 अंक यानी 0.38 परसेंट की गिरावट के साथ 37,531.98 के स्तर पर बंद हुआ। यह दिन में एक समय 37,919.47 के उच्च स्तर पर पहुंच गया था। लेकिन अंतिम चरणों में प्रॉफिट बुकिंग की वजह से गिरावट दर्ज की गई। वहीं एनएसई के 50 शेयर्स वाले निफ्टी में 48.35 अंक यानी 0.43 परसेंट की गिरावट दर्ज की गई। यह 11,126.40 पर बंद हुआ। सोमवार को उम्मीद के मुताबिक शेयर बाजार सांमि्त दायरे में कारोबार करते रहे।

जियोजित फाइंशियल सर्विसेस के रिसर्च हेड विनोद नायर के मुताबिक दूसरी तिमाही में कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं, जिसके चलते मार्केट में कारोबार सीमित दायरे में रहा। अंटो, इन्फ्रास्ट्रक्चर और बैंक सेक्टर खपत में कमी के चलते दबाव में हैं। वहीं अच्छे मानसून और टैक्स लाभ के कारण कुछ ब्रूल्फिंग शेयरों में चमक देखी गई।

सोमवार को सेंसेक्स में जिन स्टॉक्स में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई उनमें ओएनजीसी, आईटीसी, टाटा स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, एलएंडटी, टीसीएस, सन फार्मा, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक और टेक महिंद्रा प्रमुख रहे। इन कंपनियों के शेयर 2.97 परसेंट तक फिसल गए।

## अशोक लेलैंड के शेयरों में गिरावट

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : वाहन निर्माता कंपनी अशोक लेलैंड द्वारा 15 दिनों के लिए उत्पादन बंद करने की घोषणा के बाद सोमवार के कारोबार में उसके शेयरों में पांच परसेंट से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। बीएसई के सेंसेक्स में कंपनी के शेयर 5.29 परसेंट गिरावट के साथ 64.50 रुपये पर बंद हुए। वहीं एनएसई के निफ्टी में कंपनी के शेयरों 7.59 परसेंट की गिरावट दर्ज किया। यस बैंक के सीईओ रवनीत गिल के मुताबिक बैंक में नए सिर से निवेश को लेकर हो रही बातचीत अंतिम चरणों में है। गौरतलब है कि यस बैंक के कुछ प्रमोटर्स द्वारा अपनी हिस्सेदारी बेचने के बाद इसके शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज तक का ब्रेक लगाएगी।

## एनबीएफसी स्टॉक्स में बड़ी गिरावट

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : गैर-बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं ( एनबीएफसी ) की हालत को लेकर असमंजस के चलते सोमवार को शेयर बाजारों में इस सेक्टर के ज्यादातर स्टॉक्स बुरी तरह गिटे। डीएचएफएल, इंडियाबुल्स हाउसिंग फाइनेंस, इंडियाबुल्स वेंचर्स, पीरामल इंटर्ग्राइजेशन एडलवाइज फाइंशियल सर्विसेज के शेयर लाल निशान के साथ बंद हुए। डीएचएफएल के शेयरों में बीएसई में 7.52 फीसद की गिरावट आई। एनएसई में भी कंपनी के शेयर 6.57 फीसद टूटे।

वहीं यस बैंक, एक्सिस बैंक, बजाज ऑटो, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, हीरो मोटोकॉर्प और बजाज फाइनेंस के शेयरों में 2.5 परसेंट तक

## यस बैंक के शेयरों में बड़ा उछाल

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : नए सिर से निवेश की खबरों के बीच सोमवार को यस बैंक के शेयरों में आठ परसेंट से ज्यादा का इजाफा दर्ज किया गया। बीएसई के सेंसेक्स में बैंक के शेयर 8.19 परसेंट के उछाल के साथ 45.60 रुपये प्रति शेयर के हिसाब तक बिके। वहीं एनएसई के निफ्टी में कंपनी के शेयरों 6.45 रुपये के भीतर निपटने का किया। यस बैंक के सीईओ रवनीत गिल के मुताबिक बैंक में नए सिर से निवेश को लेकर हो रही बातचीत अंतिम चरणों में है। गौरतलब है कि यस बैंक के कुछ प्रमोटर्स द्वारा अपनी हिस्सेदारी बेचने के बाद इसके शेयरों में बड़ी गिरावट दर्ज की गई थी।

## नई दिल्ली, प्रे्ट : सीबीडीटी ने ई-असेसमेंट सिस्टम से टैक्स असेसमेंट प्रक्रिया शुरू कर दी है।

बोर्ड के चेयरमैन पीसी मोदी ने बताया कि वर्ष 2018-19 के लिए 58,322 मामलों को इलेक्ट्रॉनिक असेसमेंट के लिए चुना गया है। इन सभी मामलों को एक वर्ष के भीतर निपटने का लक्ष्य रखा गया है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि विभाग ने फिलहाल पायलट लेवल पर इस परियोजना की शुरुआत की है। इन मामलों के विश्लेषण के बाद आगे वर्ष यह सिस्टम पूरी तरह से लागू किया जाएगा।

सोमवार को राज्यस् सचिव अजय भूषण पांडेय ने नेशनल ई-असेसमेंट सेंटर का उद्घाटन किया। हालांकि इसे वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लॉंच किया जाना था, लेकिन वह कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सकीं। सीबीडीटी की ओर से बताया गया है कि ई-असेसमेंट के लिए सभी तरह की औपचारिकताएं पूरी कर ली गई हैं। इसके लिए जरूरी स्टाफ की नियुक्ति भी हो चुकी है। देशभर में 2,686 से ज्यादा आईटी कर्मचारी ई-असेसमेंट का काम देख रहे हैं। थर्ड पार्टी असेसमेंट की जरूरत होने पर मामला सिस्टम में मौजूद किसी अधिकारी



लांच के दौरान अजय भूषण पांडेय। प्रे्ट

के पास स्वचालित तरीके से चला जाएगा। ई-असेसमेंट को टैक्स से संबंधित मामलों में पारदर्शिता लाने और भ्रष्टाचार की आशंका को कम करने के मकसद से पेश किया है। टैक्स सुधार की दिशा में इसे एक बड़ा कदम बताया जा रहा है। असेसमेंट के इस तरीके में करदाता और टैक्स अधिकारी के बीच बिना पहचान बताए सभी प्रक्रियाएं पूरी की जाएंगी, इसीलिए इसे फेसलेस असेसमेंट का नाम दिया गया है।

## सचिन बंसल के सौदे को ग्रीन चैनल अप्रूवल

**नई दिल्ली, प्रे्ट** : भारतीय स्पर्धा आयोग ( सीसीआई ) ने सचिन बंसल के नियंत्रण वाली एक कंपनी द्वारा एग्सेल म्यूचुअल फंड का नए प्रावधान की कंपनी की शुरुआत के लिए जरूरी चीजें हैं।

किसी भी कंपनी की शुरुआत के लिए औपचारिकताएं पूरी करने में मदद के मामले में भारत और इंडोनेशिया ने कई पैमाने पर सुधार किया है। लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत को इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काफी निवेश की जरूरत है। इसके अलावा भूमि और श्रम सुधार की जरूरत भी है। एफडीआई को आकर्षित करने के लिए उपयुक्त टैक्स दर भी आवश्यक शर्त है।

सबसे अच्छी बात यह है कि भारत और इंडोनेशिया दोनों ही देश इन क्षेत्रों में काफी सुधार कर रहे हैं। भारत ने हाल में ही कॉरपोरेट टैक्स दरों में बड़ी कटौती की है। इसके अलावा नई कंपनियों के लिए भी सुविधाएं और छूट देने की शुरुआत हो चुकी है। हालांकि इसे सिर्फ शुरुआत कदम जा सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2025 तक जीडीपी में मैनुफैक्चरिंग की हिस्सेदारी 25 परसेंट करने की बात कही थी। इसे अमली जामा पहनाने के लिए अभी काफी कुछ किया जाना बाकी है।

## दिवक्कत

भारत ने ईज ऑफ़ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में सुधार किया है, लेकिन ये पर्याप्त नहीं हैं, कंपनियों को भारत लाने के लिए भूमि, टैक्स और कानूनी सुधारों की जरूरत

**सिंगापुर, एएनआइ** : अमेरिका और चीन में चल रहे ट्रेड वार और कुछ अन्य बुनियादी कारणों की वजह से चीन में उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इसके चलते ग्लोबल कंपनियां अपनी उत्पादन इकाइयों को दूसरे देशों में स्थानांतरित कर रही हैं। भारत और इंडोनेशिया जैसे देश इन कंपनियों के लिए बेहतरीन डेस्टिनेशन बताए जा रहे हैं। लेकिन आंकड़े इस बात का समर्थन नहीं कर रहे हैं। जापान के फाइनेंशियल ग्रुप नोमुरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक अप्रैल, 2018 से अगस्त, 2019 के बीच 56 कंपनियों ने चीन से अपने व्यापार को दूसरे देशों में स्थानांतरित किया। लेकिन इनमें से सिर्फ तीन भारत के हिस्से में आई और दो इंडोनेशिया गईं। जबकि 26 कंपनियों ने अपनी यूनिट्स वियतनाम, 11 ने ताइवान और आठ थाइलैंड में यूनिट लगाता लाभकारी समझा। ट्रेड वार की वजह से शुरू में इजाफा तो हुआ ही है, चीन में लेकर लागत भी मंहगी हो गई है। जबकि कार्यकाल, आकार और बाजार के हिसाब से भारत और इंडोनेशिया चीन के अच्छे विकल्प हैं। जनसंख्या के मामले में भारत दूसरा सबसे बड़ा देश है और युवाओं की संख्या के मामले में यह पहले नंबर पर है। यूएन के मुताबिक



कॉरपोरेट टैक्स घटने के बाद अब स्थिति में बदलाव की उम्मीद है। प्रतीकात्मक

भारत के लोगों की औसत उम्र 30 वर्ष है। यहां लेबर लागत चीन के मुकाबले आधी है। फिर भी कई वजहों के चलते कंपनियां भारत जैसे देशों की जगह वियतनाम और थाइलैंड को प्राथमिकता दे रही हैं।

कंपनियों को अपनी प्रोडक्शन यूनिट्स स्थानांतरित करने के कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसमें सबसे पहली समस्या सेटअप की अधिक लागत है। इसके अलावा इन्फ्रास्ट्रक्चर, कम्प्यूट्रिकेशन और कनेक्टिविटी

जैसी दूसरी समस्याएं भी हैं। किसी भी कंपनी के लिए अच्छे वेयरहाउस, ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक्स सपोर्ट भी महत्वपूर्ण होता है। इसके अलावा कंपनी जहां अपनी यूनिट लगाने जा रही है वहां कुशल कर्मचारियों की तलाश भी उसके



# एलओसी मार्च के दांव में फंसे इमरान, लोगों का लौटने से इन्कार

गगन कोहली, राजीरी

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान का हर दांव उनपर उल्टा पड़ रहा है। पहले अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर को लेकर दांव खेला, लेकिन मुंह की खानी पड़ी। वहीं, अब नियंत्रण रेखा ( एलओसी) पर करने के लिए लोगों को उकसाने के अपने दांव में भी इमरान खुद फंसते नजर आ रहे हैं। क्योंकि मार्च में शामिल हुए गुलाम कश्मीर के युवा अब वापस जाने को तैयार नहीं हो रहे हैं। इमरान टवीट पर टवीट कर रहे हैं और उनके मंत्री और अधिकारी प्रदर्शनकारियों की आव-भगत करने में लगे हैं।

**गले की फांस बना इमरान का ड्रामा** **:** चार अक्टूबर को गुलाम कश्मीर के कोटली से लोगों को गुमराह और उकसाकर आतंकी संगठन जम्मू कश्मीर लिबरेशन फ्रंट (जेकेएलएफ) के बैनर तले मार्च निकाला गया। इसमें एलान किया कि चकोटी से सीमा पर करके कश्मीर जाएंगे। चार दिन से गुलाम कश्मीर में चल रहा यह ड्रामा अब इमरान सरकार के गले की फंस बन चुका है।

**प्रदर्शकारियों को मनाने में जुटे सूचना मंत्री :**

- ▶ प्रदर्शनकारियों को शांत करवाने पहुंचे सूचना मंत्री और अधिकारी
- ▶ लोगों ने चकोटी से आठ किमी पहले जकसोल में डाला डेरा

## भारतीय सेना अलर्ट

एलओसी मार्च को देख भारतीय सेना अलर्ट पर है। सेना के उच्च अधिकारी पूरे हालात पर अपनी नजर रखे हुए हैं। सेना के आला अधिकारी पहले ही कह चुके हैं कि एलओसी को पार करने को आक्रमणकारी माना जाएगा।

प्रदर्शनकारियों को वापस भेजने के लिए गुलाम कश्मीर के सूचना मंत्री और कई अधिकारी जकसोल पहुंचे। पुलिस ने एलओसी जाने वाले मार्ग को बंद कर दिया है, लेकिन लोग वहीं पर बैठ गए हैं। मंत्री ने जेकेएलएफ नेताओं के साथ युवाओं से घर लौटने को कहा है। वहीं, लोगों को कहना है कि वह एलओसी पार करेंगे। प्रदर्शनकारियों के लिए खाद्य सामग्री भी भेजी गई है। सूत्रों का कहना है कि मार्च में शामिल लोगों ने गुलाम कश्मीर को यूएन के हवाले करने के लिए जमकर नारेबाजी भी की।

## तंगी दूर करने को चीन से चर्चा करेंगे पीएम

**इस्लामाबाद, प्रे्ट** **:** आर्थिक तंगी के हालात से जूझ रहा पाकिस्तान विकास की गति तेज करने के लिए चीन की मदद लेगा। इस सिलसिले में मंगलवार से शुरू हो रहे प्रधानमंत्री इमरान खान के दो दिवसीय चीन दौर में वह चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग और प्रधानमंत्री ली कछयांग से बड़ी परियोजनाओं की स्थापना पर बात करेंगे। ये परियोजनाएं पनबिजली, तेलशोधक कारखाने और इस्पात संयंत्र से संबंधित होंगी। ये सब चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) का हिस्सा होंगी।

इमरान मंगलवार को बीजिंग पहुंचेंगे। वहां वह चीन के शीफें नेतृत्व से क्षेत्रीय और आपसी संबंधों पर चर्चा करेंगे। जम्मू-कश्मीर का मसला इनमें प्रमुख होगा। भुगतान संकट के दौर में वह सीपीईसी की परियोजनाओं पर भी चीनी नेताओं से बात करेंगे। उल्लेखनीय है कि तंगी के दौर में पाकिस्तान को सीपीईसी परियोजनाओं पर काम आगे बढ़ाने में कठिनाई हो रही है। उस पर कर्ज का बोझ

- ▶ आज बीजिंग पहुंचेंगे पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, पनबिजली परियोजना, रिफाइनरी और इस्पात संयंत्र की स्थापना पर बात होगी



इमरान खान।

फाइल

भी बढ़ रहा है। ऐसे में पाकिस्तान कुछ ऐसी उपयोगी परियोजनाओं पर कार्य शुरू करना चाहता है जिनमें राजस्व की प्राप्ति और रोजगार पैदा होने की संभावना हो। कई मोर्चों पर संकट झेल रहे इमरान की प्रधानमंत्री के

## अमेरिकी सीनेटरों के सामने फिर अलापा कश्मीर राग

इस्लामाबाद : कश्मीर मसले पर दुनियाभर से मुंह की खाने के बाद भी पाकिस्तान सच स्वीकारने को तैयार नहीं है। सोमवार को इस्लामाबाद में अमेरिकी सीनेटरों क्रिस वेन होलेन और मार्गरेट सी. हासन से मुलाकात में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने फिर कश्मीर मुद्दा उठाया। इमरान खान ने कहा, 'जम्मू-कश्मीर के लोगों की आजादी और अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय को आवाज उठानी चाहिए।' इमरान ने इस मसले पर दोनों सीनेटरों समेत अमेरिकी कांग्रेस की सक्रियता की सराहना भी की।

तौर पर पिछले 14 महीनों में चीन की यह तीसरी यात्रा होगी। इमरान का चीन दौरा राष्ट्रपति चिनफिंग के भारत दौर से पहले हो रहा है जिसमें वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अनौपचारिक वार्ता करेंगे।



## जंगल में छुट्टी मना रहे हैं पुतिन

यह तस्वीर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की है, जो अपने जन्मदिन से ठीक पहले साइबेरिया के टैगा जंगल में छुट्टियों का लुत्त उठा रहे हैं। उन्हें प्रकृति के गोद में छुट्टी मनाना सबसे ज्यादा पसंद है। उनके साथ खास अधिकारियों का एक दल है। हाथ में लाठी लेकर हाइकिंग करने की उनकी तस्वीरें व वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहे हैं।

रायटर

## न्यूज गैलरी

उत्तर कोरिया बोला, आगे की वार्ता अमेरिकी रुख पर निर्भर



उत्तर कोरिया के वार्ताकार किम म्योग। एपी

**बीजिंग:** उत्तर कोरिया के मुख्य वार्ताकार किम म्योग गिल ने कहा कि अमेरिका के साथ आगे की वार्ता वाशिंगटन के रुख पर निर्भर करेगी। अगर अमेरिका और बातचीत करना चाहता है तो पहले उसे अपना रवैया बदलना होगा। स्वीडन में गत शनिवार को गिल की अपने अमेरिकी समकक्ष स्टीवेन बीगन के साथ वार्ता हुई थी। हालांकि यह वार्ता बेतातीजा खत्म हुई थी। इसके बाद उत्तर कोरिया ने कहा था कि वह अमेरिका के शत्रुतापूर्ण नीति के कारण परमाणु वार्ता जारी रखने का इच्छुक नहीं है। स्वीडन से स्वदेश लौटते वक्त बीजिंग में गिल ने सोमवार को पत्रकारों से कहा, 'अमेरिका के रुख पर आगे की वार्ता निर्भर होगी।' उत्तर कोरिया के विदेश मंत्रालय ने रविवार को एक बयान में कहा था कि अमेरिका गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उत्तर कोरिया के सर्वोच्च नेता किम जोंग उन के बीच गत फरवरी में वियतनाम में परमाणु मसले पर वार्ता हुई थी। लेकिन उत्तर कोरिया पर लगे प्रतिबंधों को हटाने की मांग पर यह वार्ता विफल हो गई थी। तब से दोनों देशों में परमाणु वार्ता ठहर गई थी। इस वार्ता को पटरी पर लाने के प्रयास के तहत दोनों देशों के वार्ताकारों की स्वीडन में बैठक हुई थी। (एपी)

**अमेरिकी सीरियल किलर ने की थी 93 लोगों की हत्या**

**वाशिंगटन** **:** एक अमेरिकी सीरियल किलर सैमुएल लिटिल ने 93 लोगों की हत्या करने का जुर्रम कुबूल किया है। जांच एजेंसी एफबीआई के अधिकारियों द्वारा की गई पूछताछ में उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है। एफबीआई के अनुसार, सीरियल किलर ने अधिकतर महिलाओं को ही अपना शिकार बनाया। वर्तमान में जेल में बंद 79 वर्षीय सैमुएल ने 1970 से 2005 के बीच इस तरह के अनेकों जघन्य अपराधों को अंजाम दिया। उसके अपराधों की जांच कर कर रही एफबीआई अभी तक सैमुएल से जुड़े हत्या के 50 मामलों को ही उजागर कर पाई है। जांच एजेंसी के मुताबिक, कई मामलों में अभी शव तक बरामद नहीं किए जा सके हैं। एफबीआई ने सैमुएल के सनसनीखेज अपराधों को एक वेबसाइट पर रखाया है। जांच अधिकारियों का कहना है कि उपरोक्त सीरियल किलर का एक दूसरा नाम सैमुएल मेकडोवेल भी है। 2012 में कैंटुकी से गिरफ्तार सैमुएल को इस मामले में कैलिफोर्निया जेल भेजा गया था। (एफएफपी)

## बढ़ी मुश्किल

शिक्षा मंत्रालय ने बदले नियम, डॉक्टर की पढ़ाई करने वाले विदेशी छात्रों को होगी परेशानी

# चीन में 45 कॉलेज अंग्रेजी में पढ़ाएंगे एमबीबीएस

**बीजिंग, प्रे्ट** **:** चीन में एमबीबीएस की पढ़ाई करने वाले विदेशी छात्रों के सामने बड़ी मुश्किल आ गई है। यहां के शिक्षा मंत्रालय ने कहा है कि चीन के 200 से ज्यादा मेडिकल कॉलेजों में से केवल 45 कॉलेज ही अंग्रेजी में एमबीबीएस की पढ़ाई करा सकेंगे। इनके अलावा अन्य सभी कॉलेजों में एमबीबीएस की पढ़ाई चीनी भाषा मंदारिन में होगी। चीन में अंग्रेजी में एमबीबीएस पढ़ने के लिए ज्यादातर विदेशी छात्र आते हैं। इनमें बड़ी संख्या भारतीय छात्रों की रहती है। अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के मेडिकल कॉलेजों की तुलना में सस्ता होने के कारण भारत व अन्य एशियाई देशों के छात्र यहां आना पसंद करते हैं। फिलहाल यहां 23,000 से ज्यादा भारतीय छात्र अलग-अलग पाठ्यक्रमों में पढ़ाई कर रहे हैं। वहीं पाकिस्तान के 28,000 से ज्यादा छात्र चीन में पढ़ रहे हैं। कुल मिलाकर यहां के कॉलेजों में करीब पांच लाख विदेशी छात्र अध्ययनरत हैं। भारत के 23,000 छात्रों में से 21,000 छात्र एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे हैं, जो अब तक सबसे ज्यादा है। चीन के शिक्षा मंत्रालय के फैसले से भारतीय छात्रों पर पड़ने वाले प्रभाव को देखते हुए यहां

- ▶ अन्य किसी कॉलेज में एमबीबीएस पढ़ने के लिए विदेशी छात्रों को भी सीखनी होगी चीनी भाषा
- ▶ भारतीय छात्रों पर पड़ेगा असर, रिकॉर्ड 21000 छात्र चीन के कॉलेजों से कर रहे हैं एमबीबीएस



चीन से 23,000 भारतीय छात्र कर रहे हैं पढ़ाई।

प्रतीकात्मक

भारतीय दूतावास ने भी इसकी जानकारी साझा की है। दूतावास ने बताया कि सूची में रखे गए 45 कॉलेजों के अलावा किसी अन्य मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के लिए विदेशी छात्रों को भी मंदारिन में ही पढ़ाई करनी होगी। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि सूची से बाहर सभी कॉलेजों में मंदारिन में एमबीबीएस की पढ़ाई के लिए विदेश छात्रों को प्रवेश की अनुमति होगी या नहीं।

फिलहाल भारतीय छात्रों की सुविधा को देखते हुए दूतावास ने अपनी वेबसाइट से उन सभी कॉलेजों का नाम हटा दिया है, जहां अंग्रेजी में एमबीबीएस की पढ़ाई नहीं होगी। नया नियम आने के बाद अन्य कॉलेजों में प्रवेश ले चुके भारतीय छात्र पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए मंदारिन सीख रहे हैं। नियमों में यह बदलाव छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डालेगा।

## हांगकांग में उठ रही आजादी की मांग

## बढ़ रहा मामला

आंदोलन का समर्थन करने के लिए यूरोपीय यूनियन और फ्रांस की चीन ने की निंदा

**हांगकांग, रायटर** **:** हांगकांग में लोकतंत्र की मांग अब आजादी की मांग में बदल लेने लगी है। सोमवार को सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने प्रमुख शॉपिंग मॉल के बाहर एकत्रित होकर पुरानार तरीके से चीन से आजादी की मांग की। इससे पहले रविवार को पूरी गत रह-रहकर सड़कों पर प्रदर्शन होते रहे और पुलिस से टकराव होता रहा। शनिवार को प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार दो प्रदर्शनकारियों पर पुलिस ने फेस मास्क पहनने का मुकदमा कायम किया है। फेस मास्क पर प्रतिबंध लगने के बाद ये पहला मामला दर्ज किया गया है। इस बीच चीन ने यूरोपीय यूनियन और फ्रांस की हांगकांग के आंदोलन का समर्थन करने के लिए निंदा की है।

प्रदर्शनकारियों ने बहुमंजिले मॉल के बाहर घेरा बनाकर प्रदर्शन किया। वे आजादी के लिए संघर्ष करने, फेस मास्क पहनने और हांगकांग पुलिस के बहिष्कार का आह्वान कर रहे थे। सरकार ने चार महीने से चल रहे लोकतंत्र की मांग वाले आंदोलन को काबू करने के लिए शनिवार से फेस मास्क पहनने पर प्रतिबंध लागू किया है। सरकार का तर्क है कि फेस मास्क पहनकर प्रदर्शनकारी हिंसा करते हैं जिससे उनकी पहचान नहीं हो पाती और उन पर कार्रवाई नहीं हो पाती है। लेकिन सरकार के फैसले से आंदोलनकारी भड़क उठे हैं। शनिवार



हांगकांग में आजादी की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार करती पुलिस।

रायटर

को हांगकांग में भारी हिंसा हुई और एक सौ से ज्यादा लोग घायल हो गए। शनिवार को 14 साल की एक प्रदर्शनकारी को पुलिस ने गोली मारकर घायल किया। इससे पहले 18 साल के एक छात्र के सीने में पुलिस अधिकारी ने गोली मारी थी। शनिवार को गिरफ्तार 18 साल के छात्र और 38 साल की महिला प्रदर्शनकारी पर फेस मास्क पहनने की धारा लगाई है।

## ट्रंप को जांच के लिए कर भुगतान के दस्तावेज सौंपने का आदेश

**न्यूयॉर्क, रायटर** **:** अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के छूट के हक के तर्क को खारिज करते हुए संघीय अदालत ने उन्हें पिछले आठ सालों के टैक्स रिकॉर्ड जांचकर्ताओं को सौंपने का आदेश दिया है। कारोबारी के तौर पर ट्रंप के कर भुगतान की जांच चल रही है। 2016 में राष्ट्रपति चुनाव प्रचार के दौरान ट्रंप ने आश्वासन दिया था कि वह कर भुगतान संबंधी दस्तावेज पेश करेंगे और हर तरह की जांच में सहयोग करेंगे। लेकिन अब उन्होंने राष्ट्रपति के तौर पर उन्हें आपराधिक मामलों की जांच में छूट होने का हवाला दिया है। लेकिन मैनहट्टन के डिस्ट्रिक्ट जज विक्टर मारियो की कोर्ट ने ट्रंप के जांच में छूट के तर्क को खारिज कर दिया है।

कोर्ट ने कहा है कि राष्ट्रपति कानून से ऊपर नहीं है। ट्रंप राष्ट्रपति की मिली जांच में छूट के प्रावधान का इस तरह के मामले में फायदा नहीं उठा सकते। ट्रंप ने देर न करते हुए इस आदेश को मैनहट्टन की फेडरल अपील कोर्ट में चुनौती दे दी है। कोर्ट ने संक्षिप्त आदेश जारी करते हुए डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के आदेश के क्रियाचयन पर रोक लगा दी है। मैनहट्टन डिस्ट्रिक्ट के अर्टीन व डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता साइरस वेंस ने ट्रंप

- ▶ छूट का तर्क देने पर कोर्ट से राष्ट्रपति को मिली फौरी राहत



डोनाल्ड ट्रंप।

फाइल

की कंपनी द्वारा 2011 से 2018 तक चुकाए गए कार्पोरेट टैक्स को लेकर सवाल उठाए हैं। उनमें गड़बड़ी का अंदेशा जताया है। उनकी अर्जी पर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने फैसला सुनाया था। फैसले के बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने टवीट कर कहा, कट्टरपंथी वामपंथी डेमोक्रेट सभी मोर्चों पर विफल रहने के बाद अब इस तरह की हकतें कर रहे हैं। ऐसा आचरण किसी राष्ट्रपति के साथ नहीं किया गया। ...और मेरे साथ यह बंद भी नहीं होगा। ट्रंप के वकील ने कहा है कि राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप किसी भी जांच से परे हैं।

## भारतीय मूल के जज बने बुनेई की सुप्रीम कोर्ट में ज्यूडिशियल कमिश्नर

**सिंगापुर, प्रे्ट** **:** भारतीय मूल के सिंगापुर के जज बुनेई की सुप्रीम कोर्ट के ज्यूडिशियल कमिश्नर नियुक्त किए गए हैं। उन्हें सुल्तान हसनल बोलकिया ने शपथ दिलाई। 54 वर्षीय कन्नन रमेश की नियुक्ति दो साल के लिए की गई है। इसके साथ ही वह सिंगापुर के सुप्रीम कोर्ट के पूर्णकालिक जज के पद पर भी बने रहेंगे।

बुनेई की सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त सभी अंशकालिक न्यायाधीश ज्यूडिशियल कमिश्नर के तौर पर नियुक्त किए जाते हैं, लेकिन इससे उनकी वरिष्ठता, न्यायिक अधिकार और शक्तियां पर कोई फर्क नहीं पड़ता है। अपनी नियुक्ति पर रमेश ने कहा, 'यह मेरे लिए सम्मान की बात है।' में (बुनेई सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश) स्टीवन चोंग और अन्य सम्मानी सदस्यों के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं।

सुप्रीम कोर्ट के ज्यूडिशियल कमिश्नर के तौर पर रमेश साल में एक महीने बुनेई में रहेंगे और इस दौरान वह मुख्य रूप से वाणिज्यिक को जस्टिस सुंदरेश मेनन ने कहा कि रमेश की नियुक्ति से दोनों देशों के बीच रिश्ते और बेहतर होंगे।

## आधी नींद में मिली खुशखबरी

प्रथम पृष्ठ से आगे

विलियम केलिन ने बताया कि सोमवार सुबह जब उन्हें स्टॉकहोम से फोन आया था, तब वह आधी नींद में थे। उन्होंने कहा, 'मैं अब भी नहीं सोच पाया हूं कि पुरस्कार में मिलने वाला इतना सारा पैसा खर्च कहाँ करूँगा। मैं कोशिश करूँगा कि किसी अच्छे काम में इसका इस्तेमाल हो।' वहीं, पीटर रेट्क्विलफ ने बताया कि शोध की शुरुआत करते समय उन्हें बिल्कुल उम्मीद नहीं थी क्या ज़ीता निकलेगा। कई लोगों ने शोध के लिए यह विषय चुनने पर उन्हे टोका भी था।

**अभी होनी है अन्य नोबेल पुरस्कारों की घोषणा** **:** सोमवार को नोबेल मीडिसन के विजेताओं के नाम के एलान के साथ ही इस साल के नोबेल पुरस्कारों की घोषणा की शुरुआत हो गई है। मंगलवार को भौतिकी के नोबेल विजेता और बुधवार को रसायन विज्ञान के क्षेत्र में नोबेल विजेता के नामों की घोषणा होगी। गुरुवार को साहित्य के लिए नोबेल पाने वालों के नाम सामने आएंगे। इस साल 2018

## पिछले साल दो वैज्ञानिकों को मिला था पुरस्कार

पिछले साल अमेरिका के जेम्स एलिसन और जापान के तासुकु होंजो को नोबेल मीडिसन से सम्मानित किया गया था। उन्होंने इम्युनोथेरेपी के क्षेत्र में शोध को अंजाम दिया था। इस प्रक्रिया में कैंसर से लड़ने के लिए शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को सक्रिय किया जाता है।

और 2019 दोनों वर्षों के लिए साहित्य का नोबेल दिया जाना है। 2018 में एक सेक्स स्कैंडल सामने आने के चलते उज्जे गतिरोधों के कारण साहित्य का नोबेल नहीं दिया गया था।

नोबेल शांति पुरस्कारों का एलान शुक्रवार को किया जाएगा। 10 दिसंबर को महान वैज्ञानिक अल्फ्रेड नोबेल की पुण्यतिथि पर पुरस्कार दिए जाएंगे। चिकित्सा, भौतिकी, रसायन और साहित्य के नोबेल स्टॉकहोम में और शांति का नोबेल पुरस्कार ओस्लो में आयोजित समारोह में दिए जाते हैं।

## जापानी गश्ती पोत से टकराकर डूबी उत्तर कोरियाई नाव

**टोक्यो, रायटर/एएफपी** **:** उत्तर कोरियाई मछुआरों की एक नाव जापान के गश्ती पोत से टकराकर समुद्र में डूब गई। यह घटना सोमवार सुबह जापानी प्रायद्वीप नोटो से 350 किलोमीटर दूर घटी। हलदसे के वक्त उत्तर कोरियाई नाव में करीब 20 लोग सवार थे। दस को सुरक्षित बचा लिया गया है। बाकी लोगों की तलाश जारी है। जापानी तटरक्षक बल के एक अधिकारी ने बताया कि लापता मछुआरों को बचाने का हرسंसभव प्रयास किया जा रहा है।

जापान की मत्स्य एजेंसी के प्रवर्तन विभाग के प्रमुख सतोभी कुवहरा ने कहा कि जापानी क्षेत्र में अवैध रूप से घुसी उत्तर कोरियाई नाव को वापस खदेड़ते वक्त यह हदसा हो गया। उत्तर कोरियाई मछुआरे आए दिन जापान के जलक्षेत्र में अवैध तरीके से घुस जाते हैं। पिछले साल एक नाव के साथ दस उत्तर कोरियाई मछुआरे पकड़े गए थे। बाद में उन्हें वापस उनके देश भेज दिया गया था। उन्होंने कहा कि भविष्य में इस तरह के घटनाएं न हों, इसके लिए हम मिल जुलकर काम कर रहे हैं।

- ▶ सरकारी निवेश कोष 1एमडीबी से 32 हजार करोड़ों रुपये लूटने का था आरोप

- ▶ इस रकम का इस्तेमाल महंगी कलाकृतियां खरीदने में किया गया था

## पीएम महातिर ने जांच का दिया था आदेश

पिछले साल प्रधानमंत्री चुने जाने के बाद महातिर मुहम्मद ने 1एमडीबी घोटाले की जांच दोबारा शुरू करवाई थी। इसके बाद कई उच्च अधिकारियों व पूर्व मंत्रियों को मामले में आरोपित किया गया। गबन किए गए रकम की वसूली के लिए उन सभी पर अलग से मुकदमा चलाया गया। 2016 से अमेरिका का न्याय विभाग भी कथित तौर पर 1एमडीबी से लूटी गई धनराशि से खरीदे गए निजी जेट, आभूषण आदि के मामले की जांच कर रहा है।

खुद को निर्दोष बताया है। एमएसीसी प्रमुख ने बताया कि गबन किए गए धन को नजीब से जुड़ी पार्टियों, कंपनियों व संस्थाओं में बांट दिया गया था।

जुर्माने की जानकारी देते हुए कोया ने कहा, 'आरोपितों से करीब 10 करोड़ डॉलर (करीब सात सौ करोड़ रुपये) तक वसूल किए जाएंगे। उन पर वसूल की गई राशि से 2.5 गुना अधिक जुर्माना लगाया जा सकता है।' जिन लोगों पर

जुर्माना लगाया गया है, उनमें नजीर रज़ाक के साथ सरकारी पाम ऑयल एजेंसी फेल्टा के पूर्व प्रमुख शहरीर अब्दुल समद और नजीब की कैबिनेट के एक मंत्री भी शामिल हैं। नजीर मलेशिया के दूतशे सबसे बड़े बैंक सीआइएमबी समूह के अध्यक्ष रह चुके हैं। कोया के अनुसार नजीर ने 1एमडीबी से 25.7 मिलियन रिंगित (करीब 43 करोड़ रुपये) रकम चेक के जरिये हासिल की थी।

## घोटाले में मलेशिया के पूर्व प्रधानमंत्री नजीब के भाई समेत अन्य पर जुर्माना

**कुआलालंपुर, रायटर** **:** मलेशिया में 1एमडीबी घोटाला मामले में पूर्व प्रधानमंत्री नजीब रज़ाक के भाई नजीर समेत 80 लोगों व कई कंपनियों पर जुर्माना लगाया है। इन सभी पर सरकारी निवेश का प्रमलेशिया डेवलपमेंट बर्हड (1एमडीबी) से 4.5 अरब डॉलर (करीब 32 हजार करोड़ रुपये) गबन करने का आरोप था। इस रकम का इस्तेमाल कई महंगी कलाकृतियां आदि खरीदने में किया गया था। मलेशिया के भ्रष्टाचार रोधी आयोग (एमएसीसी) की प्रमुख लतीफा कोया ने आरोपितों पर जुर्माना लगाए जाने की जानकारी तो दी, लेकिन रकम स्पष्ट नहीं की।

1एमडीबी कंपनी की स्थापना 2009 में नजीब ने की थी। इस सरकारी कंपनी का स्वामित्व देश के वित्त मंत्रालय के पास था। पिछले साल आन चुनाव हारने वाले नजीब पर भी 1एमडीबी फंड से अवैध तरीके से एक अरब डॉलर (करीब सात हजार करोड़ रुपये) हासिल करने का आरोप है। हालांकि, उन्होंने



# ओपनिंग की नई दास्तान लिखने को तैयार रोहित

मध्यक्रम के बाद सलामी बल्लेबाज के रूप में **चमके शर्मा** पहले भी कई दिग्गज करियर की शुरुआत में मध्यक्रम में खेले हैं

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : अपने करियर के पहले 27 टेस्ट मध्यक्रम में खेलने के बाद सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरे रोहित शर्मा अब ग्रीम स्मिथ, वीरेंद्र सहवाग, ग्राहम गूच, क्रिस गेल, सनथ जयसूर्या और मर्वन अटापट्टू जैसे अपने जमाने के दिग्गज ओपनरों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में की थी।

रोहित ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विशाखापत्तनम में पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में शतक जड़कर सलामी बल्लेबाज के रूप में धमाकेदार आगाज किया। वह पिछले छह साल से भी अधिक समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट में भारत के लिए पारी की शुरुआत करते रहे हैं, लेकिन वर्षों पहले सहवाग पर किए गए प्रयोग से प्रेरणा लेकर रोहित को टेस्ट मैचों में भी यह जिम्मेदारी सौंपी गई, जिसमें वह पहली परीक्षा में सफल रहे। उन्होंने 176 और 127 रन की पारियां खेलकर कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। रोहित अब दूसरे टेस्ट में आत्मविश्वास से भरे होंगे, जो 10 अक्टूबर से पुणे में होगा। भारतीय टीम दूसरे टेस्ट के लिए पुणे पहुंच चुकी है।

रोहित ने इससे पहले 27 टेस्ट मैचों में मध्यक्रम में बल्लेबाजी की थी जिनमें वह केवल तीन शतक लगा पाए थे। यह सही है कि सलामी बल्लेबाज के रूप में उनकी असली परीक्षा विदेशों में होगी, लेकिन तब तक वह मानसिक रूप से यह जिम्मेदारी संभालने के लिए पूरी तरह तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा, ‘मुझे दो साल पहले बताया गया था कि किसी चरण में मुझे पारी का आगाज करने के लिए कहा जा सकता है इसलिए मैं भले ही टेस्ट में नहीं खेल रहा था, लेकिन नेट्स पर नई गेंद का सामना करता था।’

## रोहित करियर की सर्वश्रेष्ठ 17वीं रैंकिंग पर

दुबई, प्रेट्र : सलामी बल्लेबाज के तौर पर अपने पहले टेस्ट की दोनों पारियों में शतक जड़ने वाले भारतीय बल्लेबाज रोहित शर्मा सोमवार को आइसीसी टेस्ट खिलाड़ी रैंकिंग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 17वें स्थान पर पहुंच गए। रोहित के नाम अब 28 टेस्ट में पांच शतक हैं, उन्होंने विशाखापत्तनम में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट में 176 और 127 रन की पारियों से 36 पायदान की छलांग लगाई। इस मैच में भारत ने 203 रन से जीत हासिल कर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली। अन्य सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को पहली पारी में दोहरा शतक जड़ने के बाद 38 पायदान का फायदा हुआ, जिससे वह करियर की सर्वश्रेष्ठ 25वीं रैंकिंग पर पहुंच गए। कलाना विराट कोहली ने अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है, हालांकि वह जनवरी 2018 के बाद पहली बार 900 रैंटिंग

#### न्यूज गेलरी

**आइओए के अध्यक्ष से कोई मतभेद नहीं : मेहता**
**नई दिल्ली :** भारतीय ओलंपिक संघ (आइओए) के महासचिव राजीव मेहता ने सोमवार को स्पष्ट किया कि निशानेबाजी को हटाए जाने के बाद 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के बहिष्कार के फैसले पर अध्यक्ष नरिंदर बत्रा से उनके कोई मतभेद नहीं है। मेहता ने कहा कि उन्हें वेनईस में एक कार्यक्रम के मौके पर कॉमनवेल्थ गेम्स के बहिष्कार के मुद्दे पर आइं कुछ रिपोर्ट में उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया गया। मेहता ने कहा, ‘जो रिपोर्ट आ रही हैं, उसमें मुझे गलत तरीके से पेश किया गया। मैंने वो शब्द नहीं कहे, जिन्हें इन रिपोर्ट में बताया जा रहा है। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स के बहिष्कार के फैसले के मुद्दे पर अध्यक्ष के साथ मेरे कोई मतभेद नहीं हैं।’ (प्रेट्र)

#### ओलंपिक में कबड्डी को लाने की कोशिश : रिजिजू

**नई दिल्ली :** खेल मंत्री किरन रिजिजू ने कहा कि सरकार पेरिस में 2024 में होने वाले ओलंपिक गेम्स में कबड्डी को शामिल करने के लिए अपनी तरफ से हर संभव कोशिश करेगी। रिजिजू ने स्टार स्पोर्ट्स पर कहा, ‘कबड्डी इसका सटीक उदाहरण है कि किस तरह से ग्रामीण स्तर का खेल सफलतापूर्वक आगे बढ़ता है। यह मुझे खेल संस्कृति की शुरुआत लगती है, जिसकी हमने भारत के लिए कल्पना की थी और अब जो वास्तविकता बनती जा रही है। कबड्डी अगले ओलंपिक का हिस्सा बने, इसके लिए हम अपनी तरफ से हरसंभव प्रयास करेंगे। मैं इसके प्रति आश्चर्यतः हूं।’ खेल मंत्री ने नहीं बताया कि यह कैसे संभव होगा क्योंकि ओलंपिक में किसी नए खेल को शामिल करना काफी लंबी और जटिल प्रक्रिया है। लुसाने में 25 जून के सत्र में आइओसी ने कहा था कि ओलंपिक 2024 के कार्यक्रम में शामिल करने के लिए किसी अन्य खेल की सिफारिश नहीं की जा सकती है। भारत का शुरु से ही कबड्डी में दबदबा रहा है, जो एशियन गेम्स का हिस्सा है। (प्रेट्र)



भारतीय टेस्ट टीम के नए सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा • फाइल फोटो, एएफपी

##### सहवाग भी मध्यक्रम के वाद ओपनिंग में हुए हिट

**नई दिल्ली :** रोहित पहले बल्लेबाज नहीं हैं जिन्हें मध्यक्रम से हटाकर शीर्षक्रम में भेजा गया। ऐसे बल्लेबाजों की लंबी फेहरिस्त है जिनमें से कई बेहद सफल भी रहे हैं। भारत से इनमें सहवाग का नाम आता है, जिन्होंने अपने पहले पांच टेस्ट मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में खेले और पदार्पण टेस्ट में शतक भी जड़ा था लेकिन, जब उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में उतारा गया तो फिर उन्होंने अपने आखिरी टेस्ट तक यह जिम्मेदारी निभाई और इस बीच कई धमाकेदार पारियां भी खेलीं, जिनमें दो तिहरे शतक भी शामिल हैं। सहवाग ने ओपनर के तौर पर 8207 रन बनाए हैं।

##### ग्रीम स्मिथ ने भी किया था ये कारनामा

**नई दिल्ली :** दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल सलामी बल्लेबाज ग्रीम स्मिथ पहले दो टेस्ट में तीसरे और चौथे नंबर पर उतरे थे। उन्होंने 205 में से 196 पारियां ओपनर के रूप में खेलकर 9030 रन बनाए थे। इस सूची में ग्राहम गूच, माइकल अथर्टन या गेल का नाम चौकाने वाला हो

सकता है। गूच पहले दो टेस्ट में पांचवें नंबर पर उतरे थे, लेकिन चार पारियों में केवल 37 रन बना पाए। इसके बाद वह तीन साल तक टीम से बाहर रहे और फिर उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में वापसी की थी। गूच के साथी अथर्टन भी पहले दो टेस्ट में तीसरे नंबर पर खेले

##### वर्तमान में एल्गर हैं उदाहरण

**नई दिल्ली :** दक्षिण अफ्रीका के वर्तमान सलामी बल्लेबाज डीन एल्गर अपने पहले सात टेस्ट मैच में अक्सर छठे और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे। वह श्रीलंका के खिलाफ 2014 में गॉल में पारी का आगाज करने उतरे और 103 रन बनाए। इसके बाद से वह लगातार ओपनर बने हुए हैं। उन्हीं के देश के हर्शेल गिब्स पहले सात टेस्ट तक मध्यक्रम में खेलते रहे और फिर जाकर उन्हें सलामी बल्लेबाज बनाया गया। ऑस्ट्रेलिया के जस्टिन लैंगर लंबे समय तक तीसरे नंबर के बल्लेबाज बने रहे, लेकिन बाद में उन्होंने मैथ्यू हेडन के साथ सफल सलामी जोड़ी बनाई थी। ऑस्ट्रेलिया के ही बॉब सिंपसन शुरू में छठे से आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरे, लेकिन बाद में सलामी बल्लेबाज के रूप में सफल रहे। इंग्लैंड के डेनिस एमिस ने पहले नौ टेस्ट मध्यक्रम में खेले थे, जबकि माइकल वॉन ने 13 टेस्ट मध्यक्रम में खेलने के बाद सलामी बल्लेबाज की जिम्मेदारी निभाई थी।

बाद में सफल ओपनर बने बल्लेबाजों का मध्यक्रम में रिकॉर्ड					
बल्लेबाज	पारी	नाबाद	रन	सर्वाधिक	औसत
ग्रीम स्मिथ	09	01	235	68	29.37
वीरेंद्र सहवाग	10	00	379	105	37.90
ग्राहम गूच	31	00	1089	210	35.12
माइकल अथर्टन	15	01	252	60	18.00
क्रिस गेल	09	01	186	51*	23.25
सनथ जयसूर्या	36	05	1041	145	33.58
मर्वन अटापट्टू	20	02	185	36	10.27
हर्शेल गिब्स	38	02	925	94	25.69
जस्टिन लैंगर	67	03	2584	223	40.37
बॉब सिंपसन	41	03	1205	176	31.71
डीन एल्गर	11	02	226	103*	25.11
डेनिस एमिस	19	02	336	64	19.76
माइकल वॉन	75	05	2626	166	37.51
नवजोत सिद्धू	09	01	291	116	36.37
रोहित शर्मा	47	07	1585	177	39.62

##### मध्यक्रम से ओपनिंग में आए नवजोत

**नई दिल्ली :** भारत के नवजोत सिद्धू ने भी अपने टेस्ट करियर की शुरुआत मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में की थी। मध्यक्रम से शीर्षक्रम में पहुंचकर सफल ओपनर बनने वाले खिलाड़ियों में श्रीलंका के जयसूर्या और अटापट्टू प्रमुख हैं। जयसूर्या ने 14 टेस्ट निचले मध्यक्रम में खेले थे जिनमें वह केवल 591 रन बना पाए थे। इसके बाद उन्होंने ओपनर की भूमिका निभाई और 110 मैचों में से 90 टेस्ट में यह जिम्मेदारी बखूबी संभाली। अटापट्टू की कहानी बड़ी रोचक है। उन्होंने चार साल के अंतर में तीन टेस्ट में छठे और सातवें नंबर पर बल्लेबाजी की और छह पारियों में केवल एक रन बनाया। इसके बाद तीसरे नंबर के बल्लेबाज के रूप में वापसी की, पर नाकाम रहे। अटापट्टू ने 13 पारियां खेलने के बाद सलामी बल्लेबाज का जिम्मा संभाला और फिर पीछ मुड़कर नहीं देखा। उनके नाम पर ओपनर के तौर पर छह दोहरे शतक दर्ज हैं।



नवजोत सिद्धू • फाइल फोटो, प्रेट्र

## सहवाग की तरह निडर होकर खेलते हैं मयंक : लक्ष्मण

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज वीवीएस लक्ष्मण ने विशाखापत्तनम टेस्ट की पहली पारी में शानदार दोहरा शतक लगाने वाले सलामी से आइसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप तालिका में 40 अंक का फायदा मिला और अब उसके 160 अंक हैं। उसने वेस्टइंडीज में सीरीज में 2-0 से जीतने के बाद पूरे 120 अंक हासिल किए थे। न्यूजीलैंड और श्रीलंका के सीरीज 1-1 से ड्रॉ कराने के बाद 60-60 अंक हैं, जबकि ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के पांच मैचों की सीरीज में 2-2 से ड्रॉ के बाद 56-56 अंक हैं। दक्षिण अफ्रीका के लिए शतकवीर विवंटन डिकॉक और था। लक्ष्मण ने एक कार्यक्रम में कहा कि अग्रवाल मजबूत बल्लेबाज हैं। उन्होंने प्स मैच को घरेलू मैच की तरह लिया। खिलाड़ी आमतौर पर अंतरराष्ट्रीय



वीवीएस लक्ष्मण • फाइल फोटो, ट्विटर

मैचों में अलग तरीके से खेलते हैं, लेकिन मयंक ने अपना स्टायल बरकरार रखा है।' कलाइयों के इस जादूगर बल्लेबाज ने आगे कहा कि वह मानसिक तौर पर काफी मजबूत हैं और अपने आदर्श सहवाग की तरह निडर होकर खेलते हैं।

दुबई, प्रेट्र : भारत ने सोमवार को जारी हुई आइसीसी महिला वनडे रैंकिंग में ना सिर्फ अपना दूसरा स्थान बरकरार रखा है, बल्कि तीसरे स्थान पर काबिज इंग्लैंड पर अपने अंकों की बढ़त को भी बढ़ा लिया है। मिताली रज की अगुआई वाली भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड पर अब अपनी बढ़त को एक अंक से बढ़ाकर तीन अंक का कर लिया है। भारतीय टीम के अब 125 अंक हैं, जबकि इंग्लैंड के 122 अंक हैं।

आइसीसी के अनुसार, टी-20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत पांचवें पायदान पर है। ऑस्ट्रेलिया ने लगातार शानदार प्रदर्शन को बर्बात महिला वनडे और टी-20 दोनों की रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान कायम रखा है, जहां वह पिछले साल अक्टूबर से काबिज है। वनडे रैंकिंग में वेस्टइंडीज को पांच अंकों का नुकसान हुआ है और अब वह सातवें पायदान पर काबिज पाकिस्तान

### मंजू रानी क्वार्टर फाइनल में पहुंचीं

उलान -उदे (रूस), प्रेट्र : भारत की मंजू रानी ने सोमवार को यहाँ अंतिम -16 के मुकाबले में आसान जीत के साथ विश्व महिला मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। छठों वरीय भारतीय मंजू ने वेनेजुएला की रोजास टेयानिस सेडेनो को 5-0 से हराया। विश्व चैंपियनशिप

में पदार्पण कर रही मंजू इस चैंपियनशिप में पदक जीतने से अब सिर्फ एक जीत दूर हैं। क्वार्टर फाइनल में हालांकि मंजू की राह आसान नहीं होगी जहां उन्हें पिछली बार की कांस्य पदक विजेता और शीर्ष वरीय दक्षिण कोरिया की किम हयांग मी से 10 अक्टूबर को भिड़ना है। दोनों मुक्केबाजों ने रक्षात्मक रवैया अपनाया लेकिन मंजू के मुक्के अधिक सटीक थे। मंगलवार को छह बार की चैंपियन एमसी मेरी कोम (51 किग्रा) प्री-क्वार्टर फाइनल में अपने अभियान की शुरुआत थाइलैंड की जुतामस जितपोंग के खिलाफ करेंगी। तीसरी वरीय भारतीय को पहले दौर में बाई मिली है। पूर्व रजत पदक विजेता स्वीटी बूरा 75 किग्रा में दूसरी वरीय वेल्स की लारन प्रिंस से भिड़ेंगी। लारन यूरोपीय खेलों की स्वर्ण पदक विजेता और पिछली विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता हैं।

बिजेंदर का अगला मुकाबला 22 नवंबर को: अमेरिकी पेशेवर सर्फिंट में जीत से आगाज करने के बाद भारतीय मुक्केबाज विजेंदर सिंह दुबई में 22 नवंबर को रिंग में उतरेगे लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी की अभी घोषणा नहीं की गई। विजेंदर का अब तक का रिकॉर्ड 11-0 है जिसमें आठ नॉकआउट जीत शामिल हैं। वह अपना अजेय रिकॉर्ड बरकरार रखने की कोशिश करेंगे। इस मुकाबले का आयोजन अमेरिका में भारतीय प्रमोटर टॉप रैंक के सहयोग से राउंड-10 मुक्केबाजी और एमटीके ग्लोबल कर रहे हैं। विजेंदर अभी मैनेजस्टर में ट्रेनर ली बोर्ड के साथ अभ्यास कर रहे हैं।

सफल सलामी बल्लेबाज के तौर पर रिकॉर्ड					
बल्लेबाज	पारी	नाबाद	रन	सर्वाधिक	औसत
ग्रीम स्मिथ	196	12	9030	277	49.07
वीरेंद्र सहवाग	170	06	8207	319	50.04
ग्राहम गूच	184	06	7811	333	43.88
माइकल अथर्टन	197	06	7476	185*	39.14
क्रिस गेल	173	10	7028	333	43.11
सनथ जयसूर्या	152	09	5932	340	41.48
मर्वन अटापट्टू	136	13	5317	249	43.22
हर्शेल गिब्स	116	05	5242	228	47.22
जस्टिन लैंगर	115	09	5112	250	48.22
बॉब सिंपसन	70	04	3664	311	55.51
डीन एल्गर	87	06	3348	199	41.33
डेनिस एमिस	69	08	3276	262*	53.79
माइकल वॉन	72	04	3093	197	45.48
नवजोत सिद्धू	69	01	2911	201	42.80
रोहित शर्मा	02	00	303	176	151.50



पत्नी और बच्चे के साथ पुणे पहुंचे भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज वेंकेश्वर पुजारा • प्रेट्र

### हरमनप्रीत के लिए जेमिमाह और हलीन ने गाया गाना

**नई दिल्ली, आइएनएस :** भारतीय महिला क्रिकेटर जेमिमाह रॉड्रिगज और हलीन देगोल ने हरमनप्रीत कौर को एक खास रेप गाना समर्पित किया है, जिन्होंने हाल में 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला है। रविवार को रॉड्रिगज ने अपने दिव्दर हैंडल पर एक छोटा वीडियो अपलोड किया है, जिसमें वह और देगोल अपनी टी-20 कप्तान के लिए रेप गाना गाती हुईं नजर आ रही हैं। उन्होंने ट्वीट किया, ‘कप्तान हरमनप्रीत कौर आपको 100वें टी-20 के लिए बधाई। आपके लिए बिंग हैरी

और लिटिल जे की ओर से एक छोटा सा तोहफा।’ हरमनप्रीत ने इस वीडियो पर रिटवीट किया, ‘शुक्रिया छोटी बहनों। आपने मेरे लिए यह किया है, इसकी मुझे बेहद खुशी है।’ मालूम हो कि हरमनप्रीत पिछले शुक्रवार को 100 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी (पुरुष या महिला) बनी थीं। 30 साल की हरमनप्रीत ने यह उपलब्धि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ छठे व अंतिम मैच में हासिल की थी, जिसमें भारत को 105 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

से सिर्फ दो अंक आगे हैं। पिछले साल वेस्टइंडीज में आइसीसी महिला टी-20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड पर अपनी बढ़त को 10 से बढ़ाकर 14 अंकों पर पहुंचा दिया है।

## भारत 58वें स्थान पर रहा

दोहा, एएफपी : फर्राटा धाविका निया अली के 100 मीटर बाधा दौड़ में खिताब सहित अमेरिका ने यहाँ समाप्त हुई विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन भी दबदबा बरकरार रखते हुए तीन स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाले।

निया ने खलीफा स्टेडियम में 12.34 सेकेंड का समय निकालकर विश्व रिकॉर्डधारक केनी हैरिसन को पीछे छोड़ा। दो बच्चों की मां 30 वर्षीय निया ने कहा, ‘मैंने बच्चों के जन्म के बाद कड़ी मेहनत की थी। इन महिलाओं (प्रतिद्वंद्वियों) ने प्रतिस्पर्धा का स्तर बढ़ा दिया था, इसलिए मैं जानती थी कि मुझे क्या करना है।’ भारत इस चैंपियनशिप में एक भी पदक अपने नाम नहीं कर सका, लेकिन तीन स्पर्धाओं के फाइनल में जगह बनाने में सफल रहा। इस चैंपियनशिप में भारत 58वें स्थान पर रहा। अमेरिका ने अंतिम दिन कुल तीन स्वर्ण पदक जीते और वह चैंपियनशिप में कुल 14 स्वर्ण, 11 रजत और चार कांस्य पदक लेकर शीर्ष पर रहा। अमेरिका ने दिन के दो अन्य स्वर्ण पदक महिला और पुरुष दोनों वर्ग की चार गुणा 400 मीटर रिले दौड़ में जीते। केन्या दूसरे स्थान पर रहा। उसने पांच स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक हासिल किए। जमैका तीन स्वर्ण, पांच रजत और चार कांस्य पदक लेकर तीसरे स्थान पर रहा। उसने चौथा स्थान मिला। अंतरराष्ट्रीय एथलेटिक्स महासंघ के अध्यक्ष सर्बेरिदन

#### कार्डिफ मैराथन में हिस्सा ले रहे धावक की हुई मृत्यु

लंदन, आइएनएस : कार्डिफ हाफ मैराथन में हिस्सा ले रहे एक धावक की रेस के दौरान ही मृत्यु हो गई। धावक को तुरंत मेडिकल टीम ने देखा था और इसके बाद वेल्स के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था। धावक की पहचान हालांकि अभी तक सार्वजनिक नहीं की गई। रन 4 वेल्स के मुख्य कार्यकारी मैट यूयमैन ने कहा कि मैराथन में हिस्सा लेते हुए जिस धावक की मृत्यु हुई, उनके परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं जो भी इस रेस से जुड़ा था, वो हैरान है। पिछले साल भी दो ब्रिटिश धावकों की दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई थी।

को ने कहा कि इस दुर्नामेंट में कई चैंपियनशिप रिकॉर्ड बने हैं। कुल 43 देशों ने पदक अपने नाम किए, जबकि 209 देशों ने इसमें हिस्सा लिया। आइएएफ विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के इतिहास में इस बार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया गया। इस चैंपियनशिप में 86 राष्ट्रीय रिकॉर्ड बने। हम चाहते हैं कि हमारे खिलाड़ी अलग संस्कृति और अलग-अलग स्थितियों का अनुभव करें।



भारतीय महिला धावक दुती चंद भी भारत को पदक नहीं दिला पाई थीं। फाइल फोटो

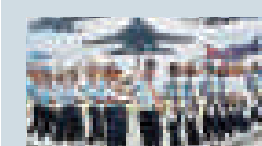






## फ्लाइट सेप्टी फाउंडेशन (एफएसएफ) का सदस्य बना भारत

1998 में आज ही भारत एफएसएफ का सदस्य बना था। एफएसएफ एक स्वतंत्र, गैर-लाभकारी, अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जो विमानन सुरक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान, शिक्षा और संचार से संबंधित है। यह विमान उद्योग से जुड़ी समस्याओं को हल करने में मदद करने के लिए सभी सदस्य देशों को एक साथ लाता है।



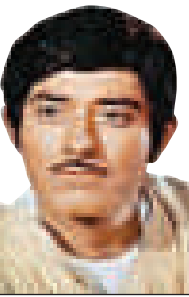
## भारतीय वायुसेना की स्थापना हुई

1932 में आज ही भारतीय वायुसेना की ब्रिटिश वायुसेना की सहायक विंग के तौर पर स्थापना हुई थी। 1945 में दूसरे विश्व युद्ध के दौरान इसे रॉयल इंडियन एयरफोर्स कहा जाने लगा। 1950 में रॉयल शब्द को हटाकर इंडियन एयरफोर्स कहा जाने लगा।



## जानी, 'हम' आज ही बलूचिस्तान में पैदा हुए थे

बीते जमाने के मशहूर कलाकार राजकुमार का जन्म 1926 में आज ही बलूचिस्तान (पाकिस्तान) में हुआ था। उनका असली नाम कुलभूषण पंडित था। मुंबई में सब इस्पेक्टर रहे। अपने चालीस साल के फिल्मी करियर में सतर से ज्यादा फिल्में कीं। 1952 आई रंगीली पहली फिल्म रही। 1957 में आई फिल्म नौशेरावां - ए-आदिल से मशहूर हुए। मंदर इंडिया, हमराज, वक्त, नीलकमल, पाकीजा, तिरंगा और सौदामगर जैसी हिट फिल्में दीं। गले के कैंसर की वजह से 3 जुलाई 1996 को उनका देहांत हो गया।



## इधर-उधर की

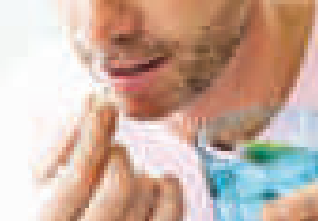
## शादी की पोशाक पहनकर करती है काम



कैनबरा, एजेंसी : आमतौर पर लड़कियां शादी की पोशाक बस शादी के दिन ही पहनती हैं। लेकिन ऑस्ट्रेलिया के एडिलेड शहर में रहने वाली एक महिला हर काम शादी की पोशाक पहनकर करती है। महिला का नाम टैमी हॉल है और वो एक पर्यावरणविद है। 43 वर्षीय टैमी की 2018 में शादी तय हो गई। वह अपने जीवन के सबसे महत्वपूर्ण दिन पर सबसे खूबसूरत और आकर्षक दिखना चाहती थीं, इसलिए उन्होंने करीब 86 हजार की शादी की ड्रेस खरीदी। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने यह भी सोचा कि सिर्फ एक दिन के लिए और एक ड्रेस पर इतना खर्च करना सही नहीं था, इसलिए उन्होंने ड्रेस के पूरे पैसे वसूल करने की सोची और उसे हर रोज इस्तेमाल होने वाले कपड़ों की तरह पहनने लगीं। टैमी जब भी वह शादी की ड्रेस पहनकर कहीं बाहर जाती हैं, तो लोग उन्हें कुछ अलग ही निगाहों से देखते हैं।

## शोध अनुसंधान

## वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव को कम कर सकती है एस्पिरिन



एस्पिरिन दवा का एक नया फायदा सामने आया है। एक अध्ययन में दावा किया गया है कि इस दवा में वायु प्रदूषण के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने की भी क्षमता है। इस अध्ययन में फेफड़ों पर वायु प्रदूषण के पड़ने वाले प्रभाव पर गौर किया गया। यह पाया गया कि इस प्रभाव को एस्पिरिन कम कर सकती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, औसतन 73 साल की उम्र के 2,280 प्रतिभागियों के डाटा के विश्लेषण के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला गया है। शोधकर्ताओं ने वायु प्रदूषण प्रभावित इलाकों में रहने वाले इन प्रतिभागियों पर एस्पिरिन जैसी नॉन स्टेरिओइडल एंटी-इंफ्लेमेटोरी (एनएसएआइडी) दवाओं के असर को आंका। अमेरिका के कोलंबिया मेलमैन स्कूल के शोधकर्ता शू गाओ ने कहा, 'वायु प्रदूषण के दुष्प्रभाव को न्यूनतम करना बेहद अहम है, क्योंकि यह कैंसर से लेकर हृदय रोग जैसी घातक बीमारियों का कारण बन सकता है।'

-एएनआइ

## व्यायाम से हृदय की समस्या से बच सकते हैं कैंसर रोगी

एक अध्ययन का कहना है कि कैंसर रोगियों को अपने इलाज की परवाह किए बिना व्यायाम भी करना चाहिए। इससे वे अपने हृदय को सुरक्षित रखने के साथ ही कई समस्याओं से बच भी सकते हैं। हृदय रोग का कैंसर रोगियों पर प्रतिकूल असर पड़ता है। इटली की सिएना यूनिवर्सिटी के शोधकर्ता फ्लेवियो डीसेंजी ने कहा, 'सामान्य लोगों की तुलना में आमतौर पर कैंसर रोगी कम सक्रिय रहते हैं। हालांकि कैंसर का उपचार करा रहे रोगियों के लिए भी व्यायाम जरूरी होता है। सहनशक्ति बढ़ाने वाले व्यायाम से हृदय की कार्यक्षमता को और बेहतर किया जा सकता है। इसलिए कैंसर रोगियों को कीमोथेरेपी जैसे उपचार के शुरू होने से पहले ही व्यायाम करना प्रारंभ कर देना चाहिए।'

-एएनआइ

## खोज

## पुरातत्वविदों का दावा है कि अपने काल में सबसे बड़ा था यह शहर, इसका निर्माण सभ्यता के शहरीकरण का पहला कदम होगा

हदर, एएफपी : इजरायल के पुरातत्वविदों ने पांच हजार साल पुराने शहर के अवशेषों का पता लगाने का दावा किया है। उनका दावा है कि यह शहर अपने काल में सबसे बड़ा था, जहां किला, मंदिर और कब्रिस्तान की व्यवस्था थी।

इजरायल पुरातात्विक प्राधिकरण के वार्ड पाज ने देश के बीचोंबीच स्थित इस साइट के बारे में बताया, 'हमें यहाँ विशाल शहरी निर्माण मिला है। इसमें गलियों के साथ-साथ, पड़ोसी व सार्वजनिक स्थलों की भी योजना है।' उन्होंने कहा कि कांस्य काल के बाद यह क्षेत्र की सबसे बड़ी खोज है। इस साइट को एन एसुर के नाम से जाना जाता है। यह 0.65 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यहाँ पारंपरिक मंदिर पाया गया है, जिसमें मनुष्य और जानवरों के दुर्लभ चित्र बने हुए हैं। साथ ही यहाँ कुछ जानवरों की हड्डियाँ भी मिली हैं। माना जा रहा है कि यहाँ जानवरों की बलि दी जाती होगी।

पाज कहा कि हमें ताम्र पाषाण काल से लगभग 7,000 साल पुरानी एक बस्ती के लिए खोदाई की अनुमति दी गई थी। हालांकि, अन्य खोजों की तुलना में यह छोटी-सी सफलता है, फिर भी इससे एक बात जरूरत पता चलती है कि इसका निर्माण सभ्यता के शहरीकरण का पहला कदम रहा होगा।

0.65 वर्ग किलोमीटर में फैली है एन एसुर के नामक यह साइट  
ताम्र पाषाण काल से लगभग 7,000 साल पुरानी हो सकती है बस्ती



इजरायल की एन एसुर नामक साइट का अवलोकन करते पुरातत्वविद।

एएफपी

40 लाख सामग्रियां मिलीं : एक अन्य पुरातत्वविद दीन शलेम ने कहा कि वहाँ मिला निर्माण 20 मीटर लंबा और दो मीटर ऊंचा है। साथ ही यहाँ एक कब्रिस्तान भी है। उन्होंने कहा कि इस स्थल पर लगभग 40 लाख छोटी-छोटी सामग्रियों के टुकड़े पाए गए हैं, जिनमें मिट्टी के बर्तन, चकमक पत्थर के औजार और फूलदान शामिल हैं।

संरक्षित किया जाएगा क्षेत्र : एक अन्य

पुरातत्ववेत्ता इटाल एलिड ने कहा कि खोदाई के दौरान हमें कई उपकरण भी मिले। जिनका उस काल के लोग हथियारों के रूप में इस्तेमाल करते होंगे। उन्होंने कहा कि अनुमान है कि इस क्षेत्र को लोगों ने 300 ईसा पूर्व छोड़ दिया होगा। उन्होंने कहा कि ढाई वर्षों तक चली इस खोदाई में लगभग पांच हजार कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया था। यह क्षेत्र एक सड़क के पास है। पुरातत्ववेत्ता अब इसे संरक्षित करने की योजना बना रहे हैं।

## सही समय पर लगवाएं फ्लू का टीका, तभी होगा असर

## न्यूयॉर्क टाइम्स से

वाशिंगटन : इंप्लूएजा यानी फ्लू एक तरह का वायरस संक्रमण है, जिससे मरीज का श्वसन तंत्र प्रभावित होता है। कई बार यह जानलेवा भी साबित हो सकता है। बच्चों के साथ-साथ वयस्क खासकर गर्भवती महिलाएं व कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र वाले लोगों में फ्लू के वायरस से संक्रमित होने का खतरा सबसे अधिक रहता है। इस बीमारी से बचने का सबसे आसान और असरकारक तरीका है 'टीका'।

मौसमी फ्लू से बचने के लिए हर साल टीका लगवाना पड़ता है। हाल में ही कई ऐसे मामले सामने आए, जब टीका लगवाने के बाद भी व्यक्ति संक्रमित हो गया। इसके चलते कई लोग मानने लगे थे कि फ्लू के टीके बेअसर हो रहे हैं। हालांकि, वैज्ञानिक इससे सहमत नहीं हैं। उनका कहना है कि फ्लू का टीका बेअसर नहीं है। हां, सही व एक निश्चित समय पर टीका नहीं लगवाने से



टीका लगाने के करीब दो हफ्ते बाद शरीर तैयार करना शुरू करता है एंटीबॉडी।

उसका असर कम जरूर हो जाता है।

सबसे पहले द इयुनाइजेशन प्रैक्टिस एडवाइजरी कमेटी ने फ्लू टीके के असर को लेकर चेतावनी जारी की थी। उसका कहना था कि 65 या उससे अधिक उम्र के बुजुर्गों को फ्लू के सीजन से बहुत पहले टीका नहीं लगवाना चाहिए, क्योंकि कुछ महीनों में ही टीके के कारण शरीर में बनी

एंटीबॉडी घटने लगती है। इसके बाद हुए कई शोधों में ही यही बात सामने आई है। यूरोप में हुए एक शोध के अनुसार, टीका लगने के एक-दो महीने बाद से ही उसका असर कम होने लगता है। 2011-12 में फ्लू का टीका लगवाने वाले लोगों पर शोध है। बाद अमेरिका के सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन का दावा है कि हर महीने टीके

मौसमी फ्लू से बचाव के लिए बच्चों के साथ वयस्क को हर साल लगाना होता है टीका  
समय से पहले टीका लगवाने से घटने लगती है शरीर में बनी एंटीबॉडी

## कितना पानी पीना है बताएंगी 'किडनी'

## आविष्कार शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा नया मॉडल

## दवाएं खाने से शरीर को होने वाले नुकसान का भी हो सकेगा आकलन

टोरंटो, आइएनएस : अक्सर देखा जाता है कि कई लोग शरीर की जरूरत के मुताबिक पानी नहीं पीते हैं। बीमारी होने पर दवाएं तो खा लेते हैं पर पानी के स्तर का तब भी ध्यान नहीं रखते। ऐसे में दवाएं सीधा किडनी पर असर कर उनकी कार्यक्षमता को प्रभावित करती हैं। पानी की कमी के कारण शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों की जांच के लिए वैज्ञानिकों ने 'कंयूटर किडनी' विकसित की है। यह एक ऐसा मॉडल है, जो कम पानी पीने वाले लोगों पर दवाओं के प्रभावों के बारे में भी बताएगा। शरीर में पानी का संतुलन बनाए रखने के लिए किडनी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। साथ ही यह डिहाइड्रेशन (निर्जलीकरण) के दौरान भी बहुत कम पानी का उपयोग करते हुए शरीर के भीतर मौजूद गंदगी को बाहर निकालने में मदद करती है। जिन लोगों को किडनी से संबंधित समस्या होती है और जो लोग रक्तचाप को नियंत्रित करने के लिए

अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी में प्रकाशित हुआ अध्ययन  
बीमारियों से बचना है तो पर्याप्त मात्रा में पीते रहें पानी



एक स्वस्थ व्यक्ति के लिए दिन में चार लीटर पानी पर्याप्त होता है। प्रतीकात्मक

दवाएं लेते हैं। उनके शरीर में कई बार पानी का संतुलन बिगड़ जाता है। वैज्ञानिकों ने कहा कि ऐसे मरीजों को उचित दवाएं से ज्यादा के साथ-साथ शरीर में पानी की मात्रा का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। असंतुलन की स्थिति में लोग कई अन्य बीमारियों के शिकार भी हो सकते हैं। यह अध्ययन अमेरिकन जर्नल ऑफ फिजियोलॉजी-रिनल फिजियोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। कनाडा की यूनिवर्सिटी ऑफ वाटरलू के अल्फाइट मैथमेटिक्स फार्मसी एंड बायोलॉजी विभाग की प्रोफेसर अनीता लायटन ने कहा, 'जिन लोगों को

उच्च रक्तचाप की शिकायत होती है उन्हें आमतौर पर पानी की गोलियां दी जाती हैं, इसलिए वे अपने रक्त के घनत्व से ज्यादा यूरिन (पेशाब) करते हैं। इससे उन्हें रक्तचाप कम रखने में मदद मिलती है।' दवाएं बिगाड़ती हैं हार्मोनल सिस्टम : लायटन के कहा कि रक्तचाप के मरीजों को अन्य दवाएं देने से उनका हार्मोनल सिस्टम प्रभावित होता है और इसका प्रभाव किडनी पर भी पड़ता है। अक्सर देखा जाता है कि लोग एक उम्र के बाद रक्तचाप की एक-दो दवाएं खाते रहते हैं। उन्हें लगता है कि इससे वे स्वस्थ रहेंगे, लेकिन एक दिन यदि उन्हें सिर

दर्द हो जाए तो ऐसे में वे एस्पिरिन ले सकते हैं। ये तीनों दवाएं मिलकर उनकी किडनी को नुकसान पहुंचा सकती हैं।

शरीर में पानी के संतुलन से भी प्रभावित होती है किडनी : इस समस्या से बचने के लिए लायटन ने एक नया मॉडल बनाया, जो यह दिखाता है कि मांसपेशियों के सिकुड़ने से यूरिन किडनी से ब्लाडर (मूत्राशय) में आ जाता है। इस दौरान यह भी पाया गया है कि जब तक मरीज पूरी तरह से हाइड्रेट नहीं होता है तो वह रक्तचाप नियंत्रित करने के लिए दो दवाएं लेता है। ऐसे में यदि वह एस्पिरिन लेता है तो इसका किडनी पर सीधा प्रभाव पड़ता है और उनकी कार्यक्षमता प्रभावित होने लगती है। उन्होंने कहा कि किडनी पर यह प्रभाव तभी पड़ता है जब शरीर में पानी का संतुलन ठीक नहीं होता। ऐसे में शरीर के विषाक्त पदार्थ भी बाहर नहीं निकल पाते। लायटन ने कहा कि इस अध्ययन के बाद हम यह समझने के करीब हैं कि शरीर में पानी का संतुलन कैसे बनाए रखा जा सकता है? उन्होंने कहा कि इसके लिए हमें चाहिए कि पर्याप्त मात्रा में समय-समय पर पानी पीते रहें।

## सुडौल शरीर चाहिए तो अकेले करें भोजन : शोध

लंदन, आइएनएस : यदि आप अपने शरीर को सुडौल बनाने के लिए कम भोजन करना चाहते हैं तो अकेले में भोजन करना फायदेमंद हो सकता है। एक नए अध्ययन में यह दावा किया गया है कि व्यक्ति अपने दोस्तों और परिजनों के साथ अधिक भोजन करता है। ऐसे में मोटापा बढ़ने की संभावना ज्यादा रहती है। अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया है कि सभी के साथ मिलकर भोजन करते समय व्यक्ति अधिक खाना खाता है, जबकि अकेले में वह उससे कई गुना कम आहार ग्रहण करता है।

ब्रिटेन की बर्मिंघम यूनिवर्सिटी की शोधकर्ता लेनेन रुडक ने दावा किया कि अध्ययन के दौरान हमें इस बात के सबूत मिले हैं कि अकेले भोजन करने की तुलना में व्यक्ति परिजनों और दोस्तों के साथ बैठकर अधिक खाना खाता है। पिछले अध्ययनों में पाया गया था कि दूसरों के साथ खाने वाले लोग अकेले भोजन करने वालों की तुलना में 48 फीसद ज्यादा भोजन करते हैं और मोटापे से ग्रस्त महिलाएं अकेले खाने के मुकाबले मिलजुल कर भोजन करने पर 29 फीसद तक ज्यादा आहार ग्रहण करती हैं। इस अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने

## स्पेक्ट्रम

दोस्तों और परिजनों के साथ अधिक भोजन करते हैं लोग

अमेरिकन सोसाइटी ऑफ क्लीनिकल न्यूट्रिशन में प्रकाशित हुआ अध्ययन



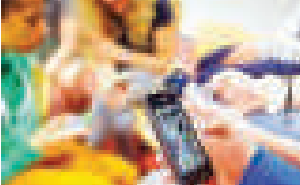
प्रतीकात्मक

सामुदायिक भोजन पर किये गए मौजूदा 42 अध्ययनों का मूल्यांकन किया। इस दौरान शोधकर्ता ने पाया कि व्यक्ति दोस्तों और परिजनों के साथ ज्यादा खाना इसलिए खा लेता है, क्योंकि वह आनंद लेने का समय होता है और लोग एक-दूसरे की देखादेखी में ज्यादा भोजन कर लेते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि यदि व्यक्ति अकेले भोजन करता है तो वह जल्दी खाना खा कर दूसरे कामों में जुट जाता है। इससे मोटापे का खतरा कम रहता है।

## स्मार्टफोन पर तेजी से टाइपिंग करते हैं बच्चे

लंदन, आइएनएस : ऐसे यूजर्स जो अपने स्मार्टफोन को टाइपराइटर बनाना चाहते हैं, उनके लिए यह अच्छी खबर है। बच्चों की बढ़ती मोबाइल हैंडसेट पर टाइपिंग स्पीड अब फिजिकल कीबोर्ड के बराबर होती जा रही है। 37 हजार यूजर्स पर किए गए एक अध्ययन के अनुसार, मोबाइल और फिजिकल कीबोर्ड्स के बीच टाइपिंग स्पीड में अंतर धीरे-धीरे कम हो रहा है। 110 से 19 साल के बच्चे अपने माता-पिता की तुलना में लगभग 10 शब्द-प्रति मिनट तेजी से टाइप कर लेते हैं।

फिनलैंड की ऑल्टो यूनिवर्सिटी, ब्रिटेन की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और ईटीएच ज्यूरिख के शोधकर्ताओं ने फोन और कंप्यूटर पर हजारों यूजर्स की टाइपिंग की स्पीड का विश्लेषण किया। ईटीएच ज्यूरिख के शोधकर्ता और सह-लेखक फ्रीट ने कहा कि हम यह देखकर आश्चर्य चकित थे कि यूजर्स कैसे दो अंगूठों की मदद से एक मिनट में औसतन 38 शब्द लिख लेते हैं। यह संख्या फिजिकल कीबोर्ड्स पर टाइपिंग स्पीड से केवल 25



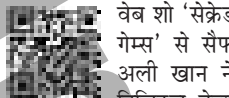
प्रतीकात्मक

फीसद धीमी थी। शोधकर्ताओं ने कहा कि कुछ यूजर फिजिकल कीबोर्ड पर 100 शब्द प्रति मिनट भी लिख लेते हैं। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि जैसे-जैसे लोग फिजिकल कीबोर्ड के साथ कम कुशल होते जाएंगे और कीबोर्ड के लिए स्मार्ट तरीकों में और सुधार होगा तो कुछ समय बाद इस अंतर के खत्म होने की संभावनाएं बढ़ जाएंगी। अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि कई यूजर्स ने टच स्क्रीन पर 85 शब्द प्रति मिनट भी लिखे थे। इसका कारण बताते हुए शोधकर्ताओं ने कहा कि यूजर्स का स्मार्टफोन के जरिये अपने दोस्तों के साथ चैटिंग में व्यस्त रहना भी इसका एक प्रमुख कारण है।

## स्क्रीन शॉट



## 'सेक्रेड गेम्स 3' में काम नहीं करना चाहते हैं सैफ



वेब शो 'सेक्रेड गेम्स' से सैफ अली खान ने डिजिटल डेब्यू किया था। उसमें वह सरताज सिंह की भूमिका में नजर आ आए हैं। नवाजुद्दीन सिद्दीकी, पंकज त्रिपाठी जैसे कलाकार भी उसमें अहम भूमिका में हैं। बीते 15

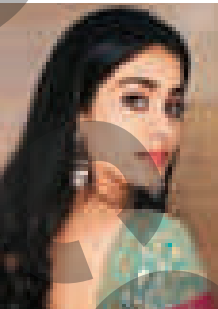
अगस्त को शो का दूसरा सीजन प्रसारित किया गया था। उसे दर्शकों की खास प्रतिक्रिया नहीं मिली। शो का तीसरा सीजन आने की उम्मीदें थीं। हालांकि सैफ अब उसका हिस्सा नहीं बनना चाहते हैं। सैफ के मुताबिक, 'सेक्रेड गेम्स का पहला सीजन बेहतर था। उसे दर्शकों ने काफी पसंद किया

था। दूसरे सीजन में भाषणबाजी ज्यादा हो गई। साथ ही थोड़ा स्लो भी था। अब उसके तीसरे सीजन में मेरी कोई दिलचस्पी नहीं है। मुझे लगता है कि अब आगे कुछ नया करना चाहिए। आप लगातार एक ही चीज को लंबे समय तक नहीं कर सकते हैं। अब कहानी पूरी हो चुकी है।



## अब बेटी जाह्नवी को लेकर फिल्म बनाएंगे बोनी कपूर

निर्माता बोनी कपूर ने अपने बेटे अर्जुन कपूर को लेकर फिल्म 'तेवर' का निर्माण किया था। अब वह अपनी बेटी जाह्नवी कपूर को लेकर फिल्म बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म को वह महावीर जैन के साथ मिलकर बनाएंगे। 'बॉम्बे गैल' नामक इस फिल्म में जाह्नवी नए अवतार में नजर आएंगी। फिल्म की कहानी वर्तमान दौर की होगी। उसमें जाह्नवी विद्रोही किशोरी की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की कहानी संजय त्रिपाठी ने लिखी है। वहीं फिल्म का निर्देशन भी करेंगे। फिल्म 'धड़क' से हिंदी सिनेमा में कदम रखने के बाद जाह्नवी फिल्ममेकरों की पसंद बनी हुई हैं। वह इन दिनों गुंजन सक्सेना की बायोपिक की शूटिंग में व्यस्त हैं। यह फिल्म कारगिल युद्ध में पाकिस्तानी सेना को धूल चटाने वाली गुंजन सक्सेना पर आधारित है। उसके अलावा दिनेश विजान के प्रोडक्शन तले



बन रही हॉरर कॉमेडी फिल्म 'रुही अफजा' में डबल रोल में नजर आएंगी। फिल्म में उनके अपोजिट राजकुमार राव होंगे। 'घोस्ट स्टोरीज' में जोया अख्तर निर्देशित स्टोरी का हिस्सा बनेंगी। नेटफ्लिक्स के लिए बने वाली 'घोस्ट स्टोरीज' में चार लघु कहानियां होंगी। जोया के अलावा तीन कहानियों को करण जोहर, अदुराग करश्य, और दिबाकर बनर्जी निर्देशित करेंगे। इन्हीं चारों निर्देशकों ने 'लस्ट स्टोरी' का निर्देशन किया था।

## आखिरी दम तक एक्टिंग करना चाहती हैं करीना



करीना कपूर ने चौबीस साल पहले 1995 में फिल्म 'रिप्यूजी' के साथ बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म में करीना अभिषेक बच्चन के साथ दिखाई दी थीं। उसके बाद से उन्होंने कई सफल फिल्मों में काम किया है, जिसमें 'जब वी मेट', 'उड़ता पंजाब', 'वीर दि वेडिंग',

'चमेली' और 'गोलमाल 3' शामिल हैं। करीना कहती हैं, 'मेरी अभिनय यात्रा बहुत ही दिलचस्प रही। बहुत अच्छे लोगों के साथ काम करने का मौका मिला। मुझे लगता है कि मैं एक्टिंग करने के लिए ही पैदा हुई हूँ। यह मेरा जुनून है। चाहे जो भी हो जाए, अंतिम समय तक एक्टिंग करना चाहती हूँ।' अब करीना आमिर खान के साथ 'लाल सिंह चड्ढा' में दिखाई देंगी। करीना कहती हैं, 'यह मेरी खुशकिस्मती है कि मुझे आमिर

खान के साथ काम करने का मौका मिला, क्योंकि मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूँ। इसके पहले करीना आमिर के साथ 'तलाश' और 'श्री इंडियट्स' में काम कर चुकी हैं। जब भी आमिर के साथ काम करती हूँ, लगता है मेरा सपना पूरा हो गया है। 'लाल सिंह चड्ढा' हॉलीवुड फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' की ऑफिशियल रीमेक है। इसे अतुल कुलकर्णी ने लिखा है। फिल्म 2020 में क्रिसमस के दौरान रिलीज होगी।